टीईटी पेपर लीक से 6 लाख..
02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रिद्धि डोगरा ने लोकल ट्रेनों...
11

वर्ष - 02, अंक - 102 | गाजियाबाद / बुधवार 15 जुलाई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन समेत 10 यूरोपीय देशों ने मिसाइल डिफेंस गठबंधन बनाया

● रूस के बैलिस्टिक हमलों से यूरोप को बचाने की तैयारी

पेरिस (एजेंसी)। यूक्रेन और यूरोप के 9 देशों ने रूस के बैलिस्टिक मिसाइल खतरे से निपटने के लिए नया रक्षा गठबंधन बनाया है। इसका मकसद पूरे यूरोप के लिए साझा बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम तैयार करना है। यह फैसला पेरिस में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं की बैठक में लिया गया। इनमें यूक्रेन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, इटली, नीदरलैंड, डेनमार्क, नॉर्वे, स्पेन और स्वीडन शामिल हैं। संयुक्त बयान में कहा गया कि रूस की बैलिस्टिक मिसाइलें यूरोप की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन रही हैं। इसलिए पूरे यूरोप के लिए एक इंटीग्रेटेड मिसाइल डिफेंस सिस्टम विकसित किया जाएगा। इसमें रूस के खिलाफ चार साल से युद्ध लड़ रहे यूक्रेन के अनुभव का भी इस्तेमाल होगा। जेलेंस्की ने कहा कि यूरोप की पहली प्राथमिकता बैलिस्टिक मिसाइलों से सुरक्षा है। वहीं, गठबंधन ने साफ किया कि भविष्य में दूसरे यूरोपीय देश भी इसमें शामिल हो सकेंगे।

ट्विशा केस

गिरिबाला-समर्थ का फिर वॉयस सैंपल देने से इनकार

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में एक्ट्रेस-मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में मंगलवार को जिला अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई हुई। सीबीआई ने अदालत को बताया कि दोनों आरोपियों ने वॉयस सैंपल नहीं दिया है। भोपाल एम्स ने भी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट देने से मना किया है। सीबीआई ने गिरिबाला और समर्थ की न्यायिक हिरासत 28 जुलाई तक बढ़ाने की मांग की है। ट्विशा पक्ष के वकील शुभांग दीक्षित ने बताया कि अदालत पहले ही दोनों आरोपियों के वॉयस सैंपल लेने की अनुमति दे चुकी थी। इसके बाद 6 जुलाई को सीबीआई सैंपल लेने पहुंची थी। समर्थ सिंह ने वॉयस सैंपल देने से साफ इनकार कर दिया, जबकि गिरिबाला सिंह ने एक बार सैंपल दिया, लेकिन दोबारा सैंपल नहीं दिया।

नासिक में पर्यटकों पर हमला, 15 किमी तक पीछा किया

● पीड़ित परिवार ने महिला से छेड़छाड़ का विरोध किया था

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक में घूमने गए एक पर्यटक परिवार पर मनचलों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने एक महिला से छेड़छाड़ की थी। परिवार ने इसका विरोध किया तो 8-10 युवकों ने परिवार को घेर लिया। महिला का परिवार किसी तरह कार से वहां से भागा। इसके बाद आरोपियों ने बाइकों से कार का करीब 15 किमी तक पीछा किया और लाठी-डंडों, रॉड और बेसबॉल स्टिक से उन पर जानलेवा हमला किया और चलती कार में तोड़फोड़ की। परिवार ने किसी तरह जान बचाई। वारदात सोमवार शाम की है। इस मामले में पुलिस ने लूट, हत्या के प्रयास और छेड़छाड़ जैसे गंभीर मामले दर्ज कर 8 युवकों को अरेस्ट किया है। एक अन्य की तलाश जारी है।

रास्ते में कई बार कार पर डंडों-रॉड से हमला किया- नासिक पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, नासिक में ही रहने वाली पूनम भागवत 12 जुलाई की शाम अपने परिवार के साथ भावली वाटरफॉल घूमने गई थीं। इसी दौरान परिवार की एक लड़की के साथ कुछ स्थानीय मनचलों ने कथित छेड़छाड़ की।

ऑस्ट्रेलिया में मोदी के कार्यक्रम पर विवाद

● आयोजकों ने कहा- पैसे देकर लोगों को नहीं बुलाया, कांग्रेस ने कहा था- पीएम के स्वागत में भाड़े के लोग आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी के मेलबर्न में हुए 'मेलबर्न मीट्स मोदी' कार्यक्रम पर आयोजकों ने कहा कि इस कार्यक्रम में आने के लिए लोगों को पैसे नहीं दिए गए थे। इससे पहले कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए आरोप लगाया था कि 9 जुलाई को हुए इस कार्यक्रम में लोगों को पैसे देकर चार्टर्ड प्लेन से बुलाया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कार्यक्रम के आयोजकों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लेटर लिखकर माफी और बयान वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ऐसा बयान भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय का अपमान है। इसका खर्च बीजेपी, भारत सरकार या ऑस्ट्रेलिया सरकार ने नहीं उठाया।

ब्रिटेन से भारत तक बढ़ा नया ट्रेंड

● महंगी छुट्टियों से बचने का ढूंढा नया तरीका, लोग आधे खर्च में ऐसे ले रहे पूरे ट्रिप का मजा

नईदिल्ली (एजेंसी)। महंगी फ्लाइट और होटल कीमतों से बचने के लिए ब्रिटेन समेत कई देशों में माता-पिता स्कूल की छुट्टियों के बजाय बच्चों को स्कूल के दिनों में घुमाने ले जा रहे हैं। ऑफ-सीजन यात्रा से खर्च कम होता है, भीड़ कम मिलती है और बच्चों को बेहतर सीखने का अवसर भी।

आधिकारिक छुट्टियों के बजाय स्कूल के दिनों में ही घुमाने ले जा रहे हैं- बढ़ती महंगाई और यात्रा पर बढ़ते खर्च के बीच परिवार अब छुट्टियां मनाने का नया तरीका अपना रहे हैं। ब्रिटेन में बड़ी संख्या में माता-पिता बच्चों को स्कूल की आधिकारिक छुट्टियों के बजाय स्कूल के दिनों में ही घूमाने ले जा रहे हैं। उनका मानना है कि ऐसा करने से फ्लाइट, होटल और अन्य यात्रा खर्च में भारी बचत होती है। पर्यटन से जुड़ी कई एजेंसियों के विश्लेषण के अनुसार, यदि परिवार अपनी यात्रा को स्कूल की छुट्टियों से सिर्फ दो या तीन सप्ताह आगे या पीछे कर दें, तो फ्लाइट और होटल की कीमतें कई बार लगभग आधी रह जाती हैं।

कम खर्च में बेहतर यात्रा का अनुभव

विशेषज्ञों का कहना है कि ऑफ-सीजन में यात्रा करने से केवल पैसों की बचत ही नहीं होती, बल्कि परिवारों को बेहतर अनुभव भी मिलता है। पर्यटन स्थलों पर भीड़ कम होने के कारण बच्चे आराम से ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों को समझ पाते हैं और यात्रा अधिक शिक्षाप्रद बन जाती है। यात्रा खर्च कम करने के लिए जर्मनी ने एक अलग व्यवस्था अपनाई है। वहां सभी राज्यों में स्कूलों की छुट्टियां एक साथ नहीं होतीं, बल्कि अलग-अलग तारीखों पर तय की जाती हैं।

भारत में भी बजट यात्रा पर जोर

पर्यटन से जुड़ी रिपोर्टों के अनुसार, भारत में करीब 85 से 87 प्रतिशत परिवार गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों के साथ घूमने की योजना बनाते हैं। हालांकि पीक सीजन में बढ़ती कीमतों के कारण लगभग 95 प्रतिशत माता-पिता सबसे पहले बजट को ध्यान में रखकर यात्रा की योजना बनाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक लगभग 60 प्रतिशत परिवार महंगे विदेशी टूर छोड़कर देश के पहाड़ी पर्यटन स्थलों का रुख कर रहे हैं।

● भोजशाला मामले में सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

मंदिर परिसर के पास हर शुक्रवार नमाज होगी

● मप्र सरकार से कहा- मुस्लिम पक्ष को अलग जगह दें, एएसआई परिसर से छेड़छाड़ न करे

नईदिल्ली/धार(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को धार भोजशाला मंदिर के पास नमाज के लिए कोई खुला स्थान देने को कहा है। कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए यह जगह दी जाए।

अदालत ने यह भी कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) बिना कोर्ट की मंजूरी परिसर में किसी भी तरह का बदलाव न करे। सुप्रीम कोर्ट एमपी हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें परिसर को मंदिर करार दिया गया है।

सुनवाई के बाद भोजशाला संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार भोजशाला में नियमित पूजा-अर्चना जारी रहेगी।

● **भोजशाला परिसर में कोई भी संरचनात्मक बदलाव नहीं होगा-** मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजैफा अहमदी की मांग स्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) कोर्ट की पूर्व अनुमति के बिना भोजशाला परिसर में कोई भी संरचनात्मक बदलाव नहीं करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि मामले की अंतिम सुनवाई करीब तीन सप्ताह बाद की जाएगी।

ज्ञानवापी मामला

मध्यस्थता कोर्ट में सुनवाई पूरी, दोनों पक्षों ने समझौता से किया इनकार- ज्ञानवापी मामले में मध्यस्थता कोर्ट में सुनवाई आज (यानि मंगलवार) को पूरी हो गई। दोनों पक्षों ने मध्यस्थता से इनकार कर दिया है। चार पत्रावलियों पर ये बातचीत हुई है। चारों पत्रावलियों के पक्षकार आए थे और सभी ने इस मामले में किसी भी प्रकार की मध्यस्थता से इनकार किया और कोर्ट के निर्णय को सर्वमान्य मानने की बात कही।

मंदिर-मस्जिद पक्ष ने कहा, अदालत से तय होंगे मुकदमे- सभी पक्षों ने अपनी-अपनी बातों पर दृढ़ता दिखाई कि कोई समझौता नहीं करेंगे, अपनी लड़ाई लड़ेंगे। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार समझौते की वार्ता विफल हो गई। चर्चा थी कि मुस्लिम पक्ष समझौता वार्ता का बहिष्कार करेगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुस्लिम पक्ष से अंजुमन मसाजिद के प्रतिनिधि और अधिवक्ता गण भी आए थे।

ईरानी हमले में भारतीय की मौत

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी/ नईदिल्ली (एजेंसी)। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में सोमवार देर रात यूएई के दो तेल टैंकरों एमटी अल बहियाह और एमटी मोम्बासा पर क्रूज मिसाइलों से हमला किया। इसमें एक भारतीय की मौत हो गई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों जहाजों में 46 क्रू मेंबर्स थे जिसमें कुल 30 भारतीय थे।

मंत्रालय के मुताबिक एमटी अल बहियाह पर सवार 12 भारतीयों में से एक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया।

वहीं, एमटी मोम्बासा पर मौजूद 18 भारतीयों में से 9 घायल हुए हैं। इनमें 2 की हालत गंभीर बताई गई है।भारत ने मंगलवार सुबह ईरान के उप राजदूत मोहम्मद जवाद हुसैनी समेत ईरानी डिप्लोमेट्स को तलब किया। विदेश मंत्रालय ने घटना पर गंभीर चिंता जताई और ईरानी मिशन से जवाब मांगा।

रामंदिर ट्रस्ट कोषाध्यक्ष बोले

चढ़ावे से 3 करोड़ चोरी हुए

● अखिलेश यादव के खिलाफ पोस्टर- दिल में बाबर, मुंह में राम

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरि ने कहा- जहां तक मेरा अनुमान है करीब 3 करोड़ रुपए की चोरी हुई होगी।

14 करोड़ रुपए के सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी होने की बात गलत है। गोविंददेव गिरि ने पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने इस्तीफे की खबरों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- मैंने कोई इस्तीफा नहीं दिया है। इधर, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट से पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र का नाम हटा दिया गया है। इससे पहले दोनों की वीआईपी पास आईडी भी ब्लॉक कर दी गई थी। ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन और ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास के नाम पर नई वीआईपी पास आईडी जारी की गई है।अयोध्या, बाराबंकी, मथुरा समेत यूपी के कई जिलों में सोमवार देर रात सपा के खिलाफ पोस्टर लगाए गए। इनमें मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव की तस्वीरों के साथ लिखा है- दिल में बाबर, मुंह में राम। मंगलवार सुबह सपा कार्यकर्ताओं ने होर्डिंग्स फाड़ दिए।

11 साल में तीसरी बार मानसून पर ब्रेक

यूपी में अब तक 19 प्रतिशत, एमपी में 3 प्रतिशत कम बारिश

नई दिल्ली/लखनऊ/भोपाल (एजेंसी)। देश के बड़े हिस्से में जुलाई में मानसून ब्रेक जैसी स्थिति बनी है। साल 2015 और 2021 के बाद 11 साल में यह तीसरा मौका है। मौसम विभाग के मुताबिक 6-7 दिनों तक उत्तर-पश्चिम, मध्य और दक्षिण भारत के अधिकांश हिस्सों में बारिश के आसार कम हैं। हालांकि, पूर्वोत्तर, बिहार और पश्चिम बंगाल में तेज बारिश जारी रहेगी।

मध्य प्रदेश में पहली बार जुलाई में मानसूनी सीजन में कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में अब तक 241.8 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य बारिश 250.1 मिमी से 3प्रतिशत कम है।

वहीं, उत्तर प्रदेश में 1 जून से 13 जुलाई के बीच 161.6 मिमी बारिश हुई, जो कि औसतन 199.7 मिमी से 19 प्रतिशत कम है। राजस्थान में पिछले 24 घंटे में कहीं भी बारिश नहीं हुई। श्रीगंगानगर में अधिकतम पारा 41.5 डिग्री रहा।

नॉर्थ-ईस्ट राज्यों में बाढ़ जैसे हालात- पूर्वोत्तर में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बिहार, असम, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल में लैंडस्लाइड और बाढ़ की खबरें सामने आ रही हैं। सोमवार को अरुणाचल के कुरुंग कुमे जिले में कुमे नदी में बाढ़ के बाद भारत-चीन सीमा के पास टापा बॉर्डर आउटपोस्ट पर तैनात आईटीबीपी के 15 जवानों से संपर्क टूट गया।असम के टियोक में पुथी नदी ने एक तटबंध तोड़ दिया। कई गांव और कृषि भूमि पानी में डूब गए हैं। कई जगहों पर सड़कें टूट गईं।

हीट इंडेक्स यानी फील लाइक टेम्परेचर बढ़ेगा

दरअसल, हवा में नमी बढ़ने पर शरीर से निकलने वाला पसीना जल्दी नहीं सूखता। इससे शरीर ठंडा नहीं हो पाता और मौसम वास्तविक तापमान से कहीं ज्यादा गर्म लगता है। इसे हीट इंडेक्स कहते हैं।भुवनेश्वर में पारा 36 डिग्री और 63 प्रतिशत आर्द्रता के साथ हीट इंडेक्स 49 डिग्री तक पहुंच गया। मुंबई में 32 डिग्री पारा होने के बावजूद 70 प्रतिशत नमी के चलते 40 डिग्री जैसी गर्मी महसूस हो रही है। दिल्ली और श्रीगंगानगर में हीट इंडेक्स करीब 45-46 डिग्री है।

जून में थोक महंगाई 9.81 प्रतिशत, 44 महीने में सबसे ज्यादा

खाने-पीने और रोजाना जरूरत के सामान महंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जून में थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 9.87 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह पिछले महीने 9.68 प्रतिशत पर थी। जून में महंगाई 44 महीने में सबसे ज्यादा है। सितंबर 2022 में ये 10.70 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 14 जुलाई को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं।

महंगाई बढ़ने की वजह रोजमर्रा की जरूरत के सामान

और खाने-पीने की चीजों का महंगा होना है। अमेरिका और ईरान के बीच फरवरी से चल रहा तनाव कम नहीं हुआ तो इसके दामों में और इजाफा हो सकता है। इससे पहले कल रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी हुए थे।

रोजाना जरूरत के सामान के दाम बढ़े

● रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई 4.99 प्रतिशत से बढ़कर 7.00 प्रतिशत हो गई है। ● खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई 4.49 प्रतिशत से बढ़कर 6.14 प्रतिशत पर पहुंच गई है। ● फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 30.33 प्रतिशत से घटकर 27.41 प्रतिशत हो गई है।

होलसेल महंगाई के 4 हिस्से

प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62 प्रतिशत है। फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15 प्रतिशत और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23 प्रतिशत है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं।

● फूड आर्टिकल्स जैसे अनाज, सब्जियां
● नॉन फूड आर्टिकल में ऑयल सीड आते हैं
● मिनरल्स
● क्रूड पेट्रोलियम
● होलसेल प्राइस इंडेक्स का आम आदमी पर असर हो रहा है। ● रिटेल महंगाई लगातार छठे महीने बढ़ी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद 10 लाख करोड़ की डिफेंस डील

14 महीने में हथियारों की खरीद का पैटर्न बदला; लंबी जंग की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रक्षा खरीद का पैटर्न तेजी से बदला है। पिछले 14 महीनों में मंजूर रिकॉर्ड प्रस्तावों से संकेत मिलता है कि सेना को अब सिर्फ सीमित जवाबी कार्रवाई के लिए नहीं, बल्कि लंबी और मल्टीलेवल वॉर के लिए तैयार किया जा रहा है।

डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने संघर्ष के बाद से 55 प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनकी कुल कीमत

9.80 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। यह रकम एक साथ खर्च नहीं होगी, बल्कि कई साल में अलग-अलग सौदों, निर्माण कार्यक्रमों और आधुनिकीकरण योजनाओं पर लगेगी।

तैयारी की वजह युद्ध छिड़ना अब सामान्य बात- तैयारी की पहली वजह ये है कि युद्ध छिड़ना अब सामान्य बात होती जा रही है। दूसरे, जंग छिड़ने के बाद उसे रोकना आसान नहीं रह गया है और तीसरी बात दुश्मन की कोशिश यह होती है कि लंबी और आर्थिक रुप से चोट पहुंचाने वाले सैन्य संघर्ष को जारी रखा जाए।

पंजाब में कमजोर पड़ा मानसून, सैटेलाइट तस्वीरों से बढ़ी चिंता

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के कई इलाकों में मानसूनी बादलों का मिजाज बदल गया है, जिससे किसानों और आम जनता की चिंता बढ़ी है। सैटेलाइट तस्वीरों के विश्लेषण से पता चला है कि पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर और हिमाचल से सटे क्षेत्रों में अभी भी घने बादल मौजूद हैं। वहीं, जालंधर, लुधियाना, कपूरथला और नवांशहर में भी बादलों की हल्की पट्टी देखी जा रही है, जबकि मोहाली और जालंधर में सुबह के वक्त कुछ तेज बारिश भी दर्ज की गई। इसके विपरीत, राज्य के दक्षिणी जिले जैसे बठिंडा, मानसा, मुक्तसर और फाजिल्का में बादल लगभग नदारद हैं, जिससे यहां सूखे जैसे हालात बन रहे हैं। बीते 24 घंटों में पंजाब के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहा और केवल सीमावर्ती व पहाड़ी क्षेत्रों में ही हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 13 से 18 जुलाई के बीच मानसून की गतिविधियां कमजोर रहने की संभावना है, जिसके चलते लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ेगा। चंडीगढ़ में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और कुछ मौकों पर बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं, हालांकि इसके लिए कोई विशेष अलर्ट जारी नहीं किया गया है। एक ओर जहां पंजाब के कई हिस्से बारिश की कमी झेल रहे हैं, वहीं पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश में जुलाई महीने में अब तक सामान्य से 40 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई है। 1 से 12 जुलाई के बीच राज्य में 119.6 मिलीमीटर वर्षा हुई है, जो सामान्य 85.6 मिलीमीटर से काफी ज्यादा है।

सर्पदंश से मासूम की मौत, सपेरे का करते रहे इंतज़ार

गुरुग्राम (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। बहादुरगढ़ में एक दुखद घटना सामने आई है जहाँ अंधविश्वास के चलते चार वर्षीय मासूम अंशज ने अपनी जान गंवा दी। टीकरी बॉर्डर क्षेत्र में सांप के काटने के बाद उसके परिजन तुरंत अस्पताल ले जाने की बजाय सपेरे का इंतजार करते रहे। जब वे अचेत अवस्था में सिविल अस्पताल पहुंचे, तब चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। हैरानी की बात यह है कि डॉक्टरों द्वारा मृत्यु की पुष्टि के बाद भी स्वजन सपेरे के आने की उम्मीद में काफी देर तक वहीं इंतजार करते रहे। अस्पताल प्रशासन ने मामले की सूचना पुलिस को दी, जिसने मौके पर पहुँचकर आवश्यक कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया। चिकित्सकों ने समझाया है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक या सपेरे के भरोसे रहने की बजाय तुरंत निकटतम अस्पताल पहुंचना चाहिए। एंटी-स्नेक वेनम (एएसवी) समय पर मिलने से कई जानें बचाई जा सकती हैं, जैसा कि बहादुरगढ़ में ही पहले दो मामलों में हुआ। यह घटना अंधविश्वास से बचने और तत्काल चिकित्सा सहायता लेने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

महाराष्ट्र की लाडकी बहिन योजना में बड़ा फेरबदल : 81 लाख महिलाएं बाहर

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना राज्य में एक बड़े राजनीतिक विवाद का केंद्र बनी है। महीनों तक चले व्यापक ई-केवाईसी सत्यापन अभियान के बाद, महायुति सरकार ने करीब 81 लाख लाभार्थियों को योजना से बाहर किया है, जिससे सत्ताधारी महायुति और विपक्षी महाविकास अघाड़ी के बीच तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कदम का बचाव कर कहा कि ई-केवाईसी प्रक्रिया का उद्देश्य योजना की पात्रता शर्तों को पूरा न करने वाले अयोग्य लाभार्थियों जैसे आयकर दाता और सरकारी कर्मचारियों के परिवार की पहचान करना और उन्हें हटाना था। उन्होंने बताया कि योजना की शुरुआत में 2.63 करोड़ लोगों ने पंजीकरण कराया था, जिसमें से 2.47 करोड़ महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता मिलनी शुरू हुई थी। मंत्री अदिति ने स्पष्ट किया कि अयोग्य लोगों को हटाने के लिए ई-केवाईसी शुरू होने के बाद लाभार्थियों की संख्या घटकर 1.67 से 1.7 करोड़ रह गई। अदिति तटकरे ने उन रिपोर्टों को भी खारिज किया जिनमें 92-93 लाख लाभार्थियों को हटाए जाने का दावा किया गया था, यह बताकर कि यह आंकड़ा कुल पंजीकरण और वर्तमान लाभार्थियों के बीच का अंतर था, न कि वास्तविक लाभार्थियों की संख्या। हालांकि, विपक्षी दलों ने महायुति सरकार पर 2024 के विधानसभा चुनावों से पहले योजना का दुरुपयोग एक चुनावी हथियार के रूप में करने का आरोप लगाया है, और इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं को सूची से बाहर करने पर गंभीर सवाल उठाए हैं। यह योजना अब राज्य में एक नए सियासी घमासान का रूप ले चुकी है।

दिल्ली में ट्रांसजेंडर भेष में बांग्लादेशी गिरफ्तार, अवैध धंधों का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने जहांगीरपुरी इलाके में अवैध आप्रवासन के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत महत्वपूर्ण कार्रवाई में बांग्लादेश के एक अवैध नागरिक को गिरफ्तार किया है। यह व्यक्ति ट्रांसजेंडर के भेष में रहकर रात के समय अवैध गतिविधियों में शामिल मिला। भलस्वा फ्लाईओवर के नीचे सुबह-सुबह की गई विशेष कार्रवाई में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा। शुरुआती पूछताछ के दौरान, संदिग्ध व्यक्ति अपने भारत में रहने संबंधी कोई वैध यात्रा या पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका। विस्तृत जांच और डिजिटल फुटप्रिंट से पुष्टि हुई कि वह बिना दस्तावेज़ों के गैर-कानूनी रूप से भारत में रह रहा बांग्लादेशी नागरिक है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, पकड़े गए व्यक्ति की पहचान सुकांता चंद्र दास (उर्फ माधुरी), 44 वर्षीय पुरुष के रूप में हुई है। वह बांग्लादेश के ढाका जिले के गाज़ीपुर इलाके का रहने वाला है। उसके पास से मिले एक स्मार्टफोन में प्रतिबंधित आईएमए एप इंस्टॉल मिला और फ़ोन की गैलरी में बांग्लादेशी राष्ट्रीय पहचान पत्र के दस्तावेज़ों की तस्वीरें भी मौजूद थीं, जिससे उसकी पहचान और अवैध स्थिति की पुष्टि हुई। कानूनी कार्रवाई करते हुए, फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) के समक्ष पेश किया गया है। तय प्रक्रियाओं के तहत अब देश से वापस भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह गिरफ्तारी दिल्ली पुलिस की अवैध आप्रवासन और आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कानपुर : थाने में आत्मदाह का प्रयास, बचाने गए पुलिसकर्मी भी झुलसे

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में मंगलवार को हैरान कर देने वाली घटना सामने आई। पारिवारिक विवाद से परेशान एक युवक ने खुद को आग लगाकर आत्मदाह का प्रयास किया, जिससे न सिर्फ वह गंभीर रूप से झुलस गया, बल्कि युवक को बचाने दौड़े तीन पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। सभी को तत्काल उर्सुला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां बर्न यूनिट में उनका उपचार चल रहा है। चकेरी एसीपी के अनुसार, फुफुवार राजथोक निवासी करीब 35 वर्षीय मजदूर महेश पासवान का अपनी पत्नी पूनम से पिछले कई माह से विवाद चल रहा था।

एसआईआर प्रक्रिया पर चुनाव आयोग संयुक्त राष्ट्र के निशाने पर? भारत ने आरोपों को किया खारिज

60 दिन के अंदर जवाब देने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन एसआईआर) को लेकर संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार तंत्र से जुड़े 3 स्वतंत्र विशेषज्ञों ने भारत सरकार और निर्वाचन आयोग से जवाब तलब किया है। यूनाइटेड नेशन के विशेषज्ञों ने आशंका जताई है. यदि दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया उचित सुरक्षा उपायों के बिना लागू की जाती है. ऐसी स्थिति में बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं के मतदान अधिकार प्रभावित हुये हैं. इस संबंध में यूनाइटेड नेशन ने भारत से अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों,नागरिकों के राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय समझौता (आईसीसीपीआर), के अनुरूप स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

यूनाइटेड नेशन ने पूछा है, मतदाता सूची से नाम हटाने, अपील की व्यवस्था और प्रभावित मतदाताओं के लिए उपलब्ध कानूनी उपाय के संबंध

में विस्तृत जानकारी मांगी है। यह टिप्पणियां संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र विशेष प्रतिवेदकों/विशेषज्ञों की हैं. संयुक्त राष्ट्र महासभा या सुरक्षा परिषद दे अभी इस मामले में कोई आधिकारिक निर्णय नहीं लिया है।

भारत सरकार और निर्वाचन आयोग ने आरोपों को अस्वीकार किया है। आयोग का कहना है, एसआईआर पूरी तरह संविधान, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित की जा रही है। आयोग के अनुसार किसी भी पात्र मतदाता का नाम मनमाने ढंग से नहीं हटाया जाएगा. प्रत्येक व्यक्ति को आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने और दावा-आपत्ति दर्ज कराने का पूरा अवसर दिया जा रहा है। आयोग ने कहा है, अंतिम मतदाता सूची जारी होने से पहले सभी वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन किए जाने का भरोसा दिलाया है। सरकार का पक्ष है, भारत का चुनावी तंत्र स्वतंत्र और मजबूत है. मतदाता सूची का शुद्धिकरण निर्वाचन आयोग का संवैधानिक दायित्व है। सरकार ने कहा है, भारत अपने संवैधानिक और कानूनी ढांचे के अनुसार चुनाव कराता है. लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए सरकार और चुनाव आयोग प्रतिबद्ध है।

यह मुद्दा राजनीतिक और कानूनी बहस का विषय बन गया है. बिहार और पश्चिम बंगाल में जिस तरह से मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से अलग किए गए हैं. उस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है. पश्चिम बंगाल के 27 लाख से ज्यादा मतदाताओं के मतदान अधिकार ट्रिब्यूनल में लंबित थे. सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि इस बार मतदान नहीं कर पाए तो अगली बार कर देना. संयुक्त राष्ट्र में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है. अंतिम स्थिति निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया और न्यायिक समीक्षा तथा यूनाइटेड नेशन पर निर्भर करेगी।

वांगचुक की भूख हड़ताल : महुआ और उद्धव ठाकरे ने कहा सरकार को आपकी चिंता नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का मंगलवार को 17वां दिन था, और उनके बिगड़ते स्वास्थ्य को लेकर चिंताएँ बढ़ती जा रही है। प्रमुख राजनीतिक हस्तियों ने उनसे अपना अनशन समाप्त करने की अपील की है, हालांकि वांगचुक केंद्र सरकार से बातचीत की अपनी मांग पर अडिग हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) संस्थापक अभिजीत दिपके ने वांगचुक के स्वास्थ्य की जानकारी देकर बताया कि उनका वज़न 8.5 किलो कम हुआ है, मांसपेशियां कमज़ोर पड़ गई हैं, और उन्हें अत्यधिक दर्द हो रहा है। उनका ब्लड प्रेशर 109/70 है। दिपके के अनशन समाप्त करने के अनुरोध पर, वांगचुक ने शांति से जवाब दिया कि सरकार को बातचीत के लिए आगे आना चाहिए, न कि उन्हें अनशन तोड़ने के लिए कहा जाए। वहीं टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा ने वांगचुक से अपील की कि उनका उद्देश्य पूरा हो चुका है, और केंद्र सरकार को उनकी परवाह नहीं है, लेकिन उनकी जान देश के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए उन्हें उपवास खत्म कर लड़ाई जारी रखनी चाहिए। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आंदोलन को अपना समर्थन देकर वांगचुक से अनशन वापस लेने का आग्रह किया। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी विरोध स्थल का दौरा कर एकजुटता व्यक्त की। यह भूख हड़ताल शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के 25वें दिन से चल रही है। दिपके ने सरकार से अहंकार की लड़ाई न बनाने का आग्रह कर कहा कि यहां इंसानी जानें दांव पर लगी हैं, और अपनी गलती मानना परिपक्वता तथा जवाबदेही की निशानी है।

टीईटी पेपर लीक से 6 लाख छात्रों का भविष्य अधर में

-राहुल गांधी का महाराष्ट्र सरकार पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने महाराष्ट्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) 2026 रद्द होने और पेपर लीक के आरोपों को लेकर देवेंद्र फडणवीस सरकार पर सवाल उठाए, जिससे करीब छह लाख उम्मीदवार अधर में लटके हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि परीक्षा रद्द होने के दो हफ्ते बाद भी कोई नई तारीख घोषित नहीं की गई है, जो इन छात्रों के भविष्य के लिए चिंता का कारण है।

अपनी पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा कि महाराष्ट्र टीईटी का पेपर लीक हुआ और परीक्षा रद्द कर दी गई। दो हफ्ते बीत चुके हैं, लेकिन नई तारीख का कोई अता-पता नहीं है, इससे 6 लाख उम्मीदवार अनिश्चितता में जी रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक करने वाले आजाद घूम रहे हैं, सिस्टम पर कोई दाग नहीं लगा है, जबकि ईमानदारी से मेहनत करने वाले छात्रों को इसकी सजा भुगतनी पड़ रही है। राहुल गांधी ने कहा कि ये छात्र ही देश के मौजूदा और भविष्य के शिक्षक हैं, जिनके हाथों में भारत का भविष्य है।

राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री फडणवीस को संबोधित कर अपनी 3 सूत्रीय मांगें रखीं। उन्होंने सबसे पहले महाराष्ट्र टीईटी का नया शेड्यूल तुरंत घोषित करने की अपील की। इसके साथ ही, उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि पेपर लीक के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, न कि उम्मीदवारों को सजा दी जाए। तीसरी मांग में उन्होंने कहा कि उन उम्मीदवारों को उम्र सीमा में छूट दी जाए जिनकी पात्रता परीक्षा टलने से प्रभावित हुई हो सकती है। राहुल गांधी ने कहा कि लाखों उम्मीदवारों का भरोसा बहाल करने के लिए महाराष्ट्र सरकार को तेज़ी से कदम उठाने चाहिए और प्रशासनिक विफलता का बोझ उन मेहनती छात्रों पर नहीं पड़ना चाहिए जिन्होंने सालों तक तैयारी की है।

महिला आरक्षण पर सरकार को विपक्ष की नेता का समर्थन

-प्रियंका चतुर्वेदी ने की सभी दलों से सहमति बनाने की अपील, मानसून सत्र से पहले बढ़ी राजनीतिक हलचल

-महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने पर फिर तेज हुई चर्चा

नई दिल्ली(एजेंसी)। संसद के आगामी मानसून सत्र से पहले महिला आरक्षण को लेकर एक बार फिर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की पूर्व राज्यसभा सांसद और विपक्षी इंडिया गठबंधन की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण देने की पहल का समर्थन करते हुए सभी राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर सकारात्मक रुख अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि महिला आरक्षण को वास्तविकता का रूप दिया जाए।

प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक समाचार रिपोर्ट साझा करते हुए लिखा कि यह ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी राजनीतिक दल अपने-अपने रुख पर पुनर्विचार करेंगे और महिला आरक्षण को लागू करने की दिशा में सहमति बनाएंगे। हाल के महीनों में प्रियंका कई राष्ट्रीय मुद्दों पर पार्टी लाइन से अलग स्वतंत्र राय भी रखती रही हैं।

यहां बताते चलें कि केंद्र सरकार ने संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त 2026 तक बुलाया है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि सरकार इस दौरान महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने तथा परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को फिर से संसद में पेश करने का प्रयास कर सकती है। माना जा रहा है कि इस बार सरकार पहले पर्याप्त समर्थन सुनिश्चित करने के बाद ही विधेयक आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, केंद्र सरकार संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए विपक्षी दलों के साथ भी संवाद कर रही है। खबरों में दावा किया गया है कि सरकार दो-तिहाई बहुमत सुनिश्चित होने के बाद ही विधेयक सदन में लाना चाहती है। इसके लिए कुछ विपक्षी दलों से समर्थन या कम से कम मतदान के दौरान अनुपस्थित रहने की संभावना पर भी चर्चा होने की बात कही गई है। हालांकि, इस संबंध में सरकार की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

गौरतलब है कि इससे पहले विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाने के कारण पारित नहीं कराया जा सका था। प्रस्तावित संशोधन में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के साथ लोकसभा की कुल सीटों में वृद्धि का भी प्रावधान शामिल होने की चर्चा रही है। मानसून सत्र से पहले महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि विभिन्न राजनीतिक दल इस विषय पर किस प्रकार का रुख अपनाते हैं और क्या व्यापक सहमति के साथ इस लंबे समय से लंबित मुद्दे पर आगे बढ़ा जा सकेगा।

ई-20 पेट्रोल सस्ता क्यों नहीं? सरकार ने बताई वजह, दूर की उपभोक्ताओं की उलझन

नई दिल्ली(एजेंसी)। देशभर में ई-20 पेट्रोल लागू होने के बाद आम लोगों के मन में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जा रहा है, तो इसकी कीमत शुद्ध पेट्रोल या ई-10 पेट्रोल से कम क्यों नहीं है। इस पर केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा परिस्थितियों में ई-20 पेट्रोल का उत्पादन शुद्ध पेट्रोल से सस्ता नहीं पड़ता। सरकार के अनुसार इथेनॉल की खरीद किसानों को लाभकारी मूल्य पर की जाती है। इसके अलावा इथेनॉल के उत्पादन, परिवहन, भंडारण और आपूर्ति पर भी अतिरिक्त खर्च आता है। दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की मौजूदा कीमतों के कारण शुद्ध पेट्रोल की उत्पादन लागत अपेक्षाकृत कम पड़ रही है। यही वजह है कि ई-20 पेट्रोल उपभोक्ताओं को सस्ता उपलब्ध नहीं कराया जा सकता। केंद्र सरकार का कहना है कि इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम का उद्देश्य केवल कीमत कम करना नहीं, बल्कि कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाना, विदेशी मुद्रा की बचत करना, किसानों की आय बढ़ाना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना भी है। सरकार का दावा है कि इस कार्यक्रम से देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और लंबे समय में इसका लाभ अर्थव्यवस्था तथा उपभोक्ताओं दोनों को मिलेगा।

यूपी में कांग्रेस-सपा गठबंधन में दरारें और गहरी: इमरान ने सपा पर गंभीर आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के इंडिया गठबंधन में तनाव बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इमरान मसूद ने सपा नेता उदयवीर सिंह की टिप्पणी के जवाब में समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस नेता मसूद के बयान से दोनों सहयोगियों के बीच दरारें और गहरी हो गई हैं, जिससे 2024 के लोकसभा चुनावों में सफल रही यह साझेदारी अगले विधानसभा चुनावों तक टिक पाएगी या नहीं, इस पर सवाल खड़े हुए हैं।

सपा नेता उदयवीर सिंह की टिप्पणियों का जवाब देकर कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने दावा किया कि कांग्रेस के बजाय सपा को गठबंधन की ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी ही गठबंधन के लिए जोर दे रही है और इसी की बदौलत आप 2024 में 37 सीटें जीत सके, वरना 2022 में आप 120 का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके थे। सपा पर और कड़ा प्रहार कर मसूद ने आरोप लगाया कि पार्टी प्रभावशाली मुस्लिम नेताओं का समर्थन करने में लगातार विफल रही है। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी किसी मुस्लिम नेता या अपनी बात रखने वाले

नेता को बर्दाश्त नहीं कर सकती, और ऐसा नेता अब कांग्रेस में है।

अतीत में सपा से जुड़े प्रमुख मुस्लिम नेताओं का जिक्र कर मसूद ने कहा कि उनकी पार्टी में किसका नुकसान हुआ? मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद और आजम खान का। कांग्रेस नेता ने इस बात को खारिज किया कि उनकी चुनावी जीत सपा के साथ गठबंधन पर निर्भर थी। उन्होंने कहा, मैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की वजह से अपनी सीट जीता हूं। चुनाव के दौरान मैंने गठबंधन में रहते हुए भी समाजवादी पार्टी के लिए एक भी रैली नहीं की।

मसूद के ये बयान उन सार्वजनिक टिप्पणियों की श्रृंखला का हिस्सा हैं, जिनसे दोनों विपक्षी पार्टियों के बीच बढ़ती बेचैनी सामने आई है, क्योंकि वे 2027 के उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए खुद को तैयार कर रही हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नए अध्यक्ष राज कुमार सिंह पटेल के सुझाव के बाद तनाव और बढ़ गया था कि विधानसभा चुनावों के लिए सपा के साथ किसी भी संभावित गठबंधन में कांग्रेस सीटों में बराबर हिस्सेदारी की मांग करेगी। मसूद के आरोप और कांग्रेस के अन्य नेताओं की टिप्पणियां दर्शाती हैं कि 2027 के उत्तर प्रदेश चुनावों से पहले दोनों पार्टियों के बीच राजनीतिक समीकरण उलझते जा रहे हैं।

ज्ञानवापी मध्यस्थता : हिंदू पक्ष का स्वागत, मुस्लिम पक्ष पर असहयोग का आरोप

वाराणसी (एजेंसी)। ज्ञानवापी विवाद को सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता पहल ने फिर वाराणसी में हलचल मचा दी है। हिंदू पक्ष के वादकारियों ने कदम का स्वागत कर जिला न्यायालय में होने वाली मध्यस्थता संबंधी बैठक में शामिल होने की बात कही है। हालांकि, उन्होंने मुस्लिम पक्ष और ज्ञानवापी मस्जिद प्रबंधन समिति पर इस पहल को स्वीकार न करने का आरोप लगाया है।

हिंदू पक्ष के वादी सोहन लाल आर्य ने सुप्रीम कोर्ट की पहल को सकारात्मक बताया, लेकिन मुस्लिम पक्ष द्वारा अस्वीकार करने को सामाजिक सद्भाव के लिए ठीक नहीं बताया। आर्य ने कई सवाल उठाए, जैसे कि क्या दुनिया में ऐसी कोई मस्जिद है जिसके नीचे पूजा हो और ऊपर नमाज पढ़ी जाए, या जिसके सामने नंदी विराजमान हों? उन्होंने इन्हीं को अपने प्रमुख प्रमाण और साक्ष्य बताया। उन्होंने दावा किया कि वक्फ बोर्ड और प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट, 1991 से जुड़े मामलों में मुस्लिम पक्ष जिला न्यायालय और इलाहाबाद हाईकोर्ट में हार

चुका है, और इसी कारण वे अब सुप्रीम कोर्ट में मध्यस्थता से बच रहे हैं।

हिंदू पक्ष की एक अन्य वादी लक्ष्मी देवी ने भी मुस्लिम पक्ष पर लगातार बाधाएं पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम पक्ष को पता है कि ज्ञानवापी मंदिर है, मस्जिद नहीं, इसलिए वे मध्यस्थता में शामिल नहीं होना चाहते और मामले को लंबा खींचना चाहते हैं। उन्होंने 1669 में औरंगजेब द्वारा मंदिर तोड़कर जबरन मस्जिद निर्माण की बात कही।

ज्ञानवापी मामले की एक और हिंदू वादी ने कहा कि उनका विश्वास है कि यह स्थल मंदिर है और वे उसी पक्ष में अपनी बात रख रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट या दूसरा पक्ष स्वीकार कर मंदिर वापस कर दे, तब कोई विवाद नहीं रहेगा। साहू ने कहा कि हिंदू पक्ष हमेशा न्यायालय के आदेशों का सम्मान करता है और वे स्वयं समझौते के पक्ष में हैं, लेकिन जिसे वे मंदिर मानते हैं, उसे मस्जिद नहीं कह सकते।

किसानों के लिए आफत, मानसून की कमी और अधिकारियों की लापरवाही ने बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून में कमी के कारण नीति-निर्माताओं को खरीफ की बुवाई की चिंता सता रही है। इसी बीच, सांख्यिकी मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट में फसल के रकबे और खाद्य उत्पादन पर नजर रखने वाले कृषि डेटा कलेक्शन सिस्टम में भारी कमियां मिली हैं। जमीनी स्तर के डेटा का इस्तेमाल कृषि लागत और मूल्य आयोग उत्पादन लागत का हिसाब लगाने और राष्ट्रीय स्तर पर अनुमान तैयार करने के लिए करता है। सरकार इन अनुमानों के आधार पर खाद्य सुरक्षा से जुड़े अहम फैसले लेती है, जैसे कि महंगाई को काबू करने के लिए निर्यात पर रोक लगाना, आयात शुल्क में बदलाव करना या आपातकालीन बफर स्टॉक जारी करना।

नेशनल लेवल पर रिपोर्ट से पता चलता है कि गिरदावरी जो फसल के आंकड़ों का आधार है और जिसका मतलब है कि गांव के रेवेन्यू अधिकारियों द्वारा फसल की गिनती के लिए की जाने वाली सरकारी जांच, देश के आधे से भी कम हिस्से में समय पर पूरी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 2023-24 के दौरान गिरदावरी पूरी न होने के मामले चिंताजनक रूप से ज्यादा थे। नतीजतन, शुरुआती खरीफ में सिर्फ 43फीसदी सैंपल गांवों में देर से खरीफ के दौरान 46फीसदी में, रबी के दौरान 48फीसदी में और गर्मी के मौसम में 33फीसदी गांवों में ही यह काम समय पर पूरा हो पाया।

पिछले हफ्ते जारी फसल आंकड़ा प्रणाली की समीक्षा नाम की रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी राज्यों में गिरदावरी का काम समय पर पूरा करने के लिए संबंधित राज्य अधिकारियों को उचित कदम उठाने की जरूरत है। इसके अलावा, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 63 फीसदी गांव के नक्शे जो बदले हुए प्लॉट और जमीन के इस्तेमाल की सीमाओं का पता लगाने के लिए जरूरी हैं। इससे पता चलता है कि ये नक्शे शायद निर्माण और शहरीकरण की वजह से हुए बदलावों को सही ढंग से नहीं दिखाते होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुराने नक्शों के इस्तेमाल से सर्वे नंबरों की पहचान करने में दिक्कतें आती हैं। इसलिए नक्शों को नियमित रूप से अपडेट करना जरूरी है।

रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि औसत पैदावार का आकलन करने और अनाज के कुल उत्पादन का हिसाब लगाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले वैज्ञानिक आधार यानी क्रॉप-कटिंग एक्सपेरिमेंट, ऐसे अप्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे थे जिन्हें राजस्व अधिकारियों ने यह काम सौंपा था। रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 में सीसीई की कुल संख्या करीब 12 लाख होने का अनुमान था। झारखंड और उत्तर प्रदेश में 40फीसदी तक सीसीई अप्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा किए गए, जबकि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में 10फीसदी से ज्यादा सीसीई कनिष्ठ (जूनियर) कर्मचारियों द्वारा किए गए।

ऑपरेशन प्रहार : अंतरराज्यीय अवैध हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए स्वाट टीम ने 3 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ऑपरेशन प्रहार के तहत अपराध शाखा और थाना लोनी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने अवैध हथियार और कारतूस की तस्करी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए उसके तीन शातिर सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से सात अवैध पिस्टल, 22 जिंदा कारतूस तथा एक महिंद्रा थार कार बरामद की गई है।आरोपियों की पहचान अरुण कुमार, रंजीत राय और अभिषेक शर्मा उर्फ मोटू के रूप में हुई है। तीनों लंबे समय से अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त और सप्लाई के नेटवर्क से जुड़े हुए थे। आरोपियों के कब्जे से छह अवैध पिस्टल, एक 30 बोर पिस्टल, 20 कारतूस और दो कारतूस 7.62 बोर के बरामद किए गए हैं। इसके अलावा दिल्ली नंबर की एक महिंद्रा थार गाड़ी भी जब्त की गई है, जिसका इस्तेमाल अवैध हथियारों की ढुलाई में किया जा रहा था। बरामदगी के आधार पर आरोपियों के खिलाफ थाना लोनी में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कई अहम खुलासे किए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी अभिषेक शर्मा ने बताया कि वह प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है और अंकुर विहार क्षेत्र में उसका कार्यालय है। इसी व्यवसाय के दौरान उसकी मुलाकात रंजीत राय से हुई और बाद में रंजीत के माध्यम से अरुण से संपर्क स्थापित हुआ। तीनों मिलकर अवैध हथियारों की सप्लाई का नेटवर्क संचालित करने लगे। जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह का संबंध दिल्ली की तिहाड़ जेल में

बंद कुख्यात अपराधी उमेश शर्मा उर्फ उमेश पंडित से है। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उमेश पंडित के निर्देश पर वह गाजियाबाद और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में अवैध हथियारों की सप्लाई करते थे। तिहाड़ जेल में बंद होने के बावजूद उमेश पंडित अपने नेटवर्क के माध्यम से इस अवैध कारोबार को संचालित कर रहा था। वह हथियारों की खरीद अपने एक सहयोगी रितिक के माध्यम से करते थे, जो शामली क्षेत्र का निवासी बताया गया है। रितिक से हथियार प्राप्त करने के बाद वह उन्हें आगे उन लोगों तक पहुंचाते थे जिनकी मांग होती थी। वह एक पिस्टल लगभग 30 से 35 हजार रुपये में खरीदी जाती थी और बाद में उसे 50 से 55 हजार रुपये तक में बेच दिया जाता था। इस अवैध कारोबार से आरोपियों को मोटा मुनाफा प्राप्त होता था। पिछले एक वर्ष के दौरान यह गिरोह करीब 20 अवैध हथियारों की सप्लाई कर चुका है। आरोपियों ने स्वीकार किया कि वह लगातार एक वर्ष से हथियारों की खरीद-फरोख्त में सक्रिय थे। उन्होंने कुछ हथियार खड़खड़ी निवासी एक व्यक्ति को भी उसकी मांग पर उपलब्ध कराए थे। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हथियारों की सप्लाई किन-किन लोगों तक की गई थी। गिरफ्तार आरोपी अरुण कुमार गाजियाबाद के बॉर्डर थाना क्षेत्र का निवासी है, जबकि रंजीत राय ट्रॉनिका सिटी क्षेत्र में रहता है। तीसरा आरोपी अभिषेक शर्मा दिल्ली के सोनिया विहार इलाके का निवासी है। तीनों आरोपी संगठित तरीके से कार्य कर रहे थे और विभिन्न राज्यों से हथियार मंगवाकर एनसीआर क्षेत्र में उनकी आपूर्ति करते थे। इस गिरोह की गिरफ्तारी से क्षेत्र में होने वाली कई संभावित आपराधिक घटनाओं को रोका जा सका है। बरामद किए गए हथियारों का इस्तेमाल हत्या, लूट, रंगदारी और अन्य गंभीर अपराधों में किया जा सकता था। इसलिए इस कार्रवाई को कानून-व्यवस्था की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है। साथ ही गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और हथियार उपलब्ध कराने वाले स्रोतों की तलाश भी की जा रही है। वही इस गिरोह को गिरफ्तार करने वाली टीम को ईनाम भी दिया जाएगा।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर जोर, जिलाधिकारी ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की जिला स्वास्थ्य समिति (डीएचएस) की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं, संचारी रोग नियंत्रण, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव तथा विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं उपकेंद्रों पर चिकित्सकों और पैरामेडिकल कर्मियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तथा बाह्य रोगी विभाग और आपातकालीन सेवाएं चौबीसों घंटे सुचारु रूप से संचालित हों।

बैठक में डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया सहित अन्य संचारी रोगों की रोकथाम के लिए एंटी लार्वा छिड़काव एवं फॉगिंग अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। साथ ही विद्यालयों

में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम चलाकर लोगों को रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करने पर भी बल दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि शत प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए तथा कुपोषित और अति कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्रों में भर्ती कराया जाए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं की नियमित प्रसवपूर्व जांच, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता और संस्थागत प्रसव का प्रतिशत बढ़ाने के भी निर्देश दिए।

इसके अलावा सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक दवाओं, चिकित्सा उपकरणों एवं एंबुलेंस की उपलब्धता की नियमित जांच करने तथा स्टॉक रजिस्टर अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता आमजन को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

नगर पंचायत अध्यक्ष पर भ्रष्टाचार के आरोप, भाकियू (टिकैत) का धरना, जांच समिति गठित करने का आश्वासन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को नगर पंचायत निवाड़ी अध्यक्ष पर भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगाते हुए नगर पंचायत कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र त्यागी, मनोनीत सभासद रजनीश त्यागी, सत्येंद्र वाल्मीकि और नितिन बंसल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता नगर पंचायत कार्यालय पहुंचे और धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल त्यागी ने नगर पंचायत के ट्रैक्टरों का निजी उपयोग करते हुए अपने घर के पीछे स्थित लगभग तीन बीघा भूमि में मिट्टी का भराव कराया। उनका दावा है कि इस कार्य पर लगभग 70 लाख रुपये का व्यय हुआ, जिससे सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पंचायत में कराए जा रहे विकास कार्यों में 40 प्रतिशत तक कमीशन लिया जा रहा है, जिससे जनहित के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। धरना-प्रदर्शन की सूचना मिलने पर तहसीलदार रजत सिंह मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से ज्ञापन प्राप्त किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि मिट्टी भराव से संबंधित शिकायत की जांच के लिए समिति गठित की जाएगी तथा समिति की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। अन्य मांगों को भी शासन स्तर पर संबंधित अधिकारियों के समक्ष भेजा जाएगा। प्रदर्शन में अरुण कसाना, अजीत सिंह, मुस्तफा, नरेंद्र त्यागी, संजय सहित अनेक किसान और संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूल चलो अभियान-2026-27 : पौधारोपण के लिए विशेष कार्यक्रम का हुआ आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। बेसिक शिक्षा विभाग एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग गाजियाबाद के संयुक्त तत्वावधान में "स्कूल चलो अभियान-2026-27" के अंतर्गत पीएम प्राथमिक विद्यालय, कविनगर में जनपद स्तरीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय विधायक अजीत पाल त्यागी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत मुख्य अतिथि अजीत पाल त्यागी ने वृक्षारोपण किया। इसके साथ ही जिला विद्यालय निरीक्षक बुद्ध प्रिय सिंह एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ.पी. यादव ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके उपरांत विद्यालय वापसी एवं नामांकन जागरूकता के उद्देश्य से स्कूल चलो रैली निकाली गई, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। समारोह में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं

स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ.पी. यादव एवं जिला विद्यालय निरीक्षक श्री बुद्ध प्रिय सिंह द्वारा निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया गया तथा सभी बच्चों को नियमित विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित किया गया। मुख्य अतिथि अजीत पाल त्यागी ने अपने संबोधन में कहा कि "शिक्षा ही वह सबसे सशक्त माध्यम है, जो समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करती है। 'स्कूल चलो अभियान' प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का संकल्प है। कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।" उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने का आग्रह किया तथा "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बनने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम एवं संस्कारों के साथ अध्ययन कर देश का जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी। जिला विद्यालय निरीक्षक बुद्ध प्रिय सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना शिक्षा विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों को प्रेरणादायक वातावरण उपलब्ध कराने तथा अभिभावकों से बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने का आह्वान किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ.पी. यादव ने कहा कि "स्कूल चलो अभियान-2026-27" का उद्देश्य जनपद के प्रत्येक बच्चे का शत-प्रतिशत नामांकन, नियमित उपस्थिति एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, यूनिफॉर्म, जूते-मोजे, बैग सहित अनेक छात्रहितकारी योजनाओं का लाभ बच्चों तक पहुँचाया जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों से घर-घर संपर्क कर विद्यालय से वंचित बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने का आह्वान किया तथा विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने माता-पिता, विद्यालय एवं जनपद का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी।कार्यक्रम का प्रभावी एवं गरिमामय संचालन पूनम शर्मा ने किया, जिन्होंने पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित एवं आकर्षक ढंग से संचालित किया।

गंगा में डूबती महिला को बचाने वाले गोताखोर भोलू केवट सम्मानित, साहसिक कार्य की हुई सराहना

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। ब्रजघाट पर गंगा स्नान के दौरान तेज धारा में डूब रही एक महिला की जान बचाने वाले स्थानीय गोताखोर भोलू केवट को पुलिस प्रशासन ने सम्मानित कर उनके साहस और मानवता की मिसाल को सलाम किया। महिला स्नान करते समय गहरे पानी में चली गई और तेज बहाव के कारण डूबने लगी। मौके पर मौजूद भोलू केवट ने बिना अपनी जान की परवाह किए तत्काल गंगा में छलांग लगा दी और कड़ी मशक्कत के बाद महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उनकी सतर्कता और बहादुरी के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद गढ़मुक्तेश्वर थाना प्रभारी देवेंद्र बिष्ट ने भोलू केवट को पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया तथा नकद पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया। थाना प्रभारी ने कहा कि ऐसे साहसी और निस्वार्थ लोगों की वजह से समय रहते लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने स्थानीय गोताखोरों की सेवा भावना और जोखिम उठाकर मानव जीवन की रक्षा करने की परंपरा की सराहना की। उल्लेखनीय है कि ब्रजघाट पर तैनात स्थानीय गोताखोर पूर्व में भी गंगा में डूब रहे कई श्रद्धालुओं की जान बचा चुके हैं। उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए समय-समय पर पुलिस प्रशासन द्वारा सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाया जाता रहा है। स्थानीय लोगों ने भी भोलू केवट के साहसिक कार्य की प्रशंसा करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

एक पेड़, पांच साथी अभियान से शामली में पर्यावरण संरक्षण को मिलेगा नया आयाम

शामली (शिखर समाचार)। नई दिल्ली के पूसा परिसर में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित पर्यावरण संरक्षण संकल्प कार्यक्रम एवं वृक्ष मित्र संवाद से प्रेरणा लेते हुए जनपद शामली में भी व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाया जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग की शिक्षिका डॉ. पूनम तोमर ने जिले के प्राथमिक विद्यालयों और ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाने का संकल्प लिया है।

डॉ. पूनम तोमर ने बताया कि जनपद में एक पेड़, पांच साथी अभियान शुरू किया जाएगा। इसके तहत

प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा लगाएगा और पांच अन्य लोगों को भी वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करेगा। अभियान में विद्यालयों के छात्र छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षकों तथा सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोगों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ा जा सके। उन्होंने बताया कि 12 अगस्त को हरियाली अमावस्या के अवसर पर पूरे जिले में पेड़ पर्व के रूप में विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही विद्यालयों में बच्चों के बीच प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निबंध, चित्रकला, पौधरोपण और अन्य रचनात्मक गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। उनका उद्देश्य बचपन से ही विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम, पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी और हरित जीवनशैली की भावना विकसित करना है।

डॉ. पूनम तोमर ने जनपद के सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों, युवाओं, सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों से इस अभियान में बढ़ चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य सफल बनाया जा सकता है।

ऑपरेशन प्रहार के तहत मेरठ रेंज में गैंगस्टरों पर सख्त कार्रवाई, 494 गिरफ्तार, छह करोड़ की संपत्ति कुर्क

मेरठ (शिखर समाचार)। मेरठ परिक्षेत्र में चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत गैंगस्टर, आदतन अपराधियों और समाज विरोधी तत्वों के विरुद्ध व्यापक अभियान जारी है। पुलिस उपमहानिरीक्षक कलानिधि नैथानी ने बताया कि एक जनवरी 2026 से अब तक मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़ जनपदों में गैंगस्टर अधिनियम के अंतर्गत 122 मुकदमे दर्ज किए गए हैं, जिनमें 494 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा गैंगस्टर अधिनियम की धारा 14(1) के तहत करीब छह करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति कुर्क की गई है। प्रभावी विवेचना और न्यायालय में सशक्त पैरवी के चलते इस वर्ष अब तक गैंगस्टर अधिनियम के 61 मामलों में अभियुक्तों को सजा भी दिलाई गई है।

पुलिस के अनुसार मेरठ में 41 मुकदमों में 173,

बुलंदशहर में 57 मुकदमों में 220, बागपत में 16 मुकदमों में 71 तथा हापुड़ में आठ मुकदमों में 30 अभियुक्तों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। संपत्ति कुर्की के मामलों में मेरठ में 3.35 करोड़ रुपये, बुलंदशहर में 2.35 करोड़ रुपये, बागपत में चार लाख रुपये और हापुड़ में 30 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई। वहीं सजा के मामलों में बुलंदशहर सबसे आगे रहा, जहां 37 मामलों में दोषियों को सजा मिली। मेरठ में 16, हापुड़ में पांच और बागपत में तीन मामलों में न्यायालय ने दोषसिद्धि की।

पुलिस उपमहानिरीक्षक कलानिधि नैथानी ने सभी जनपद प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि गैंगस्टर, समाज विरोधी, आदतन एवं साइबर अपराधियों के विरुद्ध गुंडा अधिनियम, जिला बदर, संपत्ति जब्ती सहित अन्य वैधानिक प्रावधानों के तहत प्रभावी और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई से कानून-व्यवस्था मजबूत होगी और आमजन में सुरक्षा का विश्वास और अधिक सुदृढ़ होगा।

26वीं भगवान जगन्नाथ रथयात्रा 16 जुलाई को, नगर में भक्ति और उल्लास का होगा संगम

हापुड़ (शिखर समाचार)। भगवान जगन्नाथ की 26वीं भव्य रथयात्रा 16 जुलाई (गुरुवार) को हापुड़ नगर में श्रद्धा, आस्था और धार्मिक उल्लास के साथ निकाली जाएगी। आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं और विभिन्न समितियां यात्रा को भव्य एवं व्यवस्थित बनाने में जुटी हैं। आयोजक हरिओम वर्मा और राकेश वर्मा ने बताया कि रथयात्रा का शुभारंभ सुबह आठ बजे पुराना बाजार स्थित ऐतिहासिक शिव मंदिर से होगा। भगवान जगन्नाथ, भगवान बलदेव और माता सुभद्रा का विशेष श्रृंगार एवं पूजन-अर्चन के बाद सुसज्जित रथ नगर के प्रमुख मार्गों से होकर चंडी रोड स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर पहुंचेगा। वहां दोपहर 12 बजे विशाल महाभोग प्रसादी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई है। रथ को रंग-बिरंगे पुष्पों और आकर्षक विद्युत सज्जा से अलंकृत किया जा रहा है। यात्रा मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा, भजन कीर्तन और धार्मिक झांकियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठेगा। हापुड़, पिलखुवा, गढ़मुक्तेश्वर तथा आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के रथयात्रा में शामिल होने की संभावना है। वरिष्ठ सदस्य त्रिलोकचंद गुप्ता ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए स्वयंसेवकों की अलग अलग टीमें तैनात रहेंगी। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखें, कीमती सामान साथ न लाएं तथा धार्मिक परंपराओं का सम्मान करते हुए चमड़े से बनी वस्तुओं का उपयोग करने से बचें। आयोजन समिति ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में रथयात्रा में शामिल होकर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर सिम्स में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, परिवार नियोजन और मातृ शिशु स्वास्थ्य पर दिया गया जोर

हापुड़ (शिखर समाचार)। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सरस्वती आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) के सामुदायिक चिकित्सा विभाग की ओर से अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग परिसर में व्यापक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनसंख्या स्थिरीकरण, परिवार नियोजन, प्रजनन स्वास्थ्य, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा जिम्मेदार अभिभावकत्व के प्रति आमजन को जागरूक करना रहा। इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस की वैश्विक थीम आज और भविष्य के लिए युवाओं की आशाओं एवं आकांक्षाओं को साकार करना रही। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मरीजों, उनके परिजनों, चिकित्सकों, संकाय सदस्यों तथा एमबीबीएस 2023 बैच के विद्यार्थियों ने भाग लिया। बाह्य रोगी विभाग परिसर में स्वास्थ्य शिक्षा व्याख्यान, शैक्षणिक पोस्टर प्रदर्शनी, परामर्श सत्र और संवादात्मक चर्चाओं के माध्यम से परिवार नियोजन, जन्म अंतराल, किशोर स्वास्थ्य, पोषण, जिम्मेदार अभिभावकत्व तथा सरकार की परिवार कल्याण योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन विनीत रस्तोगी के मार्गदर्शन में वंदना कश्यप और अरशद हुसैन ने किया। संस्थापक एवं अध्यक्ष जे. रामचन्द्रन ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं और प्रजनन संबंधी जागरूक निर्णय ही सतत विकास का आधार हैं। उपाध्यक्ष रम्या रामचन्द्रन ने कहा कि संस्थान निवारक स्वास्थ्य सेवाओं, महिला सशक्तिकरण, युवा विकास और सामुदायिक कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम बरखा गुप्ता, सी.एस. आहलूवालिया, आर.के. सहगल, रघुवर दत्त तथा एन. वर्धराजन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे जागरूकता अभियान स्वस्थ परिवार, जिम्मेदार समाज और विकसित राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रोन्नति के बाद पवन भाटी ने डायट हापुड़ में वरिष्ठ प्रवक्ता का संभाला पदभार, शिक्षक संगठनों ने किया स्वागत

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) हापुड़ में प्रोन्नति के उपरांत पवन भाटी ने मंगलवार को वरिष्ठ प्रवक्ता के पद का कार्यभार ग्रहण किया। पदभार संभालते ही विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों ने उनसे शिष्टाचार भेंट कर शुभकामनाएं दीं और नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन की कामना की। इस दौरान संस्थान का वातावरण आत्मीयता और उत्साह से भर गया। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला अध्यक्ष अशोक कुमार कश्यप एवं जिला कार्यकारी अध्यक्ष विजय कुमार त्यागी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर पवन भाटी का स्वागत किया। वहीं प्राथमिक शिक्षक संघ हापुड़ के जिला महामंत्री नीरज चौधरी तथा वेतनभोगी समिति के अध्यक्ष विजेंद्र सिंह ने उन्हें पुष्पमाला पहनाकर बधाई दी और कहा कि उनके अनुभव तथा शैक्षिक दृष्टिकोण का लाभ शिक्षक प्रशिक्षण और शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने में मिलेगा। इस अवसर पर मोहर सिंह, धर्मवीर, सरजीत सिंह, मुकेश कुमार, संजय सक्सेना सहित अनेक शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग से जुड़े लोगों ने भी पवन भाटी को शुभकामनाएं दीं। उपस्थित शिक्षकों ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में डायट हापुड़ में शिक्षक प्रशिक्षण, नवाचार और शैक्षिक गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

ताजमहल में खूंखार हो रहे बंदर, पश्चिम बंगाल की महिला पर हमला; हाथ में आइसक्रीम देख मारा झपट्टा

आगरा , एजेंसी। ताजनगरी में बंदरों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को ताजमहल के पश्चिमी गेट के पास एक बंदर ने पश्चिम बंगाल की महिला पर्यटक पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गईं। पश्चिम बंगाल की महिला पर्यटक सुमिता रविवार को पश्चिमी गेट के पास घूम रही थीं। उनके हाथ में आइसक्रीम थी, जिसे देखकर एक बंदर ने पीछे से झपट्टा मार दिया। इस छीना-झपटी में बंदर के नाखून महिला के हाथ में लग गए और उसने शोर मचा दिया। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और गाइडों ने महिला को संभाला। उन्हें पार्किंग स्थित पर्यटक सुविधा केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार देने के बाद एंबुलेंस से महिला पर्यटक को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया ।बता दें दशहरा घाट मंदिर की ओर से हर दिन सुबह और शाम को खाने की तलाश में बंदरों का बड़ा झुंड ताजमहल में पहुंचता है।

कैपिटल बनी अंडर-12 किड्स कप चैंपियन

अलीगढ़ , एजेंसी। गंगा क्रिकेट एकेडमी की ओर से अंजू गुप्ता की स्मृति में आयोजित अंडर-12 किड्स कप को कैपिटल ने जीत लिया। एचबी इंटर कॉलेज के मैदान पर फाइनल में कैपिटल ने पैंथर की टीम को 72 रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए कैपिटल ने 30 ओवर में 9 विकेट पर 160 रन बनाए। शौर्य ने 56 रन की पारी खेली। अगम ने 15 रन का योगदान दिया। पैंथर की ओर से इंद्र और अन्वी ने तीन-तीन विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पैंथर की टीम 13 ओवर में 88 रन पर सिमट गई। अभय ने 17 रन और हर्षवर्धन ने 14 रन बनाए। लक्ष्य ने चार विकेट लेकर जीत की नींव रखी, जबकि शौर्य ने दो विकेट हासिल किए। शौर्य को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया गया।

जीत कर भी सेमीफाइनल से बाहर हुई उदय केपीएस की टीम

अलीगढ़ , एजेंसी। उदय प्रीमियर लीग में रविवार को मुकाबला उदय एमसी-यूडी डेविल्स और उदय केपीएस ग्रुप के बीच खेला गया। इसमें केपीएस ग्रुप की टीम सात विकेट से विजयी रही। लेकिन नेट रन रेट में पिछड़ने के चलते जीत के बाद भी केपीएस ग्रुप सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकी। पहले बल्लेबाजी करते हुए उदय एमसी व यूडी डेविल्स ने सात विकेट पर 112 रन बनाए। अखिल गुप्ता ने 24, जागृत ज्ञानी ने 21, मनीष सराफ ने नाबाद 14 रन बनाए। हनी वार्ष्णेय ने तीन और मधुर वार्ष्णेय ने दो विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केपीएस ग्रुप को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 113 रन का लक्ष्य 8.2 ओवर में हासिल करना था। केपीएस ग्रुप ने तेज शुरुआत की। प्रतीक वार्ष्णेय ने नाबाद 37, हनी वार्ष्णेय ने 32, दिनेश गुप्ता ने 19 और कप्तान माधव वार्ष्णेय ने 13 रन की पारी खेली।

रिकॉर्ड 13 लाख मामलों की सुनवाई होने की उम्मीद

गोरखपुर , एजेंसी। सितंबर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर इस बार और बड़े स्तर पर तैयारी शुरू हो गई है। न्यायालय, राजस्व विभाग और बैंकों की ओर से करीब 13 लाख मामलों को चिह्नित किए जाने की संभावना है। न्यायिक अधिकारियों का फोकस अधिक से अधिक समझौता योग्य मामलों का निस्तारण कर लंबित मुकदमों का बोझ घटाने व राजस्व वसूली बढ़ाने पर है। मई में आयोजित लोक अदालत में अकेले राजस्व विभाग के 11,71,968 मामले चिह्नित किए गए थे। इसके अलावा न्यायालय के 37,255 और बैंकों के 30,370 मामले शामिल थे। इस बार इन आंकड़ों को पार करने की तैयारी है।

महिला डॉक्टर को दिल दे बैठा अस्पताल का मैनेजर, फिर चुपके से की ऐसी हरकत; सुनकर रह जाएंगे सन्न

आगरा , एजेंसी। आगरा के सिकंदरा स्थित एक निजी हॉस्पिटल में कार्यरत एक महिला चिकित्सक ने अस्पताल के मैनेजर पर छेड़खानी, आपत्तिजनक टिप्पणियां करने और इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक संदेश भेजकर परेशान करने का आरोप लगाया है। शिकायत पर थाना साइबर क्राइम में प्राथमिकी दर्ज की गई है। हरीपर्वत क्षेत्र की ओल्ड विजय नगर कॉलोनी निवासी चिकित्सक ने आरोप लगाया है कि उनके हॉस्पिटल का मैनेजर जसवंत जॉनसन पिछले कुछ समय से उन्हें लगातार परेशान कर रहा था। आरोप है कि वह आते-जाते समय 23 जून की रात 9:23 बजे आरोपी ने अपनी इंस्टाग्राम आईडी से डॉक्टर की आईडी बना ली। चिकित्सक की की इंस्टाग्राम आईडी पर एक आपत्तिजनक संदेश भेजा। एक आपत्तिजनक रील भी साझा की। इसके बाद उन्होंने सिकंदरा थाने और हॉस्पिटल के सीईओ को ई-मेल के माध्यम से शिकायत भेजी। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य और साक्ष्य सामने आएंगे।

झमाझम बारिश से शहर बेहाल

जलभराव से आवागमन प्रभावित

गोरखपुर , एजेंसी। कड़ी धूप, उमस से बेहाल लोगों के लिए झमाझम बरसात राहत लेकर आई पर व्यवस्थागत खामियों के चलते नालों के ओवरफ्लो होने, जगह-जगह जलभराव ने सांसत भी बढ़ा दी। बारिश का सिलसिला शनिवार रात से शुरू हुआ और रविवार को भी जारी रहा। कुछ समय के लिए दिन में बारिश रूकी और धूप खिली। इसके बाद फिर मौसम ने करवट ली और झमाझम बरसात शुरू हो गई। चौबीस घंटे में 60.8 मिमी बारिश दर्ज हुई। शहर के कई चौराहों, सड़कों और मोहल्लों में जलभराव हो गया।

नगर निगम के अर्बन फ्लड मैनेजमेंट सेल (यूएफएमसी) की रिपोर्ट के अनुसार आठ नाले हाई रिस्क और 13 नाले मीडियम रिस्क श्रेणी में पहुंच गए। कई स्थानों पर नालों के ओवरफ्लो होने से लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

बारिश के दौरान विरासत गलियारा की मुख्य सड़क पर जलभराव के कारण कई दोपहिया वाहन बंद हो गए, जबकि लिंक गलियों में निचली दुकानों और घरों में पानी घुस गया। महेवा मंडी में कुछ दुकानों में पानी भर गया। इसके साथ ही गीता प्रेस रोड पर भी पानी लगने से परेशानी हुई। रूस्तमपुर इलाके में कई जगह पानी भर गया। वहां अंकित श्रीवास्तव के घर में पानी घुस गया। पानी

निकलवाने के लिए वह काफी परेशान रहे और बेतियाहाता पार्षद विश्वजीत त्रिपाठी के जरिये नगर निगम के अधिकारियों को फोन मिलाते रहे।

तारामंडल गोपलापुर, बुद्ध विहार पार्ट-ए, भरवलिया, खोखर टोला-रहमतनगर, बशारतपुर हॉटस्पॉट और आवास विकास कॉलोनी सहित आठ स्थानों पर नाले ओवरफ्लो की स्थिति में पहुंच गए। वहीं धर्मशाला बाजार, बरगदवा, रामगढ़ताल इनलेट, पटेल चौक, पादरी बाजार, बड़े काजीपुर, भगवानी चौराहा, असुरन और भाट चौराहा समेत 13 स्थानों पर भी पानी का दबाव काफी बढ़ गया।

महादेव झारखंडी, मालवीय नगर, संत झूलेलाल नगर, जटेपुर, अशोक नगर और शक्तिनगर सहित कई वार्डों में दोपहर से ही जलभराव की स्थिति बनी रही।

इसके अलावा सेंदुली-बेंदुली, कजाकपुर, रामपुर, डोमवा ढाला, नौसड़, मुक्तेश्वरनाथ मंदिर, नौरंगाबाद, सेमरा नंबर-दो, शाहपुर, प्रोफेसर कॉलोनी, पार्वतीपुरम, साकेतनगर और शिवनगर समेत अनेक इलाकों में भी लोग जलभराव से जूझते रहे।

कई स्थानों पर पंपिंग मशीनें देर शाम तक पूरी क्षमता से संचालित नहीं हो पाने के कारण पानी की निकासी में विलंब हुआ। नगर आयुक्त अजय जैन के निर्देश पर मुख्य अभियंता अमित शर्मा, अधिशासी अभियंता अशोक भाटी और अभियंताओं की टीमें संवेदनशील क्षेत्रों में जलनिकासी व्यवस्था संभालने में जुटी रहीं।

चलानी पड़ी पंपिंग मशीन

जलभराव को लेकर कई जगहों पर नगर निगम की ओर से पंपिंग मशीन चलानी पड़ी। जिला अस्पताल रोड, बेतियाहाता, गोपालापुर, शिवाला नगर, गणेशपुरम, सिंघड़िया, रानीडीहा, खोराबार, रासीनगर फेज-4, रामजानकीनगर और नंदा क्षेत्र में जलभराव के बीच नगर निगम को पंपिंग मशीनों को चलाया गया, जिससे जल निकासी कराई जा सके।

बारिश में तत्काल बंद कर दिए कुछ उपकेंद्र

बारिश का असर बिजली व्यवस्था पर भी पड़ा। कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई। बारिश के कारण शहर के उपकेंद्र तत्काल बंद कर दिए गए। बारिश के बाद पेट्रोलिंग कर उपकेंद्रों से बिजली बहाल की गई। कई जगहों पर छोटे-छोटे फाल्ट भी ठीक किए गए। रासीनगर के एसडीओ राघवेंद्र द्विवेदी ने बताया कि बारिश के समय फीडर बंद थे। बारिश के बाद आपूर्ति बहाल कर दी गई है।

दो दिनों तक छाए रहेंगे बादल, बारिश को लेकर मौसम विभाग ने की भविष्यवाणी

कानपुर , एजेंसी। मानसूनी बारिश करने वाली ट्रफ लाइन तराई की तरफ खिसक गई है। इससे बादल तो रहेंगे लेकिन बारिश नहीं होगी। मानसून का ड्राई पैच शुरू हो गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले दो दिनों में बादल रहेंगे लेकिन वर्षा की संभावना नहीं है।

वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि पहाड़ों, पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश है और इसके विपरीत गंगा के मैदानी इलाकों में सूखा (ब्रेक मानसून) की स्थिति है। मुख्य कारण मानसून ट्रफ का अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर खिसक कर हिमालय की तलहटी में स्थानांतरित होना है। मानसून ट्रफ कम दबाव का एक ऐसा क्षेत्र होता है जो सामान्यतः पाकिस्तान से लेकर बंगाल की खाड़ी तक फैला रहता है।

जब यह ट्रफ लाइन उत्तर की ओर शिफ्ट होकर हिमालय के पहाड़ों के करीब पहुंच जाती है, तो मैदानी इलाकों से नमी और बादल पूरी तरह गायब हो जाते हैं। इस स्थिति में बंगाल की खाड़ी से आने वाली दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाएं मैदानी भागों को पार कर सीधे हिमालय और पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से टकराती हैं।इसके कारण पहाड़ों पर मूसलाधार बारिश होती है। ट्रफ लाइन के उत्तर जाने से मध्य और उत्तर भारत के मैदानी भागों में पश्चिम एशिया से आने वाली गर्म और शुष्क हवाएं प्रभावी हो जाती हैं। ये हवाएं बादलों के निर्माण को रोक देती हैं जिससे यूपी, मध्य प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में उमस भरी गर्मी बढ़ जाती है।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, अवैध शराब की भट्टी ध्वस्त, 70 लीटर कच्ची शराब बरामद

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। जिले में अवैध शराब के निर्माण और तस्करी पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग का अभियान लगातार तेज हो रहा है। बढ़ापुर थाना पुलिस के सहयोग से आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने क्षेत्र के जंगलों और ग्रामीण इलाकों में छापेमारी कर अवैध शराब कारोबारियों पर शिकंजा कस दिया। लगातार हो रही कार्रवाई से अवैध शराब तस्करों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

जिला आबकारी अधिकारी आर. बी. सिंह के कार्यभार संभालने के बाद विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ अभियान को और अधिक प्रभावी बना दिया है। इसी क्रम में आबकारी निरीक्षक देवेंद्र कुमार सोती ने नगीना एवं बढ़ापुर थाना पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाया। टीम ने बढ़ापुर क्षेत्र के जंगलों और गांवों में अवैध रूप से कच्ची शराब बनाने वालों के ठिकानों को चिन्हित कर छापेमारी की।

अभियान के दौरान ग्राम भोगपुर खदरी में बाबा के पुल के निकट रामगंगा नदी के किनारे संचालित एक अवैध शराब की भट्टी पकड़ी गई। मौके से 70 लीटर कच्ची शराब तथा एक बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल बरामद की गई। इसके अलावा लगभग 1,200 किलोग्राम शराब बनाने के लिए तैयार लहन

और शराब निर्माण में प्रयुक्त उपकरणों को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। विभाग का कहना है कि इस कार्रवाई से न केवल राजस्व की हानि रोकने में मदद मिलेगी, बल्कि अवैध एवं मिलावटी शराब से लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले खतरे को भी कम किया जा सकेगा।

आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और तस्करी के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

महिला कर्मचारियो के लिए आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की सत्यम एक्सपोर्ट्स कंपनी में हुई सम्पन्न

नोएडा (शिखर समाचार)। कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध मे आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की सत्यम एक्सपोर्ट्स कंपनी में सम्पन हुई, जिसमे एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से रीचा कंचन ने कंपनी की सभी महिला और पुरुष को कानून के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर आंतरिक शिकायत समीती के सदस्यों को समझाया की यदि किसी महिला कर्मचारी को इस प्रकार की कोई शिकायत है तो वह घटना घटित होने के तीन माह के अंदर अपनी लिखित शिकायत समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगी। समिति का दायित्व होगा की वह तत्काल इस सम्बन्ध मे आवश्यक बैठक बुलाकर प्राप्त शिकायत पत्र मे उल्लिखित बिन्दुओ पर छानबीन करके, उसका समाधान करने का प्रयास करेगी और यदि समिति का प्रयास विफल हो जाता हो तो तत्काल इस शिकायत के सम्बन्ध मे प्रबंधक / प्रबंधन के उच्चाधिकारी को संपर्क करके उसका समाधान का प्रयास कराया जायेगा और यदि समस्या का

समाधान नहीं हो तो प्रबंधक / प्रतिष्ठान के उच्चाधिकारी इस सम्बन्ध मे आवश्यक कार्यवाही लागू सेवा शर्तो / स्थायी आदेश के प्राविधानों के अनुसार समुचित कार्यवाही करेगा।

यह भी आवश्यक होगा की इस प्रकार की शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण क्षेत्र के जिला अधिकारी के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष की 15 जनवरी तक जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है। मिनिस्ट्री ऑफ महिला एव बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार की (SHE BOX PORTAL) पर रजिस्ट्रेशन करवाना और शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण अपलोड करना अनिवार्य है '

लायंस ओलंपियाड में मेपल्स एकेडमी के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर किया शानदार प्रदर्शन

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कांधला रोड स्थित मेपल्स एकेडमी के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित लायंस ओलंपियाड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। इस उपलब्धि पर मंगलवार को विद्यालय परिसर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विजेता विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र तथा शिक्षा उत्कृष्टता पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन ओलंपियाड समन्वयक अमित कुमार ने किया।

उपप्रधानाचार्य क्षितिज श्रीवास्तव ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2025-26 के दौरान आयोजित लायंस ओलंपियाड परीक्षा में विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की। कक्षा पांच के छात्र आदित्य त्यागी ने अंग्रेजी विषय में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर 1,250 रुपये का नकद पुरस्कार जीता। वहीं कक्षा सात की स्वाति

जिंदल और अक्षय पंवार तथा कक्षा छह की वाणी सैनी ने भी अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। सभी सफल विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र और शिक्षा उत्कृष्टता पदक प्रदान किए गए।

प्रधानाचार्या डॉ. गरिमा वर्मा ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने, आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और अभिभावकों के सतत सहयोग का परिणाम है। विद्यालय प्रबंधन आगे भी विद्यार्थियों को ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता रहेगा, ताकि वे शिक्षा के साथ-साथ प्रतिस्पर्धात्मक क्षेत्रों में भी नई उपलब्धियां हासिल कर सकें। समारोह में प्रबंधक राजीव गर्ग, कपिल मित्तल सहित विद्यालय के शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे तथा सभी ने विजेता विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

पुलिस मुठभेड़ में चेन स्नेचर घायल, लूटी गई सोने की चेन और तमंचा बरामद

शामली (शिखर समाचार)। शहर कोतवाली पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चेन स्नेचिंग की वारदात का खुलासा कर एक आरोपी को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। जवाबी कार्रवाई के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके कब्जे से लूटी गई सोने की चेन, एक अवैध तमंचा, कारतूस तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार 13 जुलाई को ग्राम खेड़ीकरमू निवासी अंजली अपने बच्चों को स्कूल छोड़कर घर लौट रही थीं। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार दो बदमाश उनके गले से सोने की चेन झपटकर फरार हो गए थे। पीड़िता की शिकायत पर शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई थी। मंगलवार को संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच के दौरान सिंभालका बाईपास के पास पुलिस ने एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोकने का प्रयास किया। पुलिस का कहना है कि घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका साथी खेतों की ओर भाग निकला।

घायल आरोपी की पहचान फहीम उर्फ छोला निवासी

किदवई नगर, थाना खालापार, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। फरार आरोपी की पहचान आदी उर्फ अदनान निवासी किदवई नगर, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से .315 बोर का अवैध तमंचा, दो जीवित कारतूस, एक खोखा कारतूस, लूटी गई सोने की चेन तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद हुई है। कोतवाली प्रभारी धर्मेंद्र गौतम ने बताया कि फहीम उर्फ छोला के विरुद्ध मुजफ्फरनगर और शामली में धोखाधड़ी, आयुध अधिनियम, गैंगस्टर अधिनियम सहित कई गंभीर मामलों में पहले से मुकदमे दर्ज हैं।

बनत में वृक्षारोपण अभियान के तहत लगाए गए पौधे, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

शामली (शिखर समाचार)। नगर पंचायत बनत द्वारा मंगलवार को वृक्षारोपण-2026-27 अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सदर विधायक प्रसन्न चौधरी ने पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। इस दौरान नगर पंचायत के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने भी अभियान में भाग लेकर हरित वातावरण बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक प्रसन्न चौधरी ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और बदलते पर्यावरणीय हालात को देखते हुए वृक्षारोपण आज की सबसे बड़ी

आवश्यकता बन गया है। उन्होंने कहा कि पेड़ न केवल पर्यावरण को संतुलित रखते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा और बेहतर जीवन का आधार भी हैं। उन्होंने नगर पंचायत बनत की सराहना करते हुए कहा कि पौधों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक पौधे के साथ ट्री गार्ड लगाए जा रहे हैं, जिससे उनके सुरक्षित विकास की संभावना बढ़ेगी।

नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी देवकीनंदन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि पौधारोपण के साथ-साथ पौधों की नियमित सिंचाई, देखभाल और सुरक्षा भी सुनिश्चित करें, ताकि लगाए गए पौधे भविष्य में विशाल वृक्ष बनकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि धर्मवीर सिंह सहित नगर पंचायत के कर्मचारी और स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे तथा सभी ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया।

कादरगढ़ में भाजपा कार्यक्रम, मोहित बेनीवाल ने जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाने का किया आह्वान

शामली (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव कादरगढ़ में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य एवं पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल ने केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं से इन योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और इसके लिए संगठन के कार्यकर्ताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहित बेनीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली, आवास और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि किसानों, युवाओं, महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के हित में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ बड़ी संख्या में लोग प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शिता, सुशासन और विकास की नीति पर कार्य करते हुए प्रदेश को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने की दिशा में लगातार प्रयासरत है।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे सरकार की उपलब्धियों और जनहितकारी योजनाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंचाएं तथा आम लोगों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए भी सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के विकास, संगठन की मजबूती और आगामी संगठनात्मक गतिविधियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर जिला मंत्री पीयूष सैनी, पंकज राणा, प्रमोद राणा, बिट्टू प्रजापति, गोविंद कश्यप, संजय शर्मा सहित पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन जनकल्याणकारी योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के संकल्प के साथ हुआ।

ग्रेटर नोएडा की सोसाइटी की लिफ्ट में चार बच्चियां फंसी, हनुमान चलीसा का किया पाठ, 30 मिनट बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की एक हाई-राइज सोसाइटी में लिफ्ट अटकने का मामला सामने आया है। सोमवार रात गैलेक्सी वगैरा सोसाइटी की लिफ्ट में चार बच्चियां फंस गईं। इस दौरान बच्चों ने डरकर हनुमान चालीसा का पाठ करना शुरू कर दिया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सोसाइटी के निवासियों के अनुसार, लिफ्ट अचानक अटक गई और थोड़ी देर के लिए अंधेरा छा गया। हालांकि, कुछ ही देर में लाइटें जल गईं, लेकिन बच्चियां काफी घबरा गई थीं। वे करीब 30 मिनट तक लिफ्ट के अंदर फंसी रहीं। इस दौरान घबराई हुई बच्चियों ने लिफ्ट के अंदर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया। सोसाइटी के लोगों ने दावा किया कि करीब आधे घंटे तक लिफ्ट अटकी रही, जिसके बाद उन्हें किसी तरह बाहर निकाला गया। सोसाइटी के लोगों ने ही इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सोसाइटी में लिफ्टों की हालत ठीक नहीं है और ऐसी घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। यह वीडियो अब तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें चार बच्चियां लिफ्ट के अंदर हनुमान चालीसा का पाठ करती दिख रही हैं।

परीक्षित खटाना ने अपर आयुक्त राज्य कर का कार्यभार संभाला, पारदर्शी कार्यशैली पर दिया जोर

नोएडा (शिखर समाचार)। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वर्ष 2020 बैच के अधिकारी परीक्षित खटाना ने मंगलवार को अपर आयुक्त राज्य कर, गौतमबुद्धनगर (नोएडा) जोन का कार्यभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर शासन की मंशा के अनुरूप ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग की कार्यप्रणाली ऐसी होनी चाहिए, जिससे आमजन और व्यापारी वर्ग का विश्वास और अधिक मजबूत हो तथा राज्य कर विभाग की सकारात्मक एवं जनहितैषी छवि स्थापित हो।

बैठक के दौरान परीक्षित खटाना ने अधिकारियों से करदाताओं और व्यापारियों के साथ सम्मानजनक, संवेदनशील तथा सहयोगपूर्ण व्यवहार अपनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि विभाग की प्राथमिकता राजस्व संग्रह के साथ-साथ करदाताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने अधिकारियों से सभी प्रकरणों का समयबद्ध एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित करने और शासन की नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए।

परीक्षित खटाना इससे पूर्व आजमगढ़ में मुख्य विकास अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अब गौतमबुद्धनगर में नई जिम्मेदारी संभालने के बाद उन्होंने विभागीय कार्यों को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहित केंद्रित बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

जनपद स्तरीय रोजगार मेले में 257 युवाओं का चयन, 437 अभ्यर्थियों ने लिया भाग

नोएडा (शिखर समाचार)। विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), नोएडा में जनपद स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी ने किया। रोजगार मेले में 12 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया, जहां गौतमबुद्धनगर और आसपास के क्षेत्रों से आए 437 अभ्यर्थियों ने विभिन्न पदों के लिए साक्षात्कार दिया। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 257 अभ्यर्थियों का विभिन्न कंपनियों में चयन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी ने कहा कि कौशल विकास युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने युवाओं से अपने तकनीकी और व्यावसायिक कौशल को लगातार विकसित करने का आह्वान करते हुए चयनित अभ्यर्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे रोजगार मेले युवाओं को उद्योगों से जोड़ने और उन्हें बेहतर रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य अवनीन्द्र कुमार पांडेय ने बताया कि संस्थान गुणवत्तापूर्ण तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ प्रशिक्षुओं एवं युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योगों के साथ समन्वय स्थापित कर समय-समय पर रोजगार मेलों का आयोजन किया जाता है, जिससे युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। रोजगार मेले के सफल आयोजन में संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, गौतमबुद्धनगर के जिला कौशल प्रबंधक रवि कुमार प्रजापति, पूनम सिंह सहित विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

डिजिटल लेबर चौक ऐप से निर्माण श्रमिकों को मिलेगा रोजगार और सरकारी योजनाओं का लाभ

नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड ने निर्माण श्रमिकों को रोजगार के अवसरों और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से बीओसीडब्ल्यू डिजिटल लेबर चौक मोबाइल ऐप विकसित किया है। अपर श्रमायुक्त राकेश द्विवेदी ने मंगलवार को बताया कि यह ऐप निर्माण श्रमिकों और नियोजकों के बीच एक प्रभावी डिजिटल मंच के रूप में कार्य करेगा। इसके माध्यम से श्रमिकों को रोजगार के साथ-साथ शासन की विभिन्न योजनाओं तक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध पहुंच मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि भवन एवं अन्य सन्निर्माण कार्यों से जुड़े श्रमिक इस ऐप पर अपना पंजीकरण कर सकते हैं। वहीं बिल्डर, ठेकेदार, निर्माण एजेंसियां तथा अन्य नियोजक भी अपनी श्रमिक आवश्यकता के अनुसार पंजीकरण कर प्रशिक्षित एवं पंजीकृत श्रमिकों की खोज कर सकेंगे। एंड्रॉयड आधारित यह ऐप डिजिटल श्रम बाजार के रूप में कार्य करेगा, जहां श्रमिक अपनी उपलब्धता दर्ज करेंगे और नियोजक सीधे उनसे संपर्क स्थापित कर सकेंगे। इससे श्रमिकों को काम मिलने की प्रक्रिया आसान होगी और नियोजकों को आवश्यकतानुसार श्रमिक उपलब्ध हो सकेंगे। अपर श्रमायुक्त ने बताया कि ऐप के माध्यम से श्रमिक भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने के साथ पात्रता के अनुसार ऑनलाइन आवेदन भी कर सकेंगे। इससे सरकारी सेवाओं की उपलब्धता अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बनेगी। उन्होंने जनपद के निर्माण श्रमिकों, बिल्डरों, ठेकेदारों, निर्माण एजेंसियों, श्रमिक संगठनों और आम नागरिकों से इस मोबाइल ऐप का अधिकाधिक उपयोग करने तथा अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की। साथ ही सभी नियोजकों से अपने प्रतिष्ठानों में कार्यरत श्रमिकों का पंजीकरण कराकर इस डिजिटल पहल को सफल बनाने में सहयोग देने का आह्वान किया।

रहस्यमय परिस्थितियों में 14 वर्षीय किशोर लापता, पुलिस ने दर्ज की गुमशुदगी

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के रामपुर फतेहपुर गांव से 14 वर्षीय किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। परिजनों ने पहले अपने स्तर पर उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिलने पर कोतवाली दादरी में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर किशोर की तलाश शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि रामपुर फतेहपुर निवासी जगदीश चंद का 14 वर्षीय पुत्र अभय 11 जुलाई की शाम बिना किसी को बताए घर से निकल गया था। देर रात तक उसके घर नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद उन्होंने गांव और आसपास के क्षेत्रों में उसकी खोजबीन की। साथ ही रिश्तेदारों और परिचितों से भी दूरभाष के माध्यम से संपर्क कर जानकारी जुटाई, लेकिन कहीं से भी किशोर का कोई पता नहीं चल सका। काफी प्रयासों के बाद भी जब अभय का कोई सुराग नहीं मिला तो उसके पिता ने कोतवाली दादरी पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर किशोर की तलाश शुरू कर दी है। आसपास के क्षेत्रों के साथ-साथ संभावित स्थानों पर भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि किशोर की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है और शीघ्र ही उसे सकुशल बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

50 फीट गहरे कुएं में गिरे गोवंश को दो घंटे के रेस्क्यू के बाद सुरक्षित निकाला

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव रुस्तमपुर के निकट सोमवार देर रात करीब 50 फीट गहरे कुएं में गिरे एक गोवंश को पुलिस और गौरक्षक दल ने संयुक्त अभियान चलाकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया। लगभग दो घंटे तक चले राहत एवं बचाव अभियान के बाद गोवंश को बाहर निकालकर उसका प्राथमिक उपचार कराया गया। समय रहते किए गए रेस्क्यू से गोवंश की जान बच गई। घटना की सूचना मिलते ही गौरक्षक दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और गौर सिटी चौकी प्रभारी आशीष यादव को इसकी जानकारी दी। इसके बाद तत्काल हाइड्रा मशीन मंगाई गई। पुलिस और गौरक्षक दल के सदस्यों ने संयुक्त प्रयास से सावधानीपूर्वक गोवंश को कुएं से बाहर निकाला। बाहर निकालने के बाद उसकी हालत की जांच की गई और प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया। गौरक्षक दल के प्रमुख त्रिलोक गुर्जर (नवादा) ने कहा कि जंगल क्षेत्र में खुले बोरवेल और पुराने पक्के कुएं गोवंश के लिए लगातार खतरा बने हुए हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की घटनाएं पहले भी कई बार हो चुकी हैं और इस संबंध में संबंधित प्राधिकरण को कई बार शिकायत भी दी गई है, लेकिन अब तक इन खतरनाक स्थलों को सुरक्षित ढकने की प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो गौरक्षक दल इस मुद्दे को लेकर प्राधिकरण के खिलाफ आंदोलन करने को विवश होगा। रेस्क्यू अभियान के दौरान तनिष्क पंडित, मोहित ठाकुर, कृष्णा भाटी, हर्ष भाटी, धर्मेंद्र, मोहित, ललित सहित पुलिस और गौरक्षक दल के कई सदस्य मौजूद रहे।

किशोरियों को संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों की दी जानकारी

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में मंगलवार को तहसील दादरी स्थित सेंट हुड कॉन्वेंट स्कूल में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर की ओर से किशोरियों के संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शिवानी रावत ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा संबंधी कानूनों तथा कानूनी सहायता की जानकारी देकर उन्हें जागरूक और आत्मविश्वासी बनाना रहा। कार्यक्रम में छात्राओं को संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों, शिक्षा के अधिकार, सुरक्षा के अधिकार तथा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कानूनों की विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही पॉक्सो अधिनियम, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान और निःशुल्क विधिक सहायता की व्यवस्था पर भी प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने छात्राओं से किसी भी प्रकार के उत्पीड़न, भेदभाव अथवा हिंसा की स्थिति में कानूनी सहायता लेने और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। विद्यालय के अध्यक्ष संदीप शर्मा तथा प्रधानाचार्या डॉ. आशा शर्मा ने ऐसे कार्यक्रमों को छात्राओं के सर्वांगीण विकास और कानूनी जागरूकता के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को शिक्षा के साथ-साथ अपने अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के नामित पराविधिक स्वयंसेवक बालचंद नागर, रोहताश सिंह और सतपाल सहित विद्यालय का शिक्षकीय स्टाफ तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

रात्रिकालीन निरीक्षण में हाईमास्ट व स्ट्रीट लाइट व्यवस्था परखा, जल्द पूरी तरह रोशन होगा ईकोटेक-3 औद्योगिक क्षेत्र

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ईकोटेक-3 औद्योगिक क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में मंगलवार रात इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन (आईबीए) और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने संयुक्त रात्रिकालीन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान हाईमास्ट और स्ट्रीट लाइटों की कार्यप्रणाली, प्रकाश की तीव्रता तथा जिन स्थानों पर अभी प्रकाश व्यवस्था अधूरी है, उनका जायजा लिया गया। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि शेष स्थानों पर शीघ्र विद्युत पोल और स्ट्रीट लाइटें लगाकर पूरे औद्योगिक क्षेत्र को प्रकाशमय बनाया जाएगा।

आईबीए के अध्यक्ष अमित उपाध्याय के नेतृत्व में हुए निरीक्षण में प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी अभिषेक पाठक, वरिष्ठ प्रबंधक अजीतभाई पटेल, प्रबंधक विपिन कुमार और तकनीकी अधिकारी नेत्रपाल मौजूद रहे। चौगानपुर गोलचक्कर से घंटा चौक और घंटा चौक से पुलिस लाइन मार्ग तक निरीक्षण कर प्रकाश व्यवस्था की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया गया। साथ ही जहां पेड़ों की शाखाएं रोशनी में बाधा बन रही हैं, वहां उनकी छंटाई कराने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि ईकोटेक-3 के प्रमुख प्रवेश द्वारों पर आकर्षक सजावटी प्रकाश व्यवस्था भी विकसित की जाएगी।

अमित उपाध्याय ने कहा कि आईबीए केवल समस्याएं उठाने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्राधिकरण के साथ समन्वय कर उनके स्थायी समाधान के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि शीघ्र ही ईकोटेक-3 आधुनिक, सुरक्षित और पूर्णतः प्रकाशयुक्त औद्योगिक क्षेत्र के रूप में नई पहचान बनाएगा। वहीं प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रवि कुमार एन.जी. ने कहा कि सभी औद्योगिक क्षेत्रों में विश्वस्तरीय आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राधिकरण की सर्वोच्च प्राथमिकता है और विकास कार्य तेजी से पूरे कराए जा रहे हैं।

भाकियू (महासभा) का स्थापना दिवस मनाया, सदस्यता अभियान और तहसील घेराव की घोषणा

रबूपुरा (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन (महासभा) का स्थापना दिवस मंगलवार को रबूपुरा स्थित संगठन के राष्ट्रीय कार्यालय में उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता भाटी के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने केक काटकर स्थापना दिवस मनाया तथा किसानों के हितों की रक्षा के लिए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संगठन के विस्तार और आगामी रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता भाटी ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन शीघ्र ही व्यापक सदस्यता अभियान प्रारंभ करेगा। इस अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों, मजदूरों और युवाओं को संगठन से जोड़कर उनकी समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसान आज भी अनेक बुनियादी समस्याओं से जूझ रहे हैं और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संगठन पूरी मजबूती के साथ संघर्ष करता रहेगा। गीता भाटी ने घोषणा की कि क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं तथा किसानों से जुड़े मुद्दों को लेकर शीघ्र ही जेवर तहसील पर विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रहेगा। कार्यक्रम में सीमा भाटी, करण ठाकुर, दीपक ठाकुर, विजेंद्र कसाना, सादिक खान, धर्मेंद्र तोमर, सुरेंद्र कसाना सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यौन उत्पीड़न कानून 2013 : आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की टाइम्स आर्ट्स कंपनी में हुई सम्पन

नोएडा (शिखर समाचार)। कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध मे आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की टाइम्स आर्ट्स कंपनी में सम्पन हुई,जिसमे एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से रीचा कंचन ने कंपनी की सभी महिला और पुरुष को कानून के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर आंतरिक शिकायत समीती के सदस्यों को समझाया की यदि किसी महिला कर्मचारी को इस प्रकार की कोई शिकायत है तो वह घटना घटित होने के तीन माह के अंदर अपनी लिखित शिकायत समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगी। समिति का दायित्व होगा की वह तत्काल इस सम्बन्ध मे आवश्यक बैठक बुलाकर प्राप्त शिकायत पत्र मे उल्लिखित बिन्दुओ पर छानबीन करके, उसका समाधान करने का प्रयास करेगी और यदि समिति का प्रयास विफल हो जाता हो तो तत्काल इस शिकायत के सम्बन्ध मे प्रबंधक / प्रबंधन के उच्चाधिकारी को संपर्क करके उसका समाधान का प्रयास कराया जायेगा और यदि समस्या का समाधान नहीं हो तो प्रबंधक / प्रतिष्ठान के उच्चाधिकारी इस सम्बन्ध मे आवश्यक कार्यवाही लागू सेवा शर्तो / स्थायी आदेश के प्राविधानों के अनुसार समुचित कार्यवाही करेगा। यह भी आवश्यक होगा की इस प्रकार की शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण क्षेत्र के जिला अधिकारी के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष की 15 जनवरी तक जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है। मिनिस्ट्री ऑफ महिला एव बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार की (SHE BOX PORTAL) पर रजिस्ट्रेशन करवाना और शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण अपलोड करना अनिवार्य है।

बढ़ापुर क्षेत्र में गुलदार का आतंक बरकरार, पशुओं पर लगातार हमलों से ग्रामीणों में दहशत

बिजनौर (शिखर समाचार)। बढ़ापुर क्षेत्र में गुलदार का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार हो रहे हमलों से ग्रामीणों में भय का माहौल है। ताजा घटना ग्राम पक्का तालाब की है, जहां एक डेरे में घुसकर गुलदार ने बंधे कटरे पर हमला कर उसे घायल कर दिया। इससे पहले भी इसी गांव में एक बकरी को गुलदार उठा ले गया था। लगातार हो रही घटनाओं के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ने की मांग की है। ग्राम पक्का तालाब निवासी नफीस अहमद ने अपने डेरे पर पशुपालन कर रखा है। मंगलवार देर रात उनके छोटे भाई तहसीम पशुओं की रखवाली के लिए डेरे पर मौजूद थे। इसी दौरान गुलदार डेरे में घुस आया और वहां बंधे एक कटरे पर हमला कर दिया। अन्य पशुओं के शोर मचाने पर तहसीम की नींद खुल गई। वह लाठी लेकर मौके पर पहुंचे और शोर मचाया, जिसके बाद गुलदार घायल कटरे को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। कटरे को उपचार के लिए पशु चिकित्सक की देखरेख में रखा गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि दो दिन पहले भी गांव निवासी सुक्खे के डेरे से गुलदार एक बकरी को उठा ले गया था। लगातार हो रहे हमलों से पशुपालकों में दहशत व्याप्त है और रात के समय लोग अपने पशुओं की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। ग्रामीण वाहिद, शमशाद, गुलफाम, मोहम्मद नासिर सहित अन्य लोगों ने वन विभाग से तत्काल पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ने तथा क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने की मांग की है, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले लोगों और पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बिजली संकट को लेकर भारतीय किसान मजदूर मोर्चा का प्रदर्शन, अधिशासी अभियंता का घेराव

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर के लाइनपार क्षेत्र में लगातार बनी हुई बिजली की समस्या से परेशान लोगों ने मंगलवार को भारतीय किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले सीकरी रोड स्थित विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता कार्यालय पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। संगठन के अध्यक्ष बबली गुर्जर के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासी कार्यालय पहुंचे, नारेबाजी की और अधिशासी अभियंता धर्मेंद्र सिंह का घेराव कर उन्हें प्रदर्शनकारियों के बीच बैठाए रखा। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लाइनपार क्षेत्र की सीकरी खुर्द, भूपेंद्र पुरी, चुना भट्टी, विश्वकर्मा बस्ती समेत आधा दर्जन से अधिक कॉलोनियों में करीब 30 हजार की आबादी निवास करती है, लेकिन लंबे समय से यहां बिजली आपूर्ति गंभीर रूप से प्रभावित है। उनका आरोप था कि कई-कई घंटे तक बिजली नहीं आती और जब आपूर्ति होती भी है तो अत्यधिक कम वोल्टेज के कारण पंखे, कूलर और अन्य विद्युत उपकरण ठीक से नहीं चल पाते। कई बार कम वोल्टेज के चलते घरेलू उपकरण खराब हो जाते हैं, जिससे लोगों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने विद्युत व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग करते हुए अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपा। अधिशासी अभियंता धर्मेंद्र सिंह ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि क्षेत्र में बढ़ते विद्युत भार को देखते हुए अधिक क्षमता वाले ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे तथा बिजली आपूर्ति में सुधार के लिए आवश्यक तकनीकी कार्य शीघ्र कराए जाएंगे। आश्वासन मिलने के बाद प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया। इस दौरान राहुल गुर्जर, निर्दोष खटाना, गुलाब सिंह, आलोक, सुनील प्रधान, तिलक राज सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विक्रांत जाटव हत्याकांड : आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर 14 घंटे तक शव रखकर प्रदर्शन, आश्वासन के बाद हुआ अंतिम संस्कार

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भोजपुर थाना क्षेत्र के चुड़ियाला गांव निवासी विक्रांत जाटव की हत्या के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी और उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर परिजनों और ग्रामीणों ने सोमवार रात से मंगलवार दोपहर तक करीब 14 घंटे तक चुड़ियाला पुलिस चौकी के सामने शव रखकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने फरार आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई, उनकी गिरफ्तारी तथा उनके मकानों पर बुलडोजर चलाने की मांग उठाई। पुलिस अधिकारियों के आश्वासन के बाद परिजनों ने धरना समाप्त कर मृतक का अंतिम संस्कार किया।

जानकारी के अनुसार, 25 वर्षीय विक्रांत जाटव के साथ 10 जुलाई को गांव के ही कुछ युवकों ने कथित रूप से लाठी-डंडों से मारपीट की थी। गंभीर रूप से घायल विक्रांत का उपचार चल रहा था, लेकिन सोमवार सुबह अस्पताल में उसकी मृत्यु हो गई। पोस्टमार्टम के बाद सोमवार देर रात शव परिजनों को सौंपा गया, जिसके बाद वे शव लेकर चुड़ियाला पुलिस चौकी पहुंचे और वहीं धरने पर बैठ गए। सूचना मिलते ही रात में ग्रामीण पुलिस उपायुक्त सुरेंद्रनाथ तिवारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन अपनी मांगों पर अड़े रहे। मंगलवार दोपहर सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा ने मौके पर पहुंचकर परिजनों से वार्ता की। उन्होंने आश्वासन दिया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगातार दबिश दे रही हैं और शीघ्र ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अधिकारियों के आश्वासन के बाद परिजनों ने प्रदर्शन समाप्त किया और विक्रांत जाटव का अंतिम संस्कार किया।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संपादकीय

शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता का सवाल और सोनम वांगचुक का अनशन

लोकतंत्र में किसी भी शांतिपूर्ण विरोध की सबसे बड़ी शक्ति उसका नैतिक आधार होता है। जब कोई व्यक्ति अपनी बात मनवाने के लिए हिंसा का नहीं, बल्कि अपने शरीर और संकल्प का सहारा लेता है, तो वह केवल एक मांग नहीं उठाता बल्कि पूरे समाज के विवेक को झकझोरने का प्रयास करता है। आज दिल्ली के जंतर मंतर पर चल रहा सोनम वांगचुक का अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल इसी प्रकार का एक आंदोलन बन चुका है। 14 जुलाई 2026 तक उनका अनशन 17वें दिन में प्रवेश कर चुका है। स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार उनका वजन लगभग 8.5 किलोग्राम कम हो चुका है और स्वास्थ्य लगातार गिर रहा है। इसके बावजूद उन्होंने स्पष्ट कहा है कि जब तक आंदोलन अपने तार्किक निष्कर्ष तक नहीं पहुंचेगा, तब तक वे पीछे नहीं हटेंगे। देश के अनेक सामाजिक कार्यकताओं, बुद्धिजीवियों, कलाकारों और हजारों समर्थकों ने उनसे अनशन समाप्त करने की अपील की है, लेकिन उन्होंने अपने संकल्प को बरकरार रखा है।

यह आंदोलन केवल एक व्यक्ति के स्वास्थ्य का विषय नहीं है और न ही इसे किसी राजनीतिक चश्मे से देखने की आवश्यकता है। इसके केंद्र में भारत की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और करोड़ों युवाओं के भविष्य से जुड़ा प्रश्न खड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, परीक्षा निरस्तीकरण और अनियमितताओं के आरोप बार बार सामने आए हैं। जब लाखों विद्यार्थी वर्षों की मेहनत, परिवार की आर्थिक क्षमता और अपने सपनों को दांव पर लगाकर परीक्षा देते हैं, तब किसी भी प्रकार की गड़बड़ी केवल एक प्रशासनिक भूल नहीं रहती, बल्कि यह उनके विश्वास पर सीधा प्रहार बन जाती है।

भारत दुनिया का सबसे युवा देश बनने की ओर अग्रसर है। यह वही युवा शक्ति है जिस पर विकसित भारत का सपना टिका हुआ है। लेकिन यदि यही युवा यह महसूस करने लगे कि मेहनत से अधिक महत्व भ्रष्टाचार, लापरवाही या व्यवस्था की कमजोरियों का है, तो यह केवल शिक्षा का संकट नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक विश्वास का भी संकट बन जाएगा। किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल बड़ी अर्थव्यवस्था या ऊंची इमारतों से नहीं होती, बल्कि इस विश्वास से होती है कि प्रतिभा को न्याय मिलेगा और मेहनत का सम्मान होगा।

सोनम वांगचुक लंबे समय से शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में अपने कार्यों के लिए पहचाने जाते रहे हैं। ऐसे व्यक्ति का इस प्रकार का कठोर कदम उठाना यह संकेत देता है कि व्यवस्था के प्रति असंतोष केवल छात्रों तक सीमित नहीं रह गया है। हालांकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी मांग का समाधान संवाद, संवैधानिक प्रक्रियाओं और संस्थागत सुधारों के माध्यम से ही होना चाहिए। अनशन किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता, लेकिन यह सत्ता और समाज दोनों को आत्ममंथन करने का अवसर अवश्य देता है।

सरकार का भी यह दायित्व है कि वह केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित न रहे, बल्कि आंदोलन के मूल मुद्दों पर गंभीर संवाद स्थापित करे। यदि मांगों से असहमति है तो उसका तथ्यात्मक उत्तर दिया जाए, यदि कमियां हैं तो उन्हें स्वीकार कर सुधार का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया जाए। लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि विरोध को शत्रुता नहीं बल्कि संवाद के अवसर के रूप में देखा जाए। दूसरी ओर आंदोलनकारियों की भी यह जिम्मेदारी है कि वे लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भीतर रहकर अपनी बात रखें और अपने जीवन की रक्षा को भी उतना ही महत्व दें, क्योंकि किसी भी सामाजिक परिवर्तन के लिए संघर्ष करने वाले लोगों का जीवित रहना अधिक आवश्यक है।

इस आंदोलन के दौरान कई प्रमुख सार्वजनिक हस्तियों और सामाजिक कार्यकताओं ने वांगचुक के स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से बातचीत शुरू करने की अपील की है।

~ मौलिक चिंतन ~

अपनी खुजली खुजलाने और दूसरों के जख्म कुरेदने में समान आनन्द की अनुभूति होती है।

~~~~~~~~~

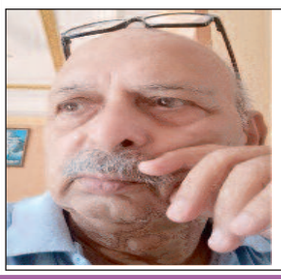

© विनय संकोची

दुनिया को असुरक्षित महसूस कराती ट्रंप की युद्धनीति

डॉ हिदायत अहमद खान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद की हत्या किए जाने की आशंका जताकर पूरी दुनियां का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। दरअसल ट्रंप का यूं स्वयं की हत्या की आशंका जताना केवल एक व्यक्तिगत सुरक्षा संबंधी बयान नहीं है, बल्कि उस व्यापक भू-राजनीतिक संकट का संकेत भी है, जिसकी आहट आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। जब किसी महाशक्ति का सर्वोच्च नेता सार्वजनिक रूप से अपनी सुरक्षा पर खतरे की बात करता है और साथ ही किसी देश को पूरी तरह समाप्त कर देने जैसी चेतावनी देता है, तब यह केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं रह जाती, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्थिरता के लिए गंभीर चिंता का विषय बन जाती है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने राजनीतिक जीवन में स्वयं को अक्सर एक ऐसे नेता के रूप में प्रस्तुत किया है, जो दुनिया में शांति स्थापित करना चाहता है। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने, भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम कराने और पश्चिम एशिया में स्थिरता लाने जैसे दावे भी किए हैं। हालांकि, व्यवहारिक राजनीति में उनके कई फैसले इसके विपरीत दिखाई देते हैं। ईरान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई, आर्थिक प्रतिबंधों का विस्तार और लगातार कठोर बयान यह संकेत देते हैं कि उनकी विदेश नीति में कूटनीति की तुलना में शक्ति प्रदर्शन को अधिक महत्व दिया जा रहा है। यही नहीं शक्तिशाली देश को कमजोर करने या उसकी कमजोरी उजागर कर पड़ोसी दुश्मन देश को उसके खिलाफ भड़काने का काम भी बहुतायत में हुआ है। ईरान के मामले में आंकलन गलत साबित हुआ है, इस कारण इजराइल चुप हो गया और अब अमेरिका खुद को इस चक्रव्यूह से निकालने की कोशिश में सब गंवाते चले जा रहे हैं।

वर्तमान परिस्थितियां बता रही हैं कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य तनाव केवल दो-तीन देशों का विवाद नहीं रह गया है। इसका सीधा प्रभाव पूरे पश्चिम एशिया, वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ रहा है। इन हमलों में अन्य देशों के नागरिक भी अपनी जान गंवा रहे हैं। कुल मिलाकर जान-माल का खासा नुक्सान हो रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से बड़े स्तर पर वैश्विक तेल आपूर्ति की जाती है। यदि यहां सैन्य टकराव बढ़ता है तो इसका असर तेल की कीमतों से लेकर वैश्विक अर्थव्यवस्था तक दिखाई देगा। ट्रंप का यह कहना कि यदि उनकी हत्या होती है तो ईरान को अभूतपूर्व सैन्य जवाब दिया जाएगा, राजनीतिक दृष्टि से भले ही समर्थकों को संदेश देने का प्रयास हो, लेकिन संवैधानिक और संस्थागत दृष्टि से यह उतना सरल नहीं है। अमेरिकी लोकतांत्रिक व्यवस्था में राष्ट्रपति की अनुपस्थिति की स्थिति के लिए स्पष्ट संवैधानिक प्रावधान मौजूद हैं। किसी भी सैन्य कार्रवाई का निर्णय तत्कालीन राष्ट्रपति और संस्थागत प्रक्रिया के माध्यम से ही लिया जाता है। इसलिए व्यक्तिगत चेतावनी और संवैधानिक वास्तविकता में स्पष्ट अंतर है। इसे ट्रंप भी समझ रहे हैं, इसलिए आगे वो कहते सुने जाते हैं कि उनकी हत्या का बदला वर्तमान उपराष्ट्रपति वेंस लेंगे, क्योंकि तब वो राष्ट्रपति होंगे। दूसरी ओर, ईरान भी लगातार अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन कर रहा है और अमेरिका तथा इजराइल के विरुद्ध कड़े बयान दे रहा है। दोनों पक्षों की ओर से आक्रामक भाषा और सैन्य गतिविधियों का विस्तार इस आशंका को बढ़ाता है कि यदि किसी भी स्तर पर गलत आकलन या छोटी सी चूक हुई, तो उसका परिणाम व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष के रूप में सामने आ सकता है। इतिहास गवाह है कि अनेक बड़े युद्ध ऐसी ही परिस्थितियों में शुरू हुए, जब कूटनीतिक संवाद की जगह सैन्य शक्ति का प्रदर्शन हावी हो गया। इस पूरे घटनाक्रम में एक महत्वपूर्ण पहलू राजनीतिक मनोविज्ञान का भी है। किसी नेता द्वारा स्वयं पर हमले की आशंका सार्वजनिक करना कई बार सुरक्षा संबंधी वास्तविक चिंताओं का परिणाम हो सकता है, तो कई बार यह अपने समर्थकों को संगठित करने और कठोर नीतियों को उचित ठहराने का राजनीतिक माध्यम भी बनता है। इसलिए ऐसे बयानों का मूल्यांकन तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर ही किया जाना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक भावनाओं के आधार पर। आज दुनिया पहले से ही रूस-यूक्रेन युद्ध, गाजा संकट,

पाकिस्तान-अफगानिस्तार, सीरिया संकट और विभिन्न क्षेत्रीय संघर्षों से जूझ रही है। ऐसे समय में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता टकराव वैश्विक शांति के लिए नई चुनौती बन सकता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव द्वारा संयम और संवाद की अपील इसी कारण महत्वपूर्ण है। किसी भी युद्ध का अंत अंततः बातचीत की मेज पर ही होता है, लेकिन तब तक उसकी कीमत हजारों जानें, आर्थिक तबाही और वर्षों की अस्थिरता के रूप में चुकानी पड़ती है। महाशक्तियों की जिम्मेदारी केवल अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाना और दिखाना नहीं, बल्कि वैश्विक शांति बनाए रखना भी है। युद्ध की भाषा अल्पकालिक राजनीतिक लाभ दे सकती है, किंतु स्थायी समाधान केवल कूटनीति, विश्वास निर्माण और संवाद से ही संभव है। वर्तमान परिस्थितियों में यही वह रास्ता है, जो अमेरिका, ईरान और पूरी दुनिया को एक बड़े संकट से बचा सकता है।

विश्व युवा कौशल दिवस- साझा भविष्य की सबसे मजबूत नींव है युवा कौशल क्रांति

योगेश कुमार गोयल

रोजगार नहीं, अवसर सृजन की शक्ति है कौशल...

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण तथा स्थानीय व वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रासंगिक अन्य कौशलों के विकास के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 15 जुलाई को 'विश्व युवा कौशल दिवस' मनाया जाता है। चूंकि यह दिन विश्वभर के युवाओं को रोजगार, काम और एंटरप्रेन्योर बनने के लिए जरूरी स्किल्स से लैस बनाने के लिए समर्पित है, इसीलिए यह दिवस मनाए जाने का काफी महत्व है। दरअसल पूरी दुनिया आज कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें से कई चुनौतियां खासकर युवा वर्ग को बहुत प्रभावित करती हैं। यह दिवस युवाओं और 'तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण' (टीवीईटी) संस्थानों, फर्मों, नियोक्ताओं, श्रमिक संगठनों, नीति निमार्ताओं तथा विकास भागीदारों के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। यह दिन लैंगिक असमानता को समाप्त करने तथा कमजोर लोगों तक संसाधनों की पहुंच सुनिश्चित करने को बढ़ावा देने के लिए भी खास माना जाता है।

विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक पूरी दुनिया में 200 मिलियन से भी ज्यादा युवा या तो बेरोजगार हैं या उनके पास नौकरी तो है लेकिन वे गरीबी में जी रहे हैं। केवल 1997 और 2017 के बीच ही युवा आबादी में 139 मिलियन की वृद्धि हुई, वहीं युवा श्रम बल में 58.7 मिलियन की कमी आई। कोरोना काल के बाद तो युवा श्रम बल को लेकर स्थिति काफी बदतर हुई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में पांच में से दो युवा श्रमिक प्रतिदिन 3.1 अमेरिकी डॉलर से भी कम पर जीवनयापन करते हैं और वैश्विक स्तर पर 4 में से 3 युवा कर्मचारी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कार्यरत हैं, जो सभ्य काम नहीं है। वैश्विक स्तर पर अधिकांश युवा अभी भी स्थिर या संतोषजनक नौकरी पाने के लिए औसतन 13.8 महीने तक प्रतीक्षा करते हैं, जो शिक्षा से नौकरी में एक कठिन संक्रमण को दशार्ता है। चूंकि पूरी दुनिया में युवा बेरोजगारों बहुत बड़ी फौज है, इसलिए उनके लिए आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन करने के कौशल से लैस होना और भविष्य में होने वाली बाधाओं को झेलने के लिए लचीलापन होना आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती युवा बेरोजगारी आज की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के सामने विकसित और विकासशील देशों के लिए सबसे बड़ी समस्या है। इसीलिए विश्व युवा कौशल दिवस का मुख्य उद्देश्य बेरोजगारी और अल्प-रोजगार की चुनौतियों के संदर्भ में आज के युवाओं के लिए बेहतर सामाजिक-आर्थिक स्थिति प्राप्त करना है।

युवाओं को रोजगार, अच्छे कार्य और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के रणनीतिक महत्व को स्वीकार करने और साथ ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने तथा सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 15 जुलाई 2014 को विश्व युवा कौशल दिवस मनाने की घोषणा की थी, तभी से यह दिवस 15 जुलाई को एक खास विषय के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष इस दिवस के लिए 'साझा भविष्य के लिए कौशल' विषय निर्धारित किया गया है, जो इस विचार को रेखांकित करता है कि भविष्य केवल तकनीकी दक्षता से नहीं बल्कि ऐसे संतुलित कौशलों से निर्मित होगा, जिनमें डिजिटल साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित तकनीक, सामाजिक-भावनात्मक समझ, सहयोग, नवाचार और जिम्मेदार नागरिकता का समावेश हो।

भारत में 2015 में इसी दिन यानी 15 जुलाई को ही कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' (पीएमकेवीवाई) की शुरूआत की गई थी। इसके तहत युवाओं को मुफ्त में लघु अवधि का औद्योगिक कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे रोजगार प्राप्त कर सकें। 14 से 35 वर्ष के युवा इस मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए तीन महीने, छह महीने या एक वर्ष के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है। कोर्स पूरा करने के पश्चात प्रमाणपत्र दिया जाता है, जो देशभर में मान्य है और इस कौशल प्रमाणपत्र के आधार पर आसानी से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। चूंकि युवा वर्ग समाज में अधिक न्यायसंगत, समान और प्रगतिशील अवसरों तथा समाधानों की मांग कर रहा है, इसलिए युवाओं के समक्ष आने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और लैंगिक समानता तक पहुंच जैसी बहुमुखी चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है और इसके लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें अपने कार्य वातावरण में अधिक रोजगार योग्य तथा अधिक उत्पादक बनाने के लिए गंभीर पहल किए जाने की भी जरूरत है।

भारत में केंद्र सरकार की ऐसी ही महत्वपूर्ण पहल है 'कौशल भारत', जिसके जरिये सफल होने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करने के प्रयास किए जाते हैं। 'स्किलिंग इंडिया' के तहत 'कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय' भारतीयों में ऐसे कौशल विकसित करने की पहल और योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान बढ़ा सकें। दरअसल युवा राष्ट्र निर्माण और छवि निर्माण दोनों में ही सबसे बड़े हितधारक हैं, इसलिए उनके उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने तथा देश और दुनिया को एक बड़ा कुशल कार्यबल प्रदान करने पर सरकार का फोकस है। युवाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं में 'नेशनल अप्रेन्टसशिप प्रोमोशन स्कीम', युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने, नवविचार को प्रोमोट करने, देश में स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'स्टार्टअप इंडिया', बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को नया कारोबार शुरू करने के लिए लोन उपलब्ध करवाने हेतु 'पीएम रोजगार योजना' इत्यादि विभिन्न योजनाएं भी शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक हिंसक संघर्ष शिक्षा और स्थिरता को बाधित करते हैं, ऑनलाइन वातावरण में नकारात्मकता को बढ़ावा देने वाला ध्रुवीकृत वातावरण और लगातार आर्थिक असमानता अवसरों को सीमित

करती है। ये मुद्दे न केवल व्यक्तिगत भविष्य बल्कि समाज की समग्र स्थिरता को भी खतरे में डालते हैं। शांति की संस्कृति को बढ़ावा देने, जिम्मेदार वैश्विक नागरिकों का पोषण करने और सभी के लिए अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करना महत्वपूर्ण है। विश्व युवा कौशल दिवस युवाओं की क्षमता को पहचानने, उन्हें चुनौतियों का सामना करने तथा शांतिपूर्ण, समृद्ध और टिकाऊ भविष्य में योगदान देने के लिए कौशल और अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता पर जोर देता है। दरअसल तीव्र गति से विकसित होती प्रौद्योगिकी और नौकरी बाजार की निरंतर विकसित होती प्रकृति को देखते हुए युवाओं को अनुकूलनीय और बहुमुखी कौशल सैट के साथ सशक्त बनाना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस का कहना है कि न केवल आज बल्कि हर दिन शिक्षा को बदलने के लिए काम करते हुए यह सुनिश्चित करने के भी प्रयास होने चाहिएं कि युवाओं के पास वह सब कुछ हो, जो उनके लिए अधिक शांतिपूर्ण, टिकाऊ भविष्य को आकार देने और उनके कौशल को विकसित करने के लिए आवश्यक है। अब चूंकि विभिन्न उद्योगों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तकनीकों का तेजी से उपयोग कार्य के परिदृश्य को बदल रहा है, इसलिए भविष्य की नौकरियों के लिए युवाओं को तैयार करने हेतु उन्हें आवश्यक एआई कौशल से लैस करना बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

प्रधानमंत्री मोदी को मिले पुरस्कारों पर गार्जियन की हताशा

योगेन्द्र योगी

भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों (मुख्य रूप से अरब सागर और अदन की खाड़ी) में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है।

दा गार्जियन अखबार ने मोदी और भारत की छवि धूमिल करने के लिए एक अंग्रेजी मे एक लेख लिखा। जिसका सारांश यह है कि कोई झूठे भी पुरस्कार देने के लिए बुलाए तो प्रधानमंत्री मोदी दौड़े दौड़े चले जाते हैं। मतलब यह अखबार कहना चाह रहा कि मोदी पुरस्कार के भूखे हैं, साथ ही यह भी जताने की कोशिश कर रहा है, जिन देशों ने मोदी को उनकी विदेश यात्रा के दौरान पुरस्कार दिए, उनकी कोई प्रतिष्ठा नहीं हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी को इन देशों ने फिजूल में पुरस्कार दिए हैं। गार्जियन ने यह लेख लिख कर मोदी सहित भारत का तो अपमान किया ही है, साथ मोदी को पुरस्कार देने वाले उन देशों के नागरिकों, पुरस्कारों और उन देशों के राष्ट्रप्रमुखों का भी अपमान किया है।

इस लेख की भड़ास के बावजूद पीएम मोदी को पुरस्कारों का सिलसिला थम नहीं रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान ह्यबिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशियाह्न मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पीएम मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रदान किया। वर्ष 2016 से अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका के देशों से ऐसे 34 सम्मान मिल चुके हैं। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री को मिले सम्मानों में सबसे अधिक हैं। इनमें से कुछ सम्मान सदियों पुराने हैं, जबकि कुछ सम्मान संबंधित देशों की सम्मान प्रणाली में हाल ही में शामिल किए गए हैं।

गार्जियन का यह लेख में भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का कुत्सित प्रयास है। विश्व का बड़ा और प्रभावशाली शायद ही कोई देश बचा होगा जिसके प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति ने मोदी और भारत की तारीफ नहीं की होगी। दरअसल यह तारीफ पाश्चात्य मीडिया पचा नहीं पा रहा है, पचा इसलिए भी नहीं पा रहा है कि भारत न सिर्फ घरेलू स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तरक्की के झंडे गाढ़ रहा है। चंद्रयान और मंगलयान मिशन की कामयाबी इसके बड़े उदाहरण हैं। जो विकसित देश भी हासिल नहीं कर सके। यह अखबार यह भी भूल गया कि जब कोरोना काल में पूरी दुनियां में हाहाकार मचा हुआ था, तब भारत ने ही कोरोना वैक्सीन दर्जनों देशों को निशुल्क भेज कर करोड़ों लोगों की जाने बचाने का काम किया था।

क्या ऐसे परोपकारी कार्यों के लिए उन्हें विदेशी पुरस्कार नहीं दिया जा सकता।

गार्जियन ने इसका जिक्र कभी नही किया कि विश्व को मोदी नेतृत्व में भारत ने क्या–क्या दिया है। भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस जैसी सस्ती और सुलभ डिजिटल पेमेंट प्रणाली नेपाल, भूटान, सिंगापुर, यूएई और मॉरीशस ने अपना लिया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की प्राचीन धरोहर योग को मोदी सरकार के प्रयासों से वैश्विक मान्यता मिली?संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर वर्ष 21 जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाया जाता है। मोदी सरकार के प्रयासों से ही अफ्रीकी संघ को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाया गया।

भारत ने प्राकृतिक आपदा के दौरान विश्व के देशों के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा रहा है। तुर्किये और सीरिया में आए भूकंप के दौरान'मिशन सागर'और'ऑपरेशन दोस्त'के जरिए विश्व स्तर पर मानवीय सहायता पहुंचाई गई। वेनेजुएला में विनाशकारी भूकंप के बाद ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत बचाव दल और पोर्टेबल अस्पताल भेजे गए। म्यांमार में ऑपरेशन ब्रह्मा (2025) और ऑपरेशन सहायता (2008) के तहत भूकंप व चक्रवात के दौरान भारी राहत सामग्री व चिकित्सा सुविधाएँ दी गईं। श्रीलंका में सुनामी (2004) में ऑपरेशन रेनबो और चक्रवात (2025) में ऑपरेशन सागर बंधु के माध्यम से सहायता प्रदान की गई।

भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों (मुख्य रूप से अरब सागर और अदन की खाड़ी) में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है। इन अभियानों की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि नौसेना ने बिना किसी राष्ट्रीय भेदभाव के, पाकिस्तानी और ईरानी नागरिकों सहित कई देशों के नाविकों को भी बचाया है।

गार्जियन खासकर विदेशी मीडिया को कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन पर भारी परेशानी है। भारत में उन्हें यह उल्लंघन नजर आता है। अंग्रेजों ने भारत पर 200 साल राज किया। अंग्रेज शासकों ने इस अवधि में भारतीयों पर अत्याचारों के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। अंग्रेज व्यापारी बन कर आए और तानाशाह बन बैठे, खूब लूट खसौट की और भारत से सारा मालमत्ता समेट कर चंपत हो गए। आज भी कोहिनूर का हीरा इन्हीं अंग्रेजों के पास है, जो यह बताता है कि किस तरह इन्होंने भारत में लूटपाट मचाई थी। ऐसे मानवाधिकारों के उल्लंघन गार्जियन जैसे अखबारों को दिखाई नहीं देते। मानवाधिकारों के इन विदेशी पैरोकारों को जलियांवाला बाग दिखाई नहीं देता, जहां निहत्थे प्रदर्शकारियों को चारों तरफ से घेर कर एक अंग्रेज अधिकारी डायर ने गोलियों से भून डाला था।

गार्जियन को यह कभी दिखाई नहीं दिया कि किस तरह केंद्र सरकार ने मुसलमानों की भलाई का एक ऐतिहासिक काम किया, जिसे करने से पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री डरते रहे। देश की करोड़ों मुस्लिम महिलाओं को तलाक के बाद मिलने वाला कानून हक दिलवाया है। जिन्हें पहले पति तीन बार तलाक तलाक बोल कर धक्के खाने के लिए छोड़ दिया जाता था।कांग्रेस ने मुसलमानों के वोट के डर से सुप्रीम कोर्ट के शाह बानों के फैसले को ही पलट दिया था, जिसमें कोर्ट ने गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था, इसके खिलाफ तत्कालीन कांग्रेस सरकार के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कानून बना दिया था।

विदेशी अखबारों को तकलीफ हो रही है कि मोदी राज में कैसे मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, जब भारत ने ऐसे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया तब खीझ उतारने के लिए कह दिया कि मोदी पुरस्कार के लिए दौड़े चले आते हैं। जिला स्तर, वार्ड स्तर, राज्यस्तर या राष्ट्रीय स्तर पर सरकारी और निजी क्षेत्र में पुरस्कार के लिए कितने पापड़ बेलने पड़ते हैं, इन्हें पाने के लिए लोग अपनी पूरी उम्र खपा देते हैं। उसमें भी जबरदस्त प्रतिस्पर्धा होती है, तब कहीं जाकर किसी एक का चयन किया जाता है।

ऐसे में देशों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिये जाने वाले पुरस्कार का मापदंड कितने कठोर होगा, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। इन पुरस्कारों में पुरस्कार देने वाली सरकार के साथ उन देशों के करोड़ों लोगों की भावनाएं भी जुड़ी होती हैं। चलो मान भी लिया जाए कि किसी एक देश ने भारत से कुछ फायदा लेने के लिए कोई पुरस्कार दे दिया होगा, पर मोदी को तो दर्जनों देशों के सर्वोच्च पुरस्कार मिले हैं, तो क्या इन सब देशों को मोदी फायदा पहुंचाएंगी, वो भी सिर्फ एक पुरस्कार के कारण, यदि ऐसा हुआ होता ना तो अब तक देश में तूफान आ जाता, कांग्रेस ओर विपक्षी दलों ने आसमान सिर पर उठा लिया होता। गार्जियन का यह लेख सिर्फ हताशा ही प्रकट करता है, इससे पहले भी इसी तरह के विदेशी अखबारों में लेखों के जरिए भारत की छवि और विकास की तरफ बढ़ते कदमों को रोकने का असफल प्रयास किया जाता रहा है।
~~~~~~~~~

बॉस हों पार्ट टाइमर तो ऐसे करें डील

जॉब के दौरान कई परिस्थितियों से दो चार होना पड़ता है। ऐसा हो सकता है कि कंपनी पार्ट टाइम बॉस को नियुक्त कर दे। ऐसी स्थिति में टीम की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बॉस के साथ तालमेल बैठाकर उन्हें फैसले लेने होते हैं...

जब आपके ऑफिस में पार्ट टाइम काम करने वाले बॉस हों और आप फुल टाइमर एम्प्लॉइ हों, तो स्थिति थोड़ी सी नाजुक हो जाती है। ऐसे में पूरी टीम को बॉस के साथ बराबर टच में रहना होता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम को फुल टाइमर बॉस की कमी महसूस होती है। टीम को कई मुद्दों पर बातचीत करने की जरूरत होती है। कई बार ऐसा होता है कि पार्ट टाइमर बॉस पूरा समय नहीं दे पाते हैं। आप अपनी कंपनी में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो यहां पर दिए जाने वाले टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर –

मानसिकता सही रखें

एक्सपर्ट कहते हैं कि एक पार्ट टाइमर बॉस किसी संस्था में काम करता है, तो वहां पर काम करने वाले लोगों के मन में यह भावना विकसित हो सकती है कि वह पावर का दुरुपयोग तो नहीं कर रहे हैं। बॉस का पद जिम्मेदारी भरा पद होता है और कंपनी बॉस पर भी नजर रखती है। याद रखें कि इसके लिए कंपनी हमेशा ही अपने स्तर पर सही व्यक्ति का चुनाव करती है। ऐसे में यह है कि टीम भी सही मानसिकता के साथ बॉस को सहयोग दे और अपना काम करे। वह कॉरपोरेट जगत के वैल्यू को समझे।

कम्यूनिकेशन का होता है अहम रोल

जहां बॉस पार्ट टाइम काम करते हैं और उनके साथ काम करने वाले बाकी लोग फुल टाइम जॉब करते हैं, वहां पर कम्यूनिकेशन का रोल अहम हो जाता है। एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी स्थिति में टीम को बॉस के साथ कम्यूनिकेशन लेवल हाई रखना पड़ता है। एक बार कम्यूनिकेशन करने का स्टाइल फिक्स हो जाता है, तो बाद में चीजों को बदल पाना आसान नहीं होता है। जब कम्यूनिकेशन सही रहेगा तो प्रॉब्लम का निपटारा भी पलक झपकते ही हो जाएगा। ऐसे में पार्ट टाइमर बॉस के संग भी टीम बेहतर रिजल्ट दे सकती है।

फैसला लेने की कला सीखें

आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां फुल टाइमर बॉस नहीं हैं, तो जरूरी है कि टीम का हर एक सदस्य खुद पर भरोसा दिखाए और फैसला लेने की कला सीखे। याद रखें कि जब बॉस फुल टाइमर नहीं होते हैं, तो सबसे ज्यादा दिक्कत फैसला लेने में ही होती है। वर्कप्लेस पर कई बार आपको पलक झपकते ही बड़े फैसले लेने होते हैं। दूसरा बड़ा मुद्दा यह होता है कि आप आज के कॉम्पिटिशन भरे माहौल में टीम में तेजी कैसे लाएं। जॉब एक्सपर्ट कहते हैं कि इससे निपटने के लिए कंपनियों को चाहिए कि वह फैसला लेने के अधिकार को बांट दे। इससे जहां टीम के सदस्यों में कॉन्फिडेंस पैदा होता है, वहीं समय के भीतर फैसला लेने से काम में तेजी भी आती है।

...तो आप भी हैं कामयाब लीडर

एक लीडर में अपनी बात को असरदार तरीके से दूसरों तक पहुंचाने का हुनर आना चाहिए। एक लीडर, अगर वह अपनी बात अपने साथ काम करने वालों को बेहतर तरीके से कम्यूनिकेट कर पाने में समर्थ है, तो इससे कामकाजी माहौल ऊर्जा से भर जाता है, लोग उत्साह से काम में जुटते हैं और उनकी रचनात्मकता काम में झलकने लगती है। एक दूरदर्शी सोच रखने वाला लीडर एक जुनूनी टीम बनाने में यकीन रखता है। यह टीम एक समान लक्ष्यों के लिए पूरे जोशोखरोश से काम करती है। अपना कारोबार फैलाती किसी भी कंपनी को एक मजबूत मैनेजमेंट के साथ–साथ ऐसी टीम की भी दरकार रहती है, जो साथ काम करने वाले लोगों के बीच आपसी एकता, यकीन और आदर की बुनियाद पर बनी हो। कामयाबी का राज है, कामकाज में साफ–सुथरापन। एक कामयाब लीडर इस बात की अहमियत जानता है और अच्छे कामकाज के लिए अपने एंप्लॉई के साथ एक बेहतर समझ विकसित करता है। इससे न सिर्फ कामकाज का बिना किसी रुकावट के निपटारा होता जाता है, बल्कि टीम के भीतर एक खुशनुमा कामकाजी माहौल भी बरकरार रहता है।

इन बातों का ध्यान रखें तो कदम चूमेगी कामयाबी

जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होते हैं, तो यह जान जाते हैं कि आप कौन हैं? आप क्या हैं? आपको क्या करना है और आप क्या चाहते हैं? अगर ये चीजें आपके दिमाग में साफ हैं, तो आपकी सफलता का पहला चरण सुनिश्चित हो जाता है।

बनें योग्य

कामयाब होने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप खुद को योग्य बनाएं। क्योंकि आप तब तक ऊपर नहीं चढ़ सकते, जब तककि आप में योग्यता नहीं हो। इसलिए पहले खुद को योग्य बनाना जरूरी होता है। इसके लिए लगातार प्रयत्न करना पड़ेगा। याद रखें कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।

दबाव झेलने की क्षमता

जब जिम्मेदारी बढ़ेगी तो दबाव के साथ–साथ अवरोध भी उत्पन्न होगा। ऐसे में इस तरह की विपरीत परिस्थितियों को झेलने की क्षमता आपमें जरूर होनी चाहिए। वैसे जब आपको एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी हो तो रास्ते में दिक्कतें तो आएंगी ही। दिक्कतों का सामना करने से ही सफलता का दरवाजा खुलता है।

भरपूर एकाग्रता जरूरी

इसके बिना तो आप साइकल भी नहीं चला सकते। एकाग्रता एक ऐसी चीज है, जो हर जगह काम आती है। आप अपने काम में इसके द्वारा ही परफेक्शन लाते हैं। किसी भी काम को साधारण से असाधारण बनाने के लिए एकाग्रता की जरूरत होती है। इसके माध्यम से आप बड़े से बड़े लक्ष्य को भेद सकते हैं।

रचनात्मकता भी जरूरी

एक प्रफेशनल की सफलता में उसकी रचनात्मकता का काफी अहम योगदान हो है। इसलिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

साहस बनाए रखें

कहते हैं रिस्क लेने के बाद ही आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है। इसके लिए साहस सबसे जरूरी चीज है। किसी ने सही कहा है कि हिम्मत रखने वालों की कभी हार नहीं होती इसलिए जीतने के लिए साहस बहुत जरूरी है।

हार्डवेयर फील्ड में खूब हैं जॉब, मस्त सैलरी

आज शायद ही ऐसा कोई ऑफिस हो, जहां का कामकाज कंप्यूटर पर आधारित न हो। इसके अलावा, घर, स्कूल आदि जगहों पर भी सभी कामकाज कंप्यूटर पर ही किए जाते हैं। अगर ये सुचारू रूप से काम न करें, तो सारा कामकाज अचानक ठप हो सकता है। बैंकों और अन्य सरकारी कार्यालयों में नेटवर्क फेल होने की वजह से काम ठप रहने की खबरें आपने अक्सर पढ़ी होंगी, तब इस नेटवर्क को सही करने के लिए हार्डवेयर प्रफेशनल्स की ही मदद ली जाती है। नेटवर्किंग दरअसल कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर ऐसा जाल बनाने का फील्ड है जिसमें कोई संस्थान काम कर सके। कुल मिलाकर, कंप्यूटर इंस्टॉलेशन से लेकर, इसकी मेंटेनेंस और रोजमर्रा के ऐडमिनिस्ट्रेशन तक का सारा जिम्मा कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट्स यानी हार्डवेयर इंजिनियर्स के जिम्मे होता है।

कोर्स

हार्डवेयर इंजिनियर बनने के लिए मुख्य रूप से दो बेसिक कोर्स करने पड़ते हैं। पहला, हार्डवेयर और दूसरा बेसिक नेटवर्किंग। हार्डवेयर रिलेटिड कोर्स से कंप्यूटर पार्ट्स के बारे में तमाम तकनीकी जानकारी मिलती है। एक हार्डवेयर इंजिनियर या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर बनने के लिए ये दोनों कोर्स करने बेहद जरूरी हैं। नेटवर्किंग में इससे आगे कोई एक्सपर्ट बनना हो, तो अपनी पसंद के हिसाब से कुछ और बेसिक कोर्स करने होंगे, जैसे – लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) और वैन (वाइड एरिया नेटवर्क) से जुड़े कोर्स। नेटवर्किंग से जुड़े कोर्स कराने के लिए कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान हैं, जिन्होंने इन कोर्सेज के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। नेटवर्किंग सीखने के लिए तीन तरीके हैं – पहला ऑनलाइन स्टडी मटीरियल की मदद से खुद पढ़ाई, दूसरा ऐसे इंस्टिट्यूट्स जो किसी प्रोग्राम से जुड़े नहीं हैं और तीसरा सर्टिफाइड प्रोग्राम।

जॉब की कमी नहीं

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नेटवर्किंग में कोर्स करने के बाद कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट, हेल्प डेस्क टेक्निशन, नेटवर्क या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर, कंप्यूटर सिक्यॉरिटी

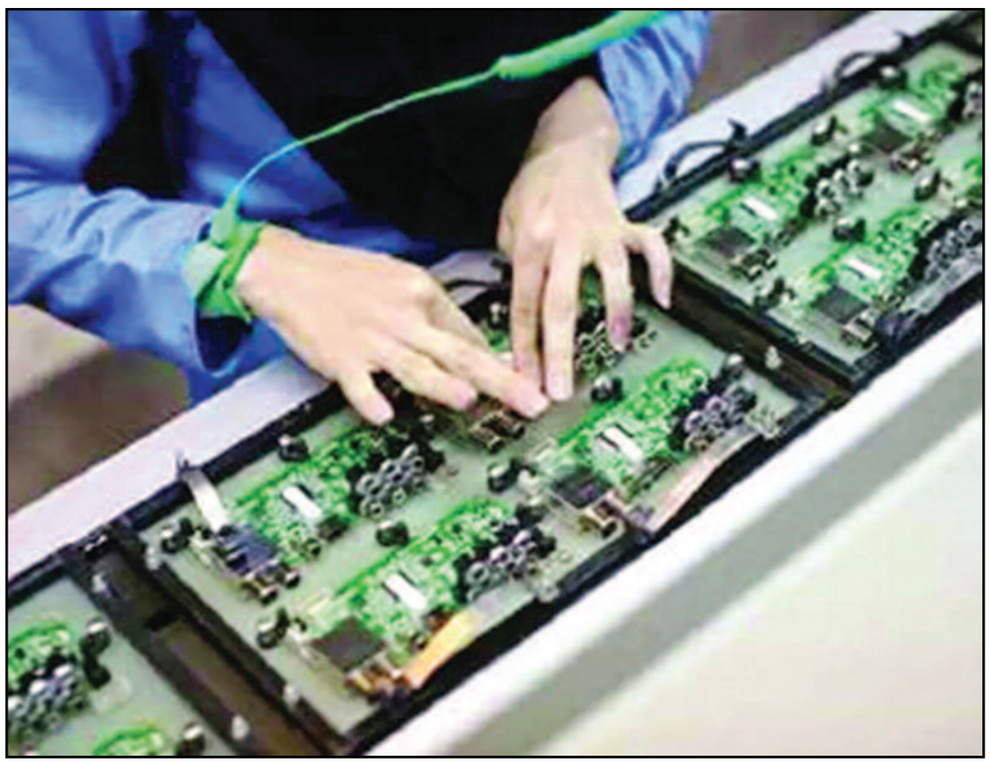

स्पेशलिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं। आज इन एक्सपर्ट्स की जरूरत लगभग हर संस्थान में होती है। फिर चाहे वह कंप्यूटर और डेटा प्रोसेसिंग यूनिट हों, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय, कोई इंडस्ट्री या और कोई छोटी–बड़ी फर्म। जहां भी कामकाज कंप्यूटर आधारित है, वहां इन तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। सरकारें जिस तरह ई–गवर्नेंस पर जोर दे रही हैं, उससे यह फील्ड और भी हॉट बनता जा रहा है। इसके चलते स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क और डाटा सेंटर जैसे कई नए फील्ड खुल रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक कंप्यूटर पर काम होता रहेगा, इन विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती रहेगी। ये किसी भी कंपनी के लिए नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम की देखभाल से लेकर, एंप्लायीज और कस्टमर्स की तकनीकी जिज्ञासाओं को शांत करने तक का काम करते हैं। एंट्री लेवल पर आपकी जिम्मेदारी केवल नेटवर्क और कंप्यूटर मेंटेनेंस की हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ आपको किसी कंपनी के लिए इंट्रानेट आदि डिवेलप करने का जिम्मा भी दिया जा सकता है।

मनी मैटर्स

बरसों से आईटी फील्ड में अच्छी–खासी सैलरी रही है। हार्डवेयर प्रफेशनल्स के लिए सॉफ्टवेयर प्रफेशनल्स की तरह मौकों की कोई कमी नहीं है। एंट्री लेवल पर आप 25 से 35,000 रुपये महीने की जॉब पा सकते हैं। अनुभव और समय के साथ इसमें बढ़ोतरी होगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 561, निफ्टी 158 अंक गिरा

मुम्बई ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच ही भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दूनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 561.46 अंक टूटकर 77,054.94 अंक पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 158.95 अंक फिसलकर 24,052.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 नीचे आये। कारोबार के दौरान एचसीएल टेक के शेयर सबसे अधिक गिरे। वहीं बजाज फिनसर्व, एसबीआई, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडिगो, लार्सन एंड टुब्रो, कोटक बैंक, आईटीसी, मारुति, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा और ट्रेंट के शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गयी। वहीं दूसरी ओर, भारती एयरटेल, सन फार्मा, टीसीएस, टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स के शेयर उछले।निफ्टी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट एचसीएल टेक, श्रीराम फाइनेंस और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी सबसे ज्यादा नीचे आये। ब्रॉडर मार्केट में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप शेयरों में भी गिरावट रही। सेक्टर के अनुसार देखें तो निफ्टी रियल्ट, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी ऑटो के शेयर सबसे अधिक गिरे। वहीं निफ्टी फार्मा में सबसे ज्यादा तेजी रही। वहीं इससे पहले आज सुबह निवेशकों ने मुनाफावसूली का रुख अपनाया, जिससे घरेलू बेंचमार्क इंडेक्स शुरुआती कारोबार में ही गिरावट के साथ खुले। सुबह शुरुआत के बाद बीएसई सेंसेक्स 388.16 अंक की कमजोरी के साथ 77,228.24 पर और एनएसई निफ्टी 50, 102 अंक गिरकर 24,109.10 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स क्रमशः 0.37 और 0.57 फीसदी तक लुढ़क गए।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 54 पैसे गिरकर 96.22 पर बंद हुआ। 22 मई के बाद रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 96 के पार पहुंचा है। पिछले सत्र में यह 95.62 पर बंद हुआ था। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने और अमेरिका तथा ईरान के बीच संघर्ष तेज होने से भी कच्चे तेल की कीमतों पर प्रभाव पड़ा है इससे भी भारतीय रुपये पर दबाव बना है। वहीं आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 48 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.16 पर पहुंच गया। नए सिरे से बढ़े भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी जिससे रुपये पर दबाव बना। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.95 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह टूटकर 96.16 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव की तुलना में 48 पैसे की कमजोरी दिखाता है। रुपया सोमवार को 30 पैसे की गिरावट के साथ 95.68 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 101.17 पर रहा।

घरेलू बाजार में सोने-चांदी की चमक लौटी

सोना 640 रुपए तेज होकर 1,40,949 प्रति 10 ग्राम, चांदी 582 बढ़कर 2,18,300 प्रति किलो

नई दिल्ली ।

घरेलू वायदा बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी के भाव में सुधार देखने को मिला। सोमवार को आई बड़ी गिरावट के बाद मंगलवार को दोनों महंगी धातुओं के भाव तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी के वायदा भाव उछाल पर कारोबार कर रहे थे। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में जहां सोने में तेजी दिखी, वहीं चांदी के भाव में हल्की गिरावट दर्ज की गई। एमसीएक्स पर अगस्त डिलीवरी वाले सोने के वायदा भाव 640 रुपये की तेजी के साथ 1,40,949 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुले। पिछला बंद भाव 1,40,309 रुपये था। खबर लिखे जाने तक यह 522 रुपये की बढ़त के साथ 1,40,831 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में इसने 1,41,000 रुपये का उच्च स्तर और 1,40,796 रुपये का निम्न स्तर छुआ। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये का सर्वोच्च स्तर भी देखा है। चांदी के वायदा भाव में भी मजबूती देखने को मिली। सितंबर डिलीवरी के लिए चांदी का बेंचमार्क अनुबंध 615 रुपये की तेजी के साथ 2,18,333 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला। सोमवार को यह 2,17,718 रुपये पर बंद हुआ था। खबर लिखे जाने के समय चांदी 582 रुपये की बढ़त के साथ 2,18,300 रुपये पर कारोबार कर रही थी। दिन में चांदी ने 2,18,566 रुपये का उच्चतम स्तर और 2,17,923 रुपये का न्यूनतम स्तर छुआ। इस साल चांदी का सर्वोच्च स्तर 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो कॉमेक्स पर सोने के वायदा भाव में मजबूती दर्ज की गई, जबकि चांदी में हल्की नरमी देखने को मिली। कॉमेक्स पर सोना 15.40 डॉलर की तेजी के साथ 4,021.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो 4,005.70 डॉलर के पिछले बंद भाव से ऊपर था। हालांकि कॉमेक्स पर चांदी 0.11 डॉलर की गिरावट के साथ 57.86 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी, जो 57.97 डॉलर के पिछले बंद भाव से नीचे थी। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर और चांदी ने 121.79 डॉलर का उच्चतम स्तर छुआ है।

बजट स्मार्टफोन और टीवी की बिक्रि में दशक की सबसे बड़ी गिरावट

मेमोरी चिप की बढ़ती कीमतें और रुपये की कमजोरी बनी वजह

मुंबई ।

बढ़ती महंगाई का असर अब बजट इलेक्ट्रॉनिक्स पर दिख रहा है। एक दशक से भी ज्यादा समय में पहली बार एंट्री-लेवल स्मार्टफोन और टीवी की बिक्री में भारी गिरावट दर्ज हुई है। मेमोरी चिप की ऊंची कीमतों और रुपये की कमजोरी से उत्पादन लागत बढ़ने के कारण ग्राहकों ने खरीदारी टाली है। एक मार्केट रिसर्च फर्म के आंकड़ों के अनुसार जनवरी से मई के दौरान 12,000 रुपए से कम कीमत वाले स्मार्टफोन की बिक्री में 54 फीसदी की भारी गिरावट आई है। नतीजतन, कुल स्मार्टफोन बिक्री में एंट्री-लेवल सेगमेंट की हिस्सेदारी घटकर सिर्फ 14 फीसदी रह गई है। इसके विपरीत 12,000-30,000 रुपए कीमत वाले फोन की बिक्री में 17 फीसदी और 30,000 रुपए से ऊपर के प्रीमियम स्मार्टफोन की बिक्री में 6 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। टीवी बाजार में भी यही रुझान देखने को मिला। जनवरी-जून के दौरान 32 इंच टीवी की बिक्री 35 फीसदी से अधिक घटी है, जबकि 43 इंच और उससे बड़े टीवी की मांग में 8-15 फीसदी का उछाल आया है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार बड़े टीवी में मेमोरी चिप की लागत का हिस्सा कम होने से उनकी कीमतों में अपेक्षाकृत कम वृद्धि हुई है। पिछले कुछ महीनों में 32 इंच टीवी की कीमत औसतन 3,000-3,500 रुपए और 43 इंच मॉडल की 3,000-5,000 रुपए तक बढ़ चुकी है, क्योंकि मेमोरी चिप की कीमतें दो से तीन गुना तक बढ़ गई हैं।

खुदरा महंगाई ने तोड़ा आरबीआई का लक्ष्य, जून में 4.38 फीसदी पर पहुंची

ईंधन व खाद्य पदार्थों ने बढ़ाई रफ्तार, नई श्रृंखला में पहली बार 4 फीसदी का आंकड़ा पार

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत की खुदरा महंगाई दर जून में बढ़कर 4.38 फीसदी हो गई, जो मई में 3.93 फीसदी थी। नई उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला के तहत जनवरी 2025 के बाद यह पहली बार है जब महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4 फीसदी के लक्ष्य को पार कर गई है। इसे मुख्य तौर पर ईंधन की कीमतों में तेजी के कारण परिवहन, खाद्य और रेस्तरां सेवाओं की लागत बढ़ने से रफ्तार मिली। हालांकि अर्थशास्त्रियों का एक बड़ा वर्ग मानता है कि 5 अगस्त को होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में ब्याज दरों में तत्काल वृद्धि की कोई गुंजाइश नहीं है। इसका एक प्रमुख कारण कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में आई बड़ी गिरावट है, जो अप्रैल में 114 डॉलर प्रति बैरल से घटकर जुलाई में करीब 71 डॉलर प्रति बैरल रह गई है। जून का महंगाई आंकड़ा 2024 की नई सीपीआई श्रृंखला के तहत छठा आंकड़ा है। मई के मध्य में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि के बाद जून इस आंकड़े का पहला पूरा महीना था, जिसका असर परिवहन खंड में स्पष्ट दिखा, जहां महंगाई दर मई में 1.75 फीसदी से बढ़कर जून में 4.31 फीसदी हो गई। उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (सीएफपीआई) के आधार पर खाद्य महंगाई दर भी जून में 5.32 फीसदी हो गई, जो मई में 4.78 फीसदी थी। यह अदरक (50.41 फीसदी) और टमाटर (31.92 फीसदी) जैसी सब्जियों की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.74 फीसदी हो गई, जो शहरी क्षेत्रों में दर्ज 3.92 फीसदी से अधिक है। इक्रा की एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को देखते हुए नीतिगत दरों में बदलाव की संभावना से इनकार किया है, हालांकि वह पश्चिम एशिया में तनाव और मानसून के परिणामों पर अधिक स्पष्टता की आवश्यकता पर जोर देती हैं। इसके विपरीत, बैंक ऑफ बड़ौदा के मदन सबनवीस वर्ष के अंत तक, संभवतः अक्टूबर के बाद, दर वृद्धि की संभावना देखते हैं। अर्थशास्त्री मूल्य दबाव बने रहने की आशंका जता रहे हैं, क्रिसिल ने इस वित्त वर्ष में औसत महंगाई 5.1 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है।

जीवन बीमा क्षेत्र में पहली तिमाही अप्रैल-जून में 27.6 फीसदी एपीई बढ़ी

नई दिल्ली।

पिछले कुछ वर्षों में बड़े नियामक बदलावों और बाजार की बदलती गतिशीलता से गुजरने के बाद भारतीय जीवन बीमा उद्योग ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में जबरदस्त वापसी की है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक सेक्टर में न केवल नई पॉलिसियों की बिक्री तेज हुई है, बल्कि लोग अब पहले से कहीं अधिक बीमा कवर भी ले रहे हैं, जो वित्तीय सुरक्षा के प्रति बढ़ती उपभोक्ता जागरूकता और कंपनियों के सफल समायोजन को दर्शाता है। मार्च में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और शेयर बाजार में तेज उतार-चढ़ाव के कारण कई लोगों ने नई पॉलिसी खरीदने का फैसला कुछ समय के लिए टाल दिया था, जिसके चलते कारोबार में अस्थायी सुस्ती आई थी। हालांकि, अप्रैल की शुरुआत से ही मांग में फिर से मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। निजी जीवन बीमा कंपनियों की नई पॉलिसियों से होने वाली आय एनुअलाइज्ड प्री मियम इक्वीवेलेंट (एपीई) में पहली तिमाही में कुल मिलाकर 27.6 फीसदी की प्रभावशाली बढ़ोतरी दर्ज की गई। मासिक आंकड़ों पर गौर करें तो अप्रैल में एपीई 21.7, मई में 12.3 फीसदी और जून में 13.6 फीसदी बढ़ा। इस तिमाही की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि बीमा कवर की वृद्धि नई पॉलिसियों की संख्या या एपीई वृद्धि से कहीं ज्यादा रही।

निजी कंपनियों का कुल बीमा कवर पहली तिमाही 27 में 47.1 फीसदी बढ़ा, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि ग्राहक अब सिर्फ बीमा पॉलिसियां नहीं खरीद रहे, बल्कि कम रकम के बजाय ज्यादा सुरक्षा और बड़ा कवर देने वाले उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

यह लोगों में वित्तीय नियोजन और भविष्य की अनिश्चितताओं के प्रति बढ़ती जागरूकता को उजागर करता है।

थोक मुद्रास्फीति जून में बढ़कर 9.87 फीसदी, वैश्विक तनाव का असर

खाद्य और खनिज तेल की कीमतों में आए उछाल के कारण हुई वृद्धि

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जून में थोक मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 9.87 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मई में 9.68 प्रतिशत थी। यह वृद्धि मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में जारी संकट, होर्मुज जलडमरूमध्य की संभावित नाकेबंदी, खाद्य और खनिज तेल की कीमतों में आए उछाल के कारण हुई है। भारत अपने अधिकतर कच्चे तेल का आयात इसी जलडमरूमध्य के जरिये करता है, जिससे लागत बढ़ रही है। मंत्रालय के अनुसार, जून के आंकड़ों पर खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों सहित), खाद्य वस्तुएं, विनिर्मित मूल धातु तथा विनिर्मित रसायन एवं रासायनिक उत्पादों की कीमतों का असर दिखा। आंकड़ों के मुताबिक खाद्य वस्तुओं में महंगाई मई के 3.60 प्रतिशत से बढ़कर जून में 5.49 प्रतिशत हो गई। वहीं गैर-खाद्य वस्तुओं में यह 11.07 प्रतिशत और ईंधन व बिजली में 27.41 प्रतिशत (मई में 30.33 प्रतिशत) दर्ज की गई। विनिर्मित उत्पादों की श्रेणी में थोक मुद्रास्फीति मई की तरह जून में भी 7.48 प्रतिशत पर स्थिर रही। खुदरा या उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति भी जून में 17 महीने के उच्च स्तर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मई में 3.93 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति तय करते समय सीपीआई पर गौर करता है ।

बंदरगाहों पर नहीं, बाहर टूट रही सप्लाई चेन! जेएनपीए जाम ने खोली लॉजिस्टिक्स सिस्टम की पोल

रिकॉर्ड कार्गो हैंडलिंग के बावजूद ट्रेलर ड्राइवरों की कमी, जाम, खराब सड़कें और सीमित पार्किंग बनीं बाधा

नई दिल्ली ।

भारत के बंदरगाह लगातार रिकॉर्ड माल ढुलाई संभाल रहे हैं, लेकिन माल को बंदरगाह से समय पर बाहर निकालना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। देश के सबसे बड़े कंटेनर गेटवे जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) में हाल में देखने को मिली भारी भीड़ ने लॉजिस्टिक्स व्यवस्था की कमजोर कड़ियों को उजागर कर दिया है। इक्रिरस कैपिटल के एक अे धिकारी के मुताबिक जेएनपीए में पैदा हुई समस्या बंदरगाह की क्षमता से जुड़ी नहीं थी। उनका कहना है कि टर्मिनल संचालन सामान्य रहा, लेकिन ट्रेलर और ड्राइवरों की कमी के कारण कंटेनरों की निकासी प्रभावित हुई। इससे साफ है कि बंदरगाहों और जमीनी परिवहन नेटवर्क के बीच तालमेल अभी भी कमजोर है।

महाराष्ट्र राज्य मोटर मालिक संगठन के अनुसार खाली कंटेनर यार्ड में ट्रकों को कई बार 6 घंटे से लेकर पूरे दिन तक इंतजार करना पड़ता है, जबकि सामान्य परिस्थितियों में यह प्रक्रिया दो घंटे से कम समय में पूरी हो जानी चाहिए। ड्राइवरों की कमी और परिचालन अक्षमताएं इस समस्या की बड़ी वजह हैं। संगठन का कहना है कि बंदरगाह क्षेत्र में ड्राइवरों के लिए अस्पताल, कैंटीन और अन्य बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।

यही कारण है कि नए ड्राइवर इस रूट पर काम करने से बच रहे हैं, जिससे संकट और गहरा रहा है। उद्योग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक निजी खाली कंटेनर यार्डों की अधिक संख्या और सीमित पार्किंग क्षमता के कारण वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। एक ट्रक चालक ने बताया कि महज 7 किलोमीटर की दूरी तय करने में कभी-कभी तीन घंटे तक लग जाते हैं। मई में स्थिति इतनी गंभीर हो गई थी कि आयातित माल की निकासी में 12 से 15 दिनों तक की देरी दर्ज की गई।

चीन का निर्यात चमका, एआई के बढ़ते इस्तेमाल से मांग मजबूत

जून में निर्यात में 27 फीसदी की वृद्धि, आयात में भी 36 फीसदी का उछाल

हांगकांग ।

चीन ने जून में सालाना आधार पर 27 प्रतिशत की मजबूत निर्यात वृद्धि दर्ज की है। कृत्रिम मेधा (एआई) के तेजी से बढ़ते उपयोग से उत्पन्न मजबूत वैश्विक मांग ने इस उछाल को बढ़ावा दिया। चीन के सीमा शुल्क विभाग के मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार यह वृद्धि अर्थशास्त्रियों के अनुमान से कहीं बेहतर रही और मई की 19.4 प्रतिशत की वृद्धि को भी पीछे छोड़ दिया। इसी अवधि में, आयात में भी 36 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि हुई, जो मई के 27.4 प्रतिशत से अधिक है। इलेक्ट्रिक वाहन, अन्य प्रौद्योगिकी और सेमीकंडक्टर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्यात में विशेष तेजी आई, जो एआई अपनाने की बढ़ती दर का परिणाम है। निर्यात आधारित विनिर्माण क्षेत्र की यह मजबूती देश में घरेलू उपभोग और निवेश में जारी कमजोरी के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित कर रही है। अमेरिका और यूरोप जैसे देशों द्वारा बढ़ते व्यापार घाटे को लेकर चिंता जताए जाने के बीच, चीन अधिक शुल्क जैसी व्यापारिक बाधाओं से बचने के लिए यूरोप में स्थानीय उत्पादन बढ़ा रहा है और दक्षिण-पूर्व एशिया, लातिन अमेरिका तथा अफ्रीका जैसे नए बाजारों में अपने निर्यात का विस्तार कर रहा है।

बच्चों की शिक्षा के लिए आरबीआई का विशेष बचत प्लान, अधिक ब्याज पर विचार

महंगाई और बढ़ती शिक्षा लागत के बीच परिवारों को राहत देने का लक्ष्य

मुंबई ।

बढ़ती महंगाई और शिक्षा की बढ़ती लागत के दबाव के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) बच्चों की पढ़ाई के लिए एक विशेष बचत योजना शुरू करने पर विचार कर रहा है। इस प्रस्तावित योजना के तहत बच्चों की शिक्षा के लिए खोले जाने वाले खातों पर सामान्य बचत खातों की तुलना में अधिक ब्याज दिया जा सकता है, ताकि परिवार समय रहते बेहतर शिक्षा फंड तैयार कर सकें। आरबीआई ने इस प्रस्ताव पर बैंकों से राय और सुझाव मांगे हैं। सूत्रों के अनुसार केंद्रीय बैंक ने बैंकों से इस विषय पर व्यावहारिक पहलुओं पर प्रतिक्रिया मांगी है। बैंकिंग उद्योग अब इस पर आपसी चर्चा कर अपनी सिफारिशें आरबीआई को सौंपेगा। एक सरकारी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरबीआई ने इस संबंध में सुझाव साझा करते हुए बैंकों से फीडबैक मांगा है। बैंक निजी क्षेत्र के बैंकों के साथ मिलकर इस प्रस्ताव का अध्ययन कर रहे हैं और जल्द अपनी रिपोर्ट देंगे। एक अन्य बैंक अधिकारी के अनुसार यदि इस तरह का विशेष बचत उत्पाद लागू किया जाता है तो इसके लिए नए नियामकीय प्रावधानों की आवश्यकता होगी।

केरल सरकार ने केआईआईएफबी की समीक्षा के लिए समिति गठित की

समिति संस्थागत, वित्तीय और प्रशासनिक पहलुओं की जांच करेगी

तिरुवनंतपुरम ।

केरल में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार ने राज्य के महत्वपूर्ण वित्तीय निकाय, केरल अवसंरचना निवेश कोष बोर्ड (केआईआईएफबी) के समग्र कामकाज की समीक्षा के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुधा पिल्लई करेंगी। सरकार का लक्ष्य केआईआईएफबी की दीर्घकालिक स्थिरता को मजबूत करना, प्रशासनिक मानकों में सुधार लाना और राज्य के अवसंरचना विकास को समर्थन देने की इसकी क्षमता को बढ़ाना है। समिति को केआईआईएफबी के संस्थागत, वित्तीय, प्रशासनिक और परिचालन ढांचे की गहन जांच करने का दायित्व सौंपा गया है। इसे विशेष रूप से केरल राज्य योजना बोर्ड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स द्वारा परिकल्पित मूल उद्देश्यों, दायित्वों और भूमिका की समीक्षा करनी होगी। कार्यादेश में समिति से ऐसे किसी भी व्यय, लेनदेन या वित्तीय व्यवस्था की पहचान करने के लिए कहा गया है, जिसे उसकी राय में लेखा-परीक्षा, वित्तीय प्रबंधन या प्रशासनिक दृष्टि से विस्तृत जांच की आवश्यकता हो। इसके अतिरिक्त समिति को किसी भी संभावित अनियमितता या प्रणालीगत कमी का पता लगाने तथा संगठन के पुनर्गठन, सरकारी तंत्र में उसकी क्षमता के पुनर्विनियोजन और स्थापित अनुषंगी इकाइयों के भविष्य के बारे में सिफारिशें प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

जोस बटलर ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, 200वां वनडे मैच खेलने वाले इंग्लैंड के दूसरे खिलाड़ी बने

बर्मिंघम। जोस बटलर ने मंगलवार को अपने शानदार इंटरनेशनल करियर में एक और उपलब्धि हासिल की। एजबेस्टन में भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में मैदान पर उतरते ही वे इंग्लैंड के लिए 200 वनडे इंटरनेशनल मैच खेलने वाले दूसरे क्रिकेटर बन गए। यह अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन (225 वनडे) के साथ एक खास क्लब में शामिल हो गए। उन्होंने यह उपलब्धि फरवरी 2012 में दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ अपने वनडे डेब्यू के 14 साल बाद हासिल की।

एक रोमांचक युवा फिनिशर से लेकर इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल क्रिकेट में बदलाव लाने वाले मुख्य खिलाड़ियों में से एक बनने तक, बटलर लिमिटेड-ओवर्स क्रिकेट में टीम के एक ग्लोबल ताकत के रूप में उभरने में अहम रहे हैं। 34 वर्षीय खिलाड़ी ने 171 पारियों में 39.11 की औसत और 115.20 के शानदार स्ट्राइक रेट से 5,515 रन बनाए हैं। उन्होंने 11 शतक और 29 अर्धशतक जड़े हैं, जिसमें नाबाद 162 रन उनका सर्वोच्च स्कोर है।

इंग्लैंड के वनडे सेटअप पर बटलर का असर सिर्फ आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है। उनके निडर स्ट्रोकप्ले ने टीम की बल्लेबाजी की सोच को बदलने में मदद की, जबकि 2015 में पाकिस्तान के खिलाफ 46 गेंदों में लगाया गया उनका शतक इस फॉर्मेट में इंग्लैंड का सबसे तेज शतक है। वे एकमात्र ऐसे इंग्लिश बल्लेबाज हैं जिन्होंने 50 या उससे कम गेंदों में तीन वनडे शतक लगाए हैं और नंबर 5 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा (आठ) वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है।

बटलर के करियर का एक यादगार पल लॉर्ड्स में 2019 ICC मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल में आया। मार्टिन गुप्टिल को रन-आउट करके उन्होंने एक यादगार सुपर ओवर के बाद इंग्लैंड को उसका पहला 50-ओवर का वर्ल्ड कप खिताब जिताया, जबकि मैच में पहले लगाई गई उनकी संयमित अर्धशतकीय पारी भी उतनी ही अहम साबित हुई। मॉर्गन के रिटायरमेंट के बाद बटलर इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल कप्तान बने और ऑस्ट्रेलिया में 2022 ICC पुरुष टी20 वर्ल्ड कप का खिताब टीम को जिताया। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी।

उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन और आक्रामक खेलने के तरीके ने उन्हें इस फॉर्मेट के महान खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। 5000 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सिर्फ पाकिस्तान के दिग्गज शाहिद अफरीदी का स्ट्राइक रेट बटलर के 115.20 से ज़्यादा है। वह 2500 से ज्यादा वनडे रन बनाने वाले इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका औसत 36 से ज्यादा और स्ट्राइक रेट 110 से ज्यादा है। इसके अलावा उनके 184 ODI छक्के एक्टिव खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर हैं; उनसे आगे सिर्फ भारत के रोहित शर्मा हैं।

इस उपलब्धि पर बात करते हुए बटलर ने कहा कि इससे उन्हें उस उत्साह की याद आ गई जो उन्होंने पहली बार इंग्लैंड के लिए खेलते समय महसूस किया था। बटलर ने इंस्टाग्राम पर इंग्लैंड क्रिकेट द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में कहा, 'हां, बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

● जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट

सिंधू की शानदार शुरुआत

मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ आसानी से जीत दर्ज की

डलास, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बना ली है। मंगलवार को खेले गए पहले दौर के मुकाबले में विश्व की 10वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 21-14, 21-11 से हराकर आसानी से जीत दर्ज की।

आक्रामक खेल दिखाया, सिंधू ने शुरू से बनाए रखा दबदबा

सिंधू ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने लंबी रैलियों में नियंत्रण बनाए रखते हुए शुरुआती बढ़त हासिल की और पहले गेम के इंटरवल तक 11-6 से आगे रहीं। इसके बाद उनके सटीक ड्रॉप शॉट, बैकहैंड और हाफ-स्मैश ने मलेशियाई खिलाड़ी पर लगातार दबाव बनाए रखा। भारतीय स्टार ने पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी उन्होंने विरोधी खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। सिंधू ने जल्द ही 8-2 की बढ़त बनाई और इंटरवल तक स्कोर 11-3 कर दिया। इसके बाद उन्होंने लगातार अंक जुटाते हुए 21-11 से गेम और मैच जीत लिया।

ध्रुव-तनीशा की जोड़ी भी दूसरे दौर में

मिश्रित युगल में भारत के ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो ने भी शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय जोड़ी ने स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डन और जूली मैकफर्सन को 21-16, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया हालांकि भारत को मिश्रित युगल में एक निराशा भी हाथ लगी। रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी पहले ही दौर में शीर्ष वरीय चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग के खिलाफ टिक नहीं सकी। चीनी जोड़ी ने मुकाबला 21-11, 21-10 से जीतकर भारतीय खिलाड़ियों का अभियान समाप्त कर दिया। अब भारतीय बैडमिंटन प्रेमियों की नजरें दूसरे दौर में पीवी सिंधू और ध्रुव-तनीशा की जोड़ी पर होंगी। सिंधू यदि अपनी मौजूदा लय बरकरार रखती हैं तो जापान ओपन में खिताब की दावेदारों में मजबूती से बनी रह सकती हैं।

खेल मंत्रालय ने जूडो महासंघ को सशर्त मान्यता दी

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल मंत्रालय ने भारतीय जूडो महासंघ (जेएफआई) के अंतरिम निकाय को सशर्त मान्यता दे दी है, जिसका चुनाव दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पिछले महीने हुआ था। मंत्रालय ने इसके साथ ही चेतावनी दी कि अगर वह अदालत के निर्देशों का पालन नहीं करेगा तो उसे निलंबित कर दिया जाएगा।

जेएफआई का संचालन 2022 से अदालत से नियुक्त प्रशासक कर रहे थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस साल फरवरी में अपने फैसले में निकाय को वार्षिक आम बैठक बुलाने और इस साल की शुरुआत में लागू किए गए राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने के लिए कहा था। इसके बाद महासंघ ने अंतरिम कार्यकारी समिति का चुनाव किया, जिसके अध्यक्ष मुकेश कुमार हैं जबकि बानी ब्राता दास महासचिव और शैलेश तिलक कोषाध्यक्ष हैं।

मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा, 'यह फैसला किया गया है कि भारतीय जूडो महासंघ की कार्यकारी समिति (अंतरिम निकाय) को तत्काल प्रभाव से मान्यता दी जाए।' इसमें कहा गया है, 'यह मान्यता दिल्ली उच्च न्यायालय तथा अन्य माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित जेएफआई की कार्यकारी समिति के चुनावों से संबंधित चल रहे मामलों के परिणाम पर निर्भर करेगी।' मंत्रालय ने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देशों का सख्ती से पालन नहीं कर पाने पर मान्यता रद्द कर दी जाएगी।

अधिसूचना के अनुसार, 'अंतरिम निकाय की ओर से किसी भी चूक और किसी भी तरह की गंभीर अनियमितता की स्थिति में मान्यता को रद्द किया जा सकता है।' मंत्रालय ने अदालत के निर्देशानुसार जेएफआई को कार्यकारी समिति के अंतिम चुनाव कराने के लिए कहा है।

मंत्रालय ने कहा, 'जेएफआई के अंतरिम निकाय को दिल्ली उच्च न्यायालय के 12 फरवरी के आदेश के अनुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 और उसके नियमों के अनुरूप अपना संविधान संशोधित करना होगा।' मंत्रालय ने जेएफआई से उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन किए जाने की मौजूदा स्थिति पर मासिक रिपोर्ट देने के लिए भी कहा है।

जेएफआई ने जून में हुए चुनावों में शीर्ष तीन अधिकारियों के अलावा चार उपाध्यक्ष और चार संयुक्त सचिव भी चुने। इनमें से एक पदाधिकारी पूर्व टेनिस खिलाड़ी मनीषा मल्होत्रा हैं, जो खेल प्रबंधन में भी सक्रिय रूप से शामिल रही हैं।

एशियन अंडर-19 बॉक्सिंग चैंपियनशिप: भारत के नौ मुक्केबाज फाइनल में, छह कांस्य पदक भी पक्के

जकार्ता, एजेंसी। एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। सोमवार को खेले गए अंडर-19 वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में भारत के नौ मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई, जबकि छह मुक्केबाजों ने कांस्य पदक अपने नाम किए।

महिला वर्ग में भारत का दबदबा

अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठों मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। चाहत (60 किग्रा) ने चीनी ताइपे की पेई-चुन त्साई को 5-0 से हराया। अंशिका (75 किग्रा) ने चीनी ताइपे की आन-ची त्सेंग को पहले राउंड में आरएससी (रेफरी स्टॉप्ड कॉन्टेस्ट) से मात दी। मेघा श्योकंद (80 किग्रा) की प्रतिद्वंद्वी वियतनाम की मुक्केबाज मुकाबला जारी नहीं रख सकीं, जिससे मेघा सीधे फाइनल में पहुंच गईं। प्राची तोकस (+81 किग्रा) ने चीनी ताइपे की शू-शियान वांग को

पहले राउंड में आरएससी से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। इससे पहले जीत दर्ज करने वाली भारतीय मुक्केबाजों के साथ अब अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठ खिलाड़ी फाइनल में पहुंच चुकी हैं।

अंडर-19 में दो भारतीय फाइनल में

पुरुष वर्ग में भारत के दो मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई। आदित्य (55 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया के ह्योनमिन ली को दूसरे राउंड में आरएससी से हराया। शुभम राजपूत (90 किग्रा) ने किर्गिस्तान के आइतबेक बेर्दिमुरातोव को 3-2 के करीबी मुकाबले में शिकस्त दी। वहीं, सेमीफाइनल में हारने वाले छह भारतीय मुक्केबाजों को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

अंडर-23 महिला वर्ग

महिला वर्ग में पांच भारतीय मुक्केबाज फाइनल में पहुंचीं। निशा (54 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया की ह्योजू ली को हराया। निकिता चंद (60 किग्रा) ने जापान की सारी कोकुफू को मात दी। काजल (65 किग्रा) ने किर्गिस्तान की गुलजीना मेल्सवेक को हराया। इस मुकाबले में रेफरी को भारतीय मुक्केबाज के दबदबे के कारण मुकाबला रोकना पड़ा।

भारतीय टेबल टेनिस ने रचा इतिहास

मानव-मानुष बने दुनिया की नंबर-2 पुरुष युगल जोड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेबल टेनिस को बड़ी उपलब्धि मिली है। स्टार खिलाड़ी मानव ठक्कर और मानुष शाह ने इतिहास रचते हुए इंटरनेशनल टेबल टेनिस फेडरेशन की नवीनतम पुरुष युगल रैंकिंग में दुनिया की नंबर-2 जोड़ी बनने का गौरव हासिल किया है। इसके साथ ही वे सीनियर विश्व रैंकिंग में इतनी ऊंची रैंक हासिल करने वाले भारत के पहले खिलाड़ी या जोड़ी बन गए हैं।मानव ठक्कर और मानुष शाह पिछले सप्ताह पहली बार करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व नंबर-3 रैंकिंग पर पहुंचे थे। अब उन्होंने एक और स्थान की छलांग लगाकर नया इतिहास रच दिया। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड अर्चना कामथ और मनिका बत्रा के नाम था, जिन्होंने 2022 में महिला युगल रैंकिंग में विश्व नंबर-4 स्थान हासिल किया था।

चीन नंबर-1, भारतीय जोड़ी दूसरे स्थान पर

ताजा रैंकिंग में चीन की लिन शिडोंग और हुआंग यूझेंग की जोड़ी 5160 अंकों के साथ पहले स्थान पर बनी हुई है। वहीं मानव ठक्कर और मानुष शाह 3390 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। फ्रांस के स्टार एलेक्सिस और फेलिक्स लेब्रुन की जोड़ी दूसरे से फिसलकर पांचवें स्थान पर पहुंच गई, जिसका फायदा भारतीय जोड़ी को मिला। मानव और मानुष की यह उपलब्धि पिछले एक साल के लगातार बेहतरीन प्रदर्शन का नतीजा है। भारतीय टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल के मार्गदर्शन में दोनों खिलाड़ियों ने डब्ल्यूटीटी सर्किट में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

यह उपलब्धि ऐसे समय आई है जब जापान के आइची-नागोया में होने वाले 2026 एशियन गेम्स में तीन महीने से भी कम समय बचा है।मानव और मानुष से इस बार पुरुष युगल में भारत को पदक की बड़ी उम्मीदें होंगी। 2023 हांगझोऊ एशियन गेम्स में दोनों की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की तत्कालीन विश्व नंबर-1 जोड़ी से हारकर पदक से चूक गई थी। मानव ठक्कर और मानुष शाह की यह उपलब्धि साबित करती है कि भारतीय टेबल टेनिस अब विश्व स्तर पर लगातार अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

सेमीफाइनल में खास जर्सी पहनना चाहता है अर्जेंटीना

● फीफा से मांगी खास जर्सी पहनने की अनुमति

लंदन, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल से पहले अर्जेंटीना ने एक खास अनुरोध कर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लियोनेल मेसी की टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में अपनी पारंपरिक आसमानी-सफेद जर्सी की जगह नेवी ब्लू (गहरे नीले रंग) की वैकल्पिक जर्सी पहनने की अनुमति फीफा से मांगी है। माना जा रहा है कि इस फैसले के पीछे इंग्लैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप में मिली ऐतिहासिक सफलताओं का अंधविश्वास भी जुड़ा हुआ है।रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने फीफा से सेमीफाइनल में नेवी ब्लू अवे किट पहनने की अनुमति मांगी है। मौजूदा वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना ने इस जर्सी का इस्तेमाल केवल ग्रुप स्टेज में जॉर्डन के खिलाफ किया था। इसके बाद टीम सभी मुकाबलों में अपनी पारंपरिक होम जर्सी में उतरी। फीफा हर मुकाबले से पहले दोनों टीमों की जर्सी का अंतिम फैसला करता है ताकि खिलाड़ियों, रेफरी और दर्शकों को रंगों में कोई भ्रम न हो।

इंग्लैंड के खिलाफ इस जर्सी का खास इतिहास

नेवी ब्लू जर्सी का इंग्लैंड के खिलाफ अर्जेंटीना के लिए खास इतिहास रहा है। 1986 वर्ल्ड कप क्वार्टरफाइनल में डिएगो माराडोना ने इसी जर्सी में 'हैंड ऑफ गॉड' और 'गोल ऑफ द सेंचुरी' की मदद से टीम को 2-1 की यादगार जीत दिलाई थी। इसके बाद 1998 वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ-16 में भी अर्जेंटीना ने इसी जर्सी में इंग्लैंड को पेनल्टी शूटआउट में हराया था। हालांकि 2002 वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना ने अपनी पारंपरिक होम जर्सी पहनी और इंग्लैंड से 0-1 से हार गया था। इसी वजह से स्थानीय मीडिया इसे टीम का 'लकी किट' भी बता रहा है।

इंग्लैंड पारंपरिक सफेद जर्सी में उतरेगा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंग्लैंड सेमीफाइनल में अपनी पारंपरिक ऑल-व्हाइट होम किट में मैदान पर उतरेगा। वहीं अर्जेंटीना की नेवी ब्लू जर्सी पहनने की मांग पर अंतिम फैसला फीफा के किट नियमों के अनुसार लिया जाएगा।

फाइनल का टिकट दांव पर

सेमीफाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के सामने फाइनल में जगह बनाने का बड़ा मौका होगा। अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचकर खिताब बचाने की कोशिश करेगा, जबकि इंग्लैंड 1966 के बाद पहली बार विश्व कप जीतने के सपने को पूरा करने के इरादे से मैदान में उतरेगा। अब सभी की नजर इस बात पर होगी कि क्या फीफा अर्जेंटीना को उसकी 'लकी' नेवी ब्लू जर्सी पहनने की अनुमति देता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन — दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 3948

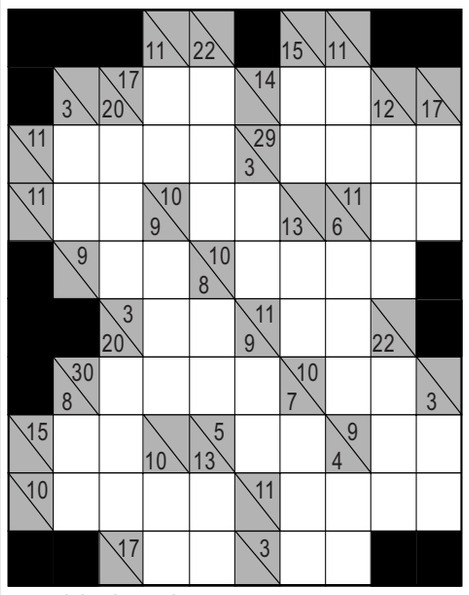

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 3947 का हल

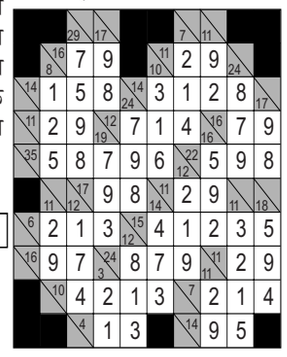

हंसी के फव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा-'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'

'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'

'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला-'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे,इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए !'

□ □ □

एक सेठ बीमार पड़ गया.

डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा-'मुंशी जी ! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'

'लगभग बीस हजार !'

'और क्रिया-कर्म में ?'

'लगभग पांच हजार !'

'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

□ □ □

रमेश ने महेश से पूछा-'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'

महेश-'पागल था वह ?'

रमेश-'वह कैसे ?'

महेश-'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3948

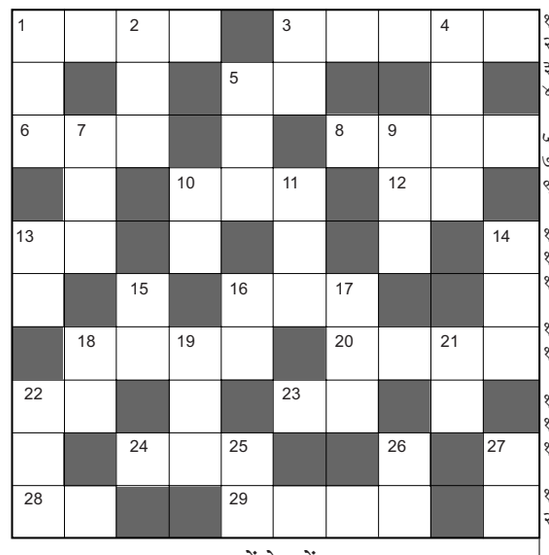

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१.शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3947

पि	या	का	घ	र		ए	ल	ओ	सी
ता	रा		र		घा	त		म	
	ना	च		चाँ		रा	खी		फ
रे		मे	हं	दी		ज		खा	की
श	मीं	ली		सो	च		श		रा
नी			ब	ना	र	सी	बा	बू	
	ग	द	र		स		ना	म	
बा	ज		सा	थी		मि			अं
जा	ल		त		दि	ल	का	रा	जा
र		माँ		मि	ल	न			म

सूडोकु -3948

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3947 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

शब्द पहेली - 3948

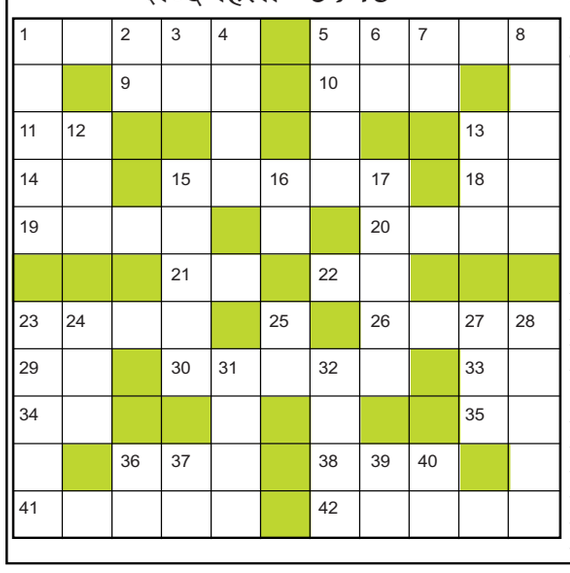

बाएँ से दाएँ
1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे
1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली -3947 का हल

क्या हाई ब्लड प्रेशर हमेशा बुरा होता है

जानिए ब्लड प्रेशर से जुड़े 5 बेहद जरूरी सवालों के जवाब

हाई ब्लड प्रेशर सुनते ही इससे होने वाली तरह-तरह की बीमारियां आंखों के सामने आ जाती हैं, किंतु आपने कभी सोचा है कि यह सेहत के लिए फायदेमंद भी हो सकता है? जर्मनी में बर्लिन की चैरिट यूनिवर्सिटी ने इस पर अध्ययन किया तो चौंकाने वाले नतीजे सामने आए। शोधकर्ताओं के अनुसार, बुढ़ापे में हाई ब्लड प्रेशर कई तरह से फायदेमंद होता है। 80 साल से ज्यादा उम्र के जिन लोगों में हाई ब्लड प्रेशर होता है, वो लो ब्लड प्रेशर वालों से ज्यादा जिंदा रहते हैं। यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित इस रिपोर्ट के अनुसार, अध्ययन 2009 में शुरू हुआ था। तब इसमें शामिल लोगों की उम्र 70 वर्ष या अधिक थी। अब उनकी उम्र 80 वर्ष या इससे अधिक है। हर दो साल में इन लोगों के सेहत की जांच की गई।

अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि 80 वर्ष से अधिक आयु के जिन लोगों का रक्तचाप कम (140/90 मिमी एचजी या इससे कम) था, उनकी मृत्यु दर अधिक रक्तचाप वालों से 40 प्रतिशत अधिक थी। यहां तक कि जिन बुजुर्गों में पहले हार्ट अटैक या स्ट्रोक आ चुका है, उनको भी हाई ब्लड प्रेशर का लाभ मिला है।

रिसर्चस की टीम इस बात पर भी जोर देती है कि 140/90 मिमी एचजी से कम रक्तचाप वाले लोगों में उन लोगों की तुलना में मृत्यु का जोखिम 61 प्रतिशत अधिक था, जो ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने की दवाएं ले रहे हैं, फिर भी यह कम नहीं है।

जानिए, सेहत के लिए कितना नुकसानदायक है ब्लड प्रेशर

ब्लड प्रेशर सेहत के लिए कितना नुकसानदायक है? उच्च रक्तचाप या हाई ब्लड प्रेशर हर साल लगभग 10 मिलियन भारतीयों को अपना शिकार बनाता है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक रहे और दवाओं के बावजूद नियंत्रित न हो तो धमनियों को नुकसान पहुंच सकता है। धमनियां सिकुड़ जाती हैं, जिसका असर रक्त के प्रवाह पर पड़ता है, जिससे स्ट्रोक और हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

ब्लड प्रेशर की जांच कब करनी चाहिए?

एम्स के डॉ. नबी वली के अनुसार, यदि आप घर पर ब्लड प्रेशर की जांच करते हैं तो यह जानना जरूरी है कि दिनभर में ब्लड प्रेशर में काफी उतार-चढ़ाव आता है। इसलिए दिनभर में 5-6 बार इसे मापना चाहिए। वैसे दवाई लेने से पहले ब्लड प्रेशर की जांच जरूर करना चाहिए।

क्या हाई ब्लड प्रेशर हो तो एक्सरसाइज करना चाहिए?

विभिन्न अध्ययनों से पता चलता है कि व्यायाम न केवल आपके ब्लड प्रेशर को स्वाभाविक रूप से कम कर सकता है, बल्कि अन्य कई तरह से अच्छे स्वास्थ्य में मदद करता है। अक्सर लोग इस बात को लेकर उलझन में रहते हैं कि हाई ब्लड प्रेशर के दौरान उनको व्यायाम करना चाहिए या नहीं? जवाब है- हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित होने पर नियमित रूप से व्यायाम करना बिल्कुल भी बुरा नहीं है। वास्तव में, कार्डियोवस्कुलर या एरोबिक एक्सरसाइज ब्लड प्रेशर के स्तर को कम करने और हार्ट को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं।

क्या शराब के सेवन से ब्लड प्रेशर बढ़ता है?

शराब और हाई ब्लड प्रेशर का सीधा संबंध है। जितनी अधिक शराब, उतना ज्यादा ब्लड प्रेशर। जो लोग एक दिन में तीन या इससे अधिक गिलास शराब का सेवन करते हैं, उनकी जान जोखिम में है।

दिन में सोने से बीपी बढ़ता है या कम होता है?

दिन में एक छोटी सी झपकी फायदेमंद बताई गई है और ब्लड प्रेशर को लेकर भी यही बात है। दिन में झपकी लेने से ब्लड प्रेशर को लो रखने में मदद मिलती है। इसके साथ ही हार्ट संबंधी अन्य बीमारियों की आशंका भी कम होती है, लेकिन ध्यान रहें कि ज्यादा देर की नींद नुकसानदायक हो सकती है।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words

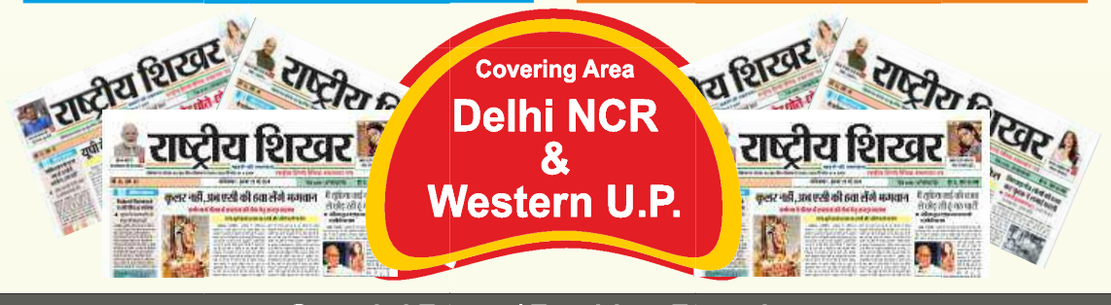

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

रिद्धि डोगरा ने लोकल ट्रेनों में सफर के दिनों को याद किया

उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्हें सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में काम किया। अच्छी एक्टिंग की वजह से उन्हें शाहरुख खान जैसे बिग स्टार के साथ काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री की खास बात यह है कि वह आज सफल हैं। लेकिन, उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद रखा है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए भीड़-भाड़ वाली लोकल ट्रेनों में सफर करने के दिनों को याद किया। उन्होंने उन मुश्किलों का जिक्र किया, जिनका उन्होंने सामना किया और उस दृढ़ संकल्प के बारे में बताया, जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उनके रास्ते को आकार दिया। रिद्धि ने लिखा कि मुझे हमेशा से जुलाई का महीना पसंद रहा है। इन तस्वीरों ने जुलाई के पुराने दिनों की यादें ताजा कर दीं। जुलाई 2005 में मेरी मुंबई की कहानी शुरू हुई थी। कॉलेज से नई-नई निकली थी और बड़ी दुनिया में पढ़ने, घूमने-फिरने, जीने और सीखने के लिए उत्सुक थी। इसीलिए, मैंने मुंबई को चुना। यह एक ऐसा शहर है, जो अनजाने में मुझे लंबे समय से बुला रहा था। मुझे इस शहर की हलचल भरी जिंदगी और आकर्षण में सुकून मिलता है।

रिद्धि डोगरा ने लिखा कि लोकल ट्रेनें मेरी सबसे पसंदीदा जगह बन गई थीं। 2005 से 2007 के बीच मैं एक ही दिन में कई तरह के वाहनों से सफर करती थी। पहले कॉलेज जाती, फिर अपनी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की नौकरी पर जाती। मैं पूरा समय ट्रेन की खिड़की से बाहर देखते हुए और अपने भविष्य के सपनों के बारे में सोचते हुए मुस्कुराती रहती थी। मुझे पूरा यकीन था कि मेरा भविष्य बहुत शानदार होने वाला है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि मैं अपनी किस्मत की खुद मालिक थी। आज जिसे हम विजुअलाइजेशन और मैनिफेस्टेशन कहते हैं, वह मैं उन दिनों रोज करती थी। लोग उसे 'दिन में सपना देखना' कहते थे। इस दौरान एक गाना मेरे आईपॉड पर सबसे ज्यादा चलता था। रिद्धि डोगरा को असुर में नुसरत, ऑल्ट बालाजी की द मैरिड वुमन में आस्था, स्टार प्लस की मर्यादाः लेकिन कब तक? में प्रिया और वो अपना सा में निशा का किरदार निभाने के लिए पहचान मिली। वह नच बलिए 6 और फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 6 जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं। रिद्धि डोगरा द साबरमती रिपोर्ट, लकड़बग्घा, और जवान जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

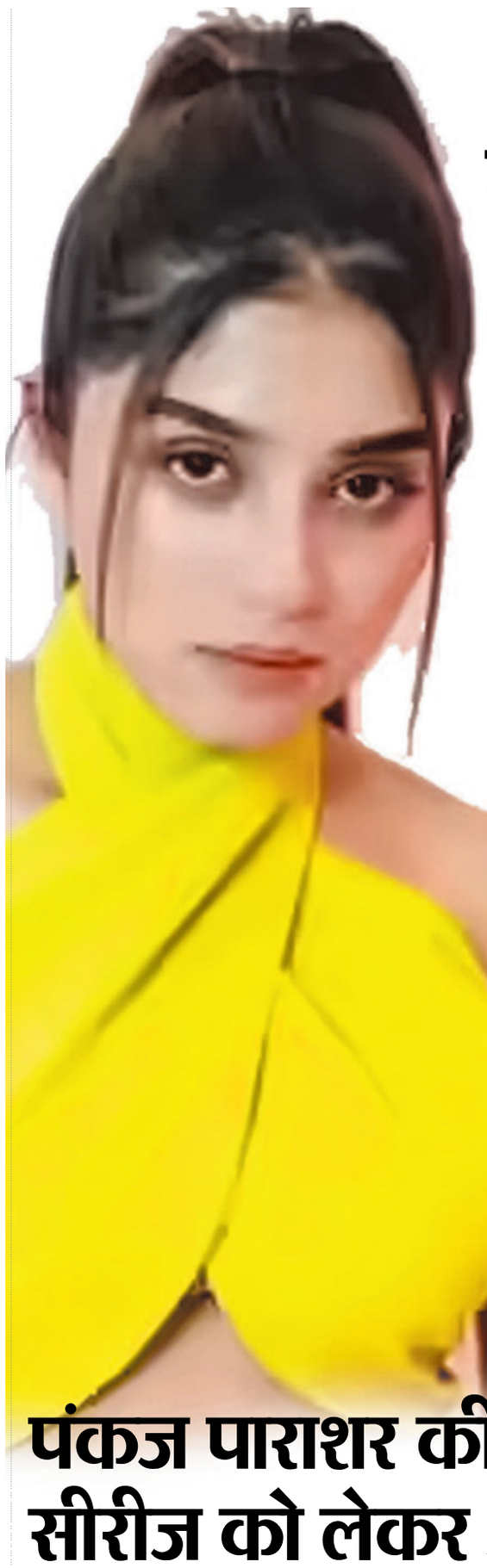

मैं इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन बिना जुड़ाव के किरदार नहीं

'अनुपमा' में राही कपाड़िया के किरदार से अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने घर-घर में पहचान बनाई है। इस बीच इंटरव्यू में अद्रिजा ने प्रोजेक्ट्स को ठुकराने और टीवी की दुनिया में आए बदलावों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह वहीं किरदार निभाना पसंद करती है, जिससे उन्हें दिल से जुड़ाव महसूस होता है। वहीं उन्होंने आगे कहा कि अब महिलाओं के लिए लिखे जाने वाले किरदारों में काफी सुधार आया है और दर्शक भी महिला केंद्रित कहानियों को खुले दिल से स्वीकार कर रहे हैं। अद्रिजा रॉय ने कहा, ''मुझे लगता है कि चीजें पहले से काफी बेहतर हुई हैं। अब महिलाओं को 'यादा अहमियत रखने वाले किरदार मिल रहे हैं। हालांकि अभी भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन अ'छी बात यह है कि दर्शक अब महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों को स्वीकार कर रहे हैं। यह इंडस्ट्री के लिए एक सकारात्मक संकेत है।''

जब उनसे पूछा कि किसी एक किरदार की सफलता के बाद क्या कलाकार के एक जैसी भूमिकाओं में बंध जाने का खतरा बढ़ जाता है। इस पर उन्होंने कहा कि ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि जब कोई किरदार लोकप्रिय हो जाता है तो लोग उसी तरह के रोल में कलाकार को देखने लगते हैं। उन्होंने कहा, ''जब कोई भूमिका लोकप्रिय हो जाती है तो लोग आपको उसी अंदाज में देखने लगते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि आपने उस किरदार को अ'छी तरह निभाया है। मैं इसके लिए किसी को दोष नहीं देती। लेकिन एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को और दर्शकों को सरप्राइज करना चाहती हूं। मैं एक ही तरह के किरदार बार-बार नहीं करना चाहती। मेरे लिए हर नया रोल कुछ नया सीखने का मौका होना चाहिए।''

अद्रिजा ने अपने करियर के फैसलों को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, ''हर अभिनेता चाहता है कि उसके पास चुनने के लिए बहुत सारे विकल्प हों, लेकिन यह इंडस्ट्री हमेशा इस तरह काम नहीं करती। कई बार कोई अ'छा प्रोडक्शन हाउस आपको ऐसा किरदार देता है, जो शायद आपकी पहली पसंद न हो। ऐसे में पूरी तस्वीर देखनी चाहिए। कहानी क्या है, टीम कैसी है और किरदार शो में क्या योगदान दे रहा है, इन सभी चीजों को समझना जरूरी होता है। हर स्थिति में कोई एक सही या गलत जवाब नहीं होता। हर कलाकार को अपने हिसाब से फैसला लेना पड़ता है।''

बातचीत के दौरान अद्रिजा ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने करियर में कुछ ऐसे प्रोजेक्ट्स को मना किया है, जिनसे वह खुद को जोड़ नहीं पाईं। उन्होंने कहा, ''हां, मैंने कुछ प्रोजेक्ट्स के लिए मना किया है। ऐसा इसलिए नहीं था कि वे खराब थे, बल्कि इसलिए क्योंकि मैं उन किरदारों से जुड़ाव महसूस नहीं कर पाई। अगर मैं किसी भूमिका पर विश्वास नहीं करती हूं, तो मेरे लिए उसके साथ न्याय करना मुश्किल हो जाता है। मैं इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन ऐसा काम करना चाहती हूं जो मुझे अंदर से उत्साहित करे।''

मुंबई और लॉस एंजिल्स के बीच के सफर ने मुझे एक बड़ा सबक दिया है

सुपरहिट फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में शाहरुख खान की बेटी 'अंजलि' का किरदार निभाकर लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली अभिनेत्री सना सईद ने सोशल मीडिया पर अपना एक अनुभव साझा किया। दरअसल, उन्होंने विदेश में रहने के दौरान भाषा, उच्चारण और संवाद से जुड़ी कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की। सना सईद आज लॉस एंजिल्स में रहती हैं और अपने करियर और जीवन को नए तरीके से आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने अमेरिका पहुंचने के शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प अनुभव बताया। सना ने बताया, 'साल 2016 में मैं पहली बार पढ़ाई के लिए लॉस एंजिल्स आई थी। इस दौरान मुझे रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों में भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मुझे याद है कि एक बार मैं एक रेस्टोरेंट में गई थी और वहां पानी पीना चाहती थी लेकिन मेरा उच्चारण वहां के लोगों को ठीक से समझ नहीं आया। मैंने कई बार 'वॉटर' कहा, लेकिन रेस्टोरेंट वाला अलग-अलग चीज समझता रहा और यहां तक कि 'सोडा' या 'कोक' तक ऑफर करने लगा।'

उन्होंने आगे कहा, ''उस दिन मुझे एहसास हुआ कि अगर मुझे अमेरिका में लंबे समय तक रहना है, तो मुझे अपने बातचीत करने के तरीके पर काम करना होगा, क्योंकि सुना जाना सबसे जरूरी है। इसके बाद मैंने अपने उच्चारण और बोलने के तरीके पर ध्यान देना शुरू किया और इसके लिए ट्रेनिंग भी ली।'' सना ने बताया कि यह प्रक्रिया आसान नहीं थी। किसी नए देश में जाकर वहां की भाषा के अनुसार खुद को ढालना बिल्कुल एक नई भाषा सीखने जैसा होता है। इसमें समय, मेहनत और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, ''कई लोग सोचते हैं कि उच्चारण बदलना बहुत आसान है, लेकिन असल में इसके पीछे बहुत मेहनत और आत्मविश्वास की जरूरत होती है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे इस बात से परेशानी होती है कि लोग अक्सर किसी के उच्चारण का मजाक उड़ाते हैं या उसे गलत समझते हैं। हर व्यक्ति का बोलने का अपना तरीका होता है, जो उसकी संस्कृति और पृष्ठभूमि से जुड़ा होता है। इसलिए किसी के उच्चारण को लेकर नकारात्मक टिप्पणी करना सही नहीं है।'' सना ने अपने वीडियो में कहा, ''मेरे लिए संवाद करना सिर्फ बोलना नहीं है, बल्कि अपने विचारों को सही तरीके से दूसरों तक पहुंचाना है। अभिनय के क्षेत्र में काम करने वाले कलाकारों के लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि उनकी आवाज और संवाद ही उनका सबसे बड़ा साधन होता है।''

अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में सना ने लिखा, ''मेरा एक्सेंट अभी भी पूरी तरह परफेक्ट नहीं है लेकिन मुंबई और लॉस एंजिल्स के बीच के इस सफर ने मुझे एक बड़ा सबक दिया है। किसी भी भाषा या उच्चारण को लेकर शर्म महसूस करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हर व्यक्ति अपनी तरह से बोलता है और यह पूरी तरह सामान्य है।

पंकज पाराशर की ओटीटी सीरीज को लेकर अभिनेत्री शीना चौहान ने की बात

निर्देशक पंकज पाराशर ने अपनी आगामी ओटीटी सीरीज में अभिनेत्री शीना चौहान की नकारात्मक भूमिका को लेकर बातचीत की। शीना को कास्ट करने को लेकर पंकज पाराशर ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, 'मैं अपनी अगली ओटीटी सीरीज के लिए नेगेटिव लीड रोल में शीना को चुनकर खुश हूं, क्योंकि उनमें इस किरदार के लिए जरूरी सभी खूबियां हैं, खासकर मार्शल आर्ट्स की उनकी ट्रेनिंग। एक एक्ट्रेस के तौर पर वह बहुत उत्साहित और कमिटेड भी हैं। अपने काम के प्रति उनका समर्पण बहुत पसंद है।' नए प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए शीना चौहान ने कहा, 'यह खबर मेरे जन्मदिन के आस-पास आई और इसने मेरे जन्मदिन को बहुत खास बना दिया। मैंने हमेशा पंकज सर और उनकी ओर से वर्षों से बनाए गए शानदार, यादगार महिला किरदारों की तारीफ की है। इसलिए, जब मैं उनसे मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में मिली और उन्होंने मेरे साथ इस प्रोजेक्ट के बारे में बात की, तो मैंने उनसे बात की।

शीना चौहान ने कहा, 'मुझे किरदारों और कहानियों को जीवंत करने से ज्यादा कुछ पसंद नहीं है। मैं हर रोल में अपना दिल और जान लगा देती हूं, इस उम्मीद के साथ कि मैं अपनी कहानियों के जरिए लोगों को प्रेरित और उत्साहित कर सकूंगी। एक्टिंग मुझे अपने असली मकसद को जीने का मौका देती है। यह मुझे अपनी थिएटर ट्रेनिंग, मार्शल आर्ट्स और फिटनेस का इस्तेमाल करके एक गहरे और दमदार किरदार को गढ़ने का मौका देती है। मैं इस सफर को शुरू करने के लिए सच में बहुत उत्साहित हूं।'

सीक्रेट एजेंट्स पर आधारित आने वाली जासूसी सीरीज इस सितंबर में शुरू होने वाली है। शीना इसके बाद पैन-इंडिया साउथ फिल्म 'जटास्य मरणं ध्रुवम्' में जे. डी. चक्रवर्ती के साथ नजर आएंगी, जिसमें वह एक एक्शन-पैक्ड रोल में पुलिस अफसर की भूमिका निभा रही हैं। वह इस सीरीज में एक्शन सीन करती हुई भी नजर आएंगी। एक्ट्रेस के पास एक इंटरनेशनल वेब सीरीज भी है; इस साल उनकी लगभग पांच रिलीज लाइन में हैं।

इंडस्ट्री में उम्र बढ़ने के साथ कलाकारों को किस तरह नजरअंदाज किया जाता है

टीवी के लोकप्रिय अभिनेता राम कपूर ने अपने करियर में कई यादगार किरदार निभाए हैं और दर्शकों का भरपूर प्यार हासिल किया है। वह अक्सर मनोरंजन जगत के उस सच पर खुलकर बात करते दिखते हैं, जिसके बारे में कलाकार बोलने से बचते नजर आते हैं। इस कड़ी में राम कपूर ने बताया कि इंडस्ट्री में उम्र बढ़ने के साथ कलाकारों को किस तरह नजरअंदाज किया जाता है। साथ ही बताया कि उनकी पत्नी और अभिनेत्री गौतमी कपूर भी इसी तरह के दौर से गुजर चुकी हैं।

राम कपूर ने यह खुलासा नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अपः सच या सजा' के दौरान आकांक्षा चमोला से बातचीत में किया। दरअसल, शो में आकांक्षा चमोला ने राम कपूर से कहा कि वह जल्द ही अपने पति गौरव खन्ना से अलग रहकर अपनी नई शुरुआत करने वाली हैं। ऐसे में उन्हें अपना नया ठिकाना बनाना होगा और करियर को भी नए सिरे से संभालना पड़ेगा। उन्होंने राम से कहा कि इस सफर में उन्हें उनकी मदद की जरूरत पड़ सकती है। आकांक्षा की बात सुनकर राम ने बिना किसी झिझक के उनका साथ देने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह अपनी पूरी टीम को उनकी मदद के लिए लगा देंगे।

बातचीत के दौरान आकांक्षा ने मनोरंजन इंडस्ट्री की एक बड़ी समस्या का जिक्र करते हुए कहा कि यहां कलाकारों की उम्र को लेकर बहुत जल्दी धारणा बना ली जाती है। जैसे ही कोई कलाकार 35 साल की उम्र पार करता है, उसे यह कहकर अलग कर दिया जाता है कि अब वह पहले जैसा नहीं रहा। इससे कलाकारों के लिए नए मौके कम होने लगते हैं और करियर पर असर पड़ता है।

आकांक्षा ने राम कपूर से बात करते हुए कहा, 'आप जानते हैं कि लोग हमारी उम्र को अच्छी नजर से नहीं देखते। दुर्भाग्य से जैसे ही कोई कलाकार 35 साल का होता है, उसे यह कहकर अलग कर दिया जाता है कि वह अब बहुत उम्रदराज हो गया है। मुझे इस दुनिया की ज्यादा समझ नहीं है। मैं जितना कर सकती थी, उतना किया है। अब उम्मीद है कि आगे भी काम मिलता रहे, ताकि मैं अपनी जिंदगी सुरक्षित बना सकूं।' आकांक्षा की बातें सुनकर राम कपूर ने कहा कि उनकी स्थिति उन्हें अपनी पत्नी गौतमी कपूर की याद दिलाती है। उन्होंने बताया कि गौतमी भी अपने करियर में ऐसे ही दौर से गुजरी हैं और वह इस दर्द को अच्छी तरह समझते हैं।

राम ने कहा, 'गौतमी और मैंने भी उम्र का भेदभाव झेला है। शुरुआत में गौतमी भी इसी तरह की परिस्थितियों से गुजरी थीं। मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन जो दौर तुम झेल रही हो, उससे गौतमी भी गुजर चुकी हैं। वह मेरी पत्नी हैं, मेरी दुनिया हैं, मेरा प्यार हैं। इसलिए मैं समझ सकता हूं कि तुम किस स्थिति में हो। मैं तुम्हारे लिए जितना संभव होगा, उतनी मदद करूंगा।' बता दें कि नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अपः सच या सजा' को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई चर्चित चेहरे भी शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

बाजार में मौत बनकर घुसी कार: नौसेना अधिकारी की लापरवाही ने ली कई लोगों की जान

विना डेल मार, एजेंसी। चिली के तटीय शहर विना डेल मार में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। चिली नौसेना के एक ऑफ-ड्यूटी अधिकारी द्वारा चलाई जा रही निजी कार अचानक एक खुले बाजार में जा घुसी। इस भीषण हादसे में कई लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग अलग-अलग स्तर पर घायल हो गए। चिली नौसेना ने एक बयान जारी कर घटना की पुष्टि की है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और एक रिहायशी इलाके के सुरक्षा कैमरे की फुटेज में कथित तौर पर वह भयावह पल कैद है, जब तेज रफ्तार कार बाजार की दुकानों और ठेलों में जा घुसती है। अन्य वीडियो में देखा जा सकता है कि चालक को पुलिसकर्मी जल्दबाजी में एक पुलिस वाहन तक ले जा रहे हैं, जबकि गुस्साए लोग उसके पीछे दौड़ते हुए नारेबाजी कर रहे हैं। चिली नौसेना ने अपने बयान में कहा कि इस हादसे में कई लोगों की मौत हुई है और कई अन्य अलग-अलग स्तर की चोटों के साथ घायल हुए हैं। नौसेना ने यह भी कहा कि वह हादसे की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है। नौसेना ने अपने आधिकारिक बयान में मृतकों की सटीक संख्या नहीं बताई। हालांकि, स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार इस हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत हुई है। विना डेल मार के पुलिस प्रीफेक्ट कर्नल जॉर्ज गाइता ने पत्रकारों से कहा कि चालक का कहना है कि उसे घटना की कोई याद नहीं है। उन्होंने बताया कि हादसे की असली वजह का अभी तक पता नहीं चल पाया है और जांच जारी है। कर्नल जॉर्ज गाइता के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार सही दिशा में चल रही थी, लेकिन उसकी रफ्तार बहुत तेज थी। अचानक वाहन फुटपाथ पर चढ़ गया और घूमते हुए आगे बढ़ा। कर्नल गाइता ने बताया कि सौभाग्य से बस स्टॉप से टकराने के बाद कार रुक गई। अगर वाहन आगे बढ़ता रहता, तो इससे कहीं ज्यादा जानमाल का नुकसान हो सकता था।

बच्चियों के जबरन धर्म परिवर्तन पर यूरोपीय संघ ने शहबाज सरकार को लताड़ा

ब्रुसेल्स, एजेंसी। हाल ही में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, यूरोपीय संसद ने एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें पाकिस्तान के अधिकारियों से धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों की लड़कियों के अपहरण और जबरन इस्लाम धर्म अपनाने की घटनाओं को रोकने की मांग की गई है। प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र के 2025 के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया कि जबरन धार्मिक परिवर्तन और विवाह से जुड़े मामलों में लगभग 25 प्रतिशत पीड़ित ईसाई लड़कियां होती हैं। यूरोपीय संसद के सदस्यों ने पाकिस्तान से बाल विवाह को समाप्त करने के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय ढांचा तैयार करने और अल्पसंख्यक समुदायों की उन लड़कियों के परिवारों की शिकायतों से निपटने के लिए एक राष्ट्रीय तंत्र बनाने का आग्रह किया, जिनका अपहरण या जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया है। यूरोपीय संसद ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए 13 वर्षीय ईसाई लड़की मारिया शहबाज के मामले का भी जिक्र किया। प्रस्ताव के मुताबिक, मारिया का कथित रूप से जुलाई 2025 में 30 वर्षीय शेहरयार अहमद ने अपहरण किया था, जिस पर उसे जबरन इस्लाम धर्म अपनाकर शादी के लिए मजबूर करने का आरोप है। सांसदों ने इस मामले से जुड़ी कानूनी कार्यवाही का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आधिकारिक दस्तावेजों में कथित हेरफेर और लड़की के नाबालिग होने के सबूतों के बावजूद, पाकिस्तान की संघीय संवैधानिक अदालत ने आरोपी के पक्ष में फैसला सुनाया और बच्ची को उसके पास वापस भेज दिया। यूरोपीय संसद ने अदालत के इस फैसले की कड़ी आलोचना की और मांग की कि मारिया शहबाज को कानूनी सहायता और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहयोग उपलब्ध कराया जाए, ताकि वह इस कठिन अनुभव से उबर सके। प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि मानवाधिकार संगठनों के अनुमान के मुताबिक, हर साल अल्पसंख्यक समुदायों के 1,000 से अधिक नाबालिग इस तरह के अत्याचारों का सामना करते हैं। यूरोपीय संसद ने उन आरोपों पर भी चिंता जताई कि कई बार स्थानीय अधिकारी ऐसे मामलों में मिलीभगत करते हैं, जबकि अदालतें बाल संरक्षण कानूनों की अनदेखी करती हैं, जिससे जबरन धर्म परिवर्तन को बढ़ावा मिलता है या उसे वैधता मिलती है। संस्थागत कार्रवाई को मजबूत करने की मांग करते हुए यूरोपीय संसद के सदस्यों ने इस्लामाबाद से अपहरण और जबरन धर्म परिवर्तन के सभी मामलों की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

बैंकॉक पब अग्निकांड
बाथरूम की ओर भागे पर नहीं मिला रास्ता

भीषण आग में 27 की मौत 22 की हालत गंभीर

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में रविवार को एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। शहर के चोम फोन इलाके में स्थित एक पब में आधी रात के करीब भीषण आग लग गई, जिसकी चपेट में आने से कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। आग इतनी भयावह थी कि पब के भीतर मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

बैंकॉक के पब में कैसे लगी आग?

चश्मदीदों और पब में मौजूद म्यूजिशियन के अनुसार, हादसे की शुरुआत स्टेज के पास लगे एक सर्किट ब्रेकर से हुई। सबसे पहले वहां से धुआं निकला और देखते ही देखते पूरे पब की बिजली गुल हो गई। इसके तुरंत बाद एक तेज धमाका हुआ और आग की लपटों ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। पब के भीतर उस समय भारी भीड़ मौजूद थी। आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और वहां चीख-पुकार मच गई।

मौत का जाल बना बाथरूम

प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद बताया कि आग लगने के बाद जैसे ही पब धुएं से भर गया, घबराए हुए लोग जान बचाने के लिए पीछे के हिस्से में मौजूद बाथरूम की ओर भागे। हालांकि, वहां कोई एग्जिट गेट नहीं होने के कारण वे वहीं फंस गए। अधिकारियों के अनुसार, ज्यादातर लोगों की मौत धुएं के कारण दम घुटने से हुई है और कई शव बाथरूम के पास से ही बरामद किए गए हैं।

बढ़ सकता है मौतों का आंकड़ा

बैंकॉक मेट्रोपॉलिटन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, इस अग्निकांड में झुलसे 63 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बैंकॉक के गवर्नर चाडचार्ट सिट्टीपुंट ने जानकारी दी कि घायलों में से 22 की हालत गंभीर है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका बनी हुई है। पब की क्षमता 300 से अधिक लोगों की थी, और हालांकि सोशल मीडिया पर इसके चार फायर एग्जिट होने का दावा किया गया था, लेकिन हादसे के समय वे प्रभावी साबित नहीं हुए।

आधे घंटे में आग पर काबू

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अग्निशमन दल के कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद लगभग आधे घंटे में आग पर काबू पाया। बचाव दल ने पब के भीतर फंसे कई लोगों को बाहर निकाला और उन्हें तुरंत पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आग बुझने के बाद पब के भीतर का नजारा बेहद डरावना था। वहां रखी टेबल, कुर्सियां और अन्य फर्नीचर पूरी तरह जलकर राख हो चुके थे।

प्रधानमंत्री ने जताया दुख

थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने पुष्टि की कि इस भीषण हादसे में अब तक 27 लोगों की जान जा चुकी है।

थाईलैंड में अग्निकांडों का पुराना इतिहास

थाईलैंड में पब और नाइटक्लबों में आग लगने की यह पहली बड़ी घटना नहीं है। इससे पहले साल 2022 में भी देश के पूर्वी हिस्से में एक म्यूजिक पब में आग लगने से 14 लोगों की मौत हुई थी। वहीं, 1 जनवरी 2009 को सांतिका नाइटक्लब में नए साल के जश्न के दौरान हुई भीषण आग ने पूरी दुनिया को हिला दिया था, जिसमें 66 लोगों की जान गई थी और 200 से अधिक लोग घायल हुए थे। उस समय आग का कारण घर के भीतर की गई आतिशबाजी को बताया गया था। हालिया घटना ने एक बार फिर थाईलैंड में व्यावसायिक स्थलों पर सुरक्षा मानकों और फायर सेफ्टी प्रोटोकॉल पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष से तेल की कीमतों में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुई संघर्ष की वजह से तेल की कीमतों में बढ़ोतरी होने लगी है। दोनों देशों के बीच फिर से एक-दूसरे पर हमले के बाद तेल की कीमतों में 3 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। होर्मुज जलडमरूमध्य में फिर से रुकावट की आशंका बढ़ गई है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, शाम 6:03 बजे ईटी तक यूएस क्रूड फ्यूचर्स 3.4 प्रतिशत बढ़कर 73.87 डॉलर प्रति बैरल हो गए। इंटरनेशनल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड में 3.5 प्रतिशत की बढ़त हुई और यह 78.67 डॉलर पर पहुंच गया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने ब्रेंट की कीमत थोड़ी ज्यादा, लगभग 79 डॉलर प्रति बैरल बताई। यह युद्ध से पहले की कीमत से लगभग 9 प्रतिशत ज्यादा थी। यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड की ओर से कहा गया, 'आज शाम 5 बजे ईटी पर, यूएस सेंट्रल कमांड की सेनाओं ने ईरान के खिलाफ और हमले शुरू किए गए। सेंट्रल कमांड की ओर से बताया गया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में हमला करने से ईरान की क्षमता को कम करना इसका उद्देश्य है। सेंट्रल कमांड की ओर से आगे कहा गया, 'कमांडर-इन-चीफ ने ईरानी सेनाओं को जवाबदेह ठहराने के लिए ये हमले करने का निर्देश दिया है।' वॉल स्ट्रीट जर्नल की ओर से कहा गया कि 24 घंटों में तीसरी बार अमेरिका की ओर से हमला किया गया। इससे पहले के हमलों में जलमार्ग के आसपास ईरानी मिसाइल और एयर-डिफेंस सिस्टम, छोटी नावें, रडार और हथियारों के स्टोरेज ठिकानों को निशाना बनाया गया था। अमेरिका के हमलों के बाद ईरानी सेनाओं की ओर से कमर्शियल जहाजों पर गोलीबारी की गई। सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिंस ने कहा कि अमेरिकी विमानों ने एक ईरानी क्रूज मिसाइल और एक वन-वे अटैक ड्रोन को मार गिराया। ईरान ने कहा कि जलडमरूमध्य को अगली सूचना तक बंद कर दिया गया है।

वियतनाम में 15 भारतीयों की मौत के बाद बोट-कैप्टन गिरफ्तार

कंपनी की रिवॉर्ड ट्रिप पर गए थे पर्यटक, परिवारों को टीवी से मिली खबर

हनोई, एजेंसी। वियतनाम में शनिवार को भारतीय पर्यटकों से भरी स्पीडबोट पलटने से 15 भारतीयों की मौत के बाद स्पीडबोट कैप्टन को गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर केस दर्ज किया गया है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह भारतीय टूरिस्ट 'लावा मोबाइल' के चैनल पार्टनर और कर्मचारी थे। सभी कंपनी के टॉप परफॉर्मिंग डिस्ट्रीब्यूटर्स के लिए आयोजित रिवॉर्ड ट्रिप पर वियतनाम गए थे। कई पीड़ित परिवारों ने बताया कि उन्हें हादसे की पहली जानकारी टीवी चैनलों या दोस्तों के फोन से मिली। इसके बाद भारतीय दूतावास और स्थानीय प्रशासन ने उनसे संपर्क किया। कई परिवार अब भी अपने परिजन के पार्थिव शरीर के भारत पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं। शुरुआती जांच में स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि मौसम अचानक खराब होने और ऊंची लहरों की वजह से यह हादसा हुआ। हालांकि, पूरे मामले की जांच जारी है। पलटी बोट के नीचे फंस गए थे पर्यटक भारतीय दूतावास के मुताबिक बोट में कुल 36 लोग सवार थे। इनमें 32 भारतीय पर्यटक और चार वियतनामी क्रू मेंबर थे। बोट माय रुट द्वीप से दूसरे द्वीप की ओर जा रही थी। तभी अचानक मौसम बदला और तेज लहरों के बीच बोट कुछ ही सेकेंड में पलट गई। बचे हुए यात्रियों ने बताया कि हादसा इतना तेजी से हुआ कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। जो लोग बोट के आगे बैठे थे वे समुद्र में कूदकर बाहर निकल गए लेकिन अंदर बैठे कई यात्री उलटी हुई बोट के नीचे फंस गए और बाहर नहीं निकल सके। स्थानीय नाविक हा वान लोक ने बताया कि उन्होंने समुद्र में पलटी हुई बोट देखी, जिस पर कई लोग चिपके हुए थे। कुछ लोग बिना लाइफ जैकेट के समुद्र में बह रहे थे। उनकी टीम ने रस्सी फेंककर लोगों को बाहर निकाला और तुरंत दूसरी रेस्क्यू टीमों को सूचना दी।

इजरायल में आम चुनाव 27 अक्टूबर 2026 को होगा

गाजा युद्ध के साये में पीएम नेतन्याहू की साख दांव पर

तेलअवीव, एजेंसी। इजरायल की ससद ने रविवार को आधिकारिक तौर पर यह घोषणा कर दी है कि देश में अगला आम चुनाव 27 अक्टूबर 2026 को ही होगा। यह कानून द्वारा तय की गई आखिरी तारीख है। संसद ने एक बयान जारी कर साफ किया कि चूंकि वर्तमान सरकार अपना पूरा कार्यकाल खत्म करने जा रही है, इसलिए समय से पहले संसद को भंग करने के लिए किसी नए कानून को बनाने की कोई जरूरत नहीं है। सरकार के इस कदम के बाद इजरायल में समय से पहले चुनाव होने की तमाम अटकलों पर पूरी तरह से विराम लग गया है।

50 साल बाद पहली बार सरकार पूरा करेगी कार्यकाल

यह चुनाव इजरायल के राजनीतिक इतिहास के लिए बेहद खास है। पिछले करीब 40 सालों में यह पहली बार होने जा रहा है जब देश में चुनाव किसी विवाद के कारण समय से पहले न होकर, अपने बिल्कुल तय समय पर हो रहे हैं। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली यह गठबंधन सरकार पिछले 50 से अधिक वर्षों में अपना 4 साल का पूरा कार्यकाल सफलतापूर्वक समाप्त करने वाली पहली इजरायली सरकार बनने जा रही है। इससे पहले, मई के महीने में संसद भंग करने के पक्ष में हुए एक मतदान के बाद समय से पहले चुनाव होने का डर सताने लगा था।

चौतरफा चुनौतियों के बीच नेतन्याहू को राहत

जनता के गुस्से और भारी चुनौतियों के बावजूद नेतन्याहू के लिए राहत की बात यह है कि इजरायल के विपक्षी दल अभी तक बिखरे हुए हैं। विपक्ष के पास नेतन्याहू को टक्कर देने के लिए न तो कोई एकजुट रणनीति है और न ही कोई एक चेहरा। विपक्ष की इसी कमजोरी और स्पष्ट नेतृत्व की कमी को इस समय नेतन्याहू के गठबंधन के लिए सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है।

नेतन्याहू की साख पर 'जनमत संग्रह'

इस मतदान को व्यापक रूप से अक्टूबर 2023 में हमास के हमले और उसके बाद गाजा, लेबनान व ईरान के साथ छिड़े युद्धों के बाद, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लोकप्रियता और नेतृत्व पर एक 'जनमत संग्रह' के रूप में देखा जा रहा है। युद्ध छिड़ने के बाद देश में यह पहला आम चुनाव होगा। 76 वर्षीय नेतन्याहू के लिए इस बार राह आसान नहीं है। प्री-पोल सर्वे के संकेत बताते हैं कि नेतन्याहू के दक्षिणपंथी और धार्मिक दलों के गठबंधन को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है और वे सत्ता से हाथ धो सकते हैं। हाल ही में ईरान के साथ हुए युद्ध के नतीजों और अक्टूबर 2023 में हमास के अचानक हुए हमले के बाद, नेतन्याहू की 'देश को सुरक्षित रखने' वाली छवि को गहरा धक्का लगा है, जिससे उनकी लोकप्रियता का ग्राफ तेजी से गिरा है। इसके अलावा, नेतन्याहू साल 2019 से ही भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं, जिनमें दोषी पाए जाने पर उन्हें जेल भी जाना पड़ सकता है।

अमेरिका का ईरान पर नया हमला शुरू

24 घंटे में दूसरी बार अमेरिकी सेना ने की कार्रवाई

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरानी सेना के होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल जहाजों पर फायरिंग करने के बाद अमेरिका ने ईरान के खिलाफ नए हमले शुरू कर दिए, जिससे दोनों देशों के बीच नाजुक सीजफायर और बिगड़ गया। अमेरिकी कमांड सेंटर ने कहा, 'आज शाम 5 बजे ईटी पर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड की सेनाओं ने ईरान के खिलाफ और हमले शुरू कर दिए ताकि होर्मुज स्ट्रेट से आसानी से गुजरने वाले आम नाविकों और कमर्शियल जहाजों पर हमला करने की उनकी क्षमता को कम किया जा सके।' इसमें आगे कहा गया, 'कमांडर

इन चीफ ने ईरानी सेनाओं को जवाबदेह ठहराने के लिए हमलों का निर्देश दिया है।' अमेरिकी मीडिया द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया कि 24 घंटे में ईरानी ठिकानों पर ये तीसरी अमेरिकी स्ट्राइक थी। एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया गया कि नए हमले स्ट्रेट के पास और ईरान के तटीय इलाकों पर फोकस थे। अमेरिकी कमांड सेंटर के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स के अनुसार, लगभग उसी समय, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने समुद्री मार्ग से गुजर रहे सिविलियन जहाजों पर फायरिंग की। अमेरिकी मीडिया सीएनएन और द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, हॉकिन्स ने कहा कि अमेरिकी एयरक्राफ्ट ने एक ईरानी क्रूज मिसाइल और एक वन-वे अटैक ड्रोन को मार गिराया। हॉकिन्स ने द न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया, 'हम ईरान को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। ईरान के सरकारी मीडिया ने दक्षिणी ईरान के होर्मोजगान प्रांत के जस्क, केशम, बंदर अब्बास और सिरिक में धमाकों की खबर दी। सीएनएन ने कहा कि शुरू में किसी आम नागरिक के मरने या घर या दुकान को नुकसान होने की खबर नहीं मिली। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का यह नया ऑपरेशन रविवार को होर्मुज स्ट्रेट के आसपास ईरानी मिसाइल और एयर-डिफेंस सिस्टम और आईआरजीसी की छोटी नावों पर किए गए हमलों के बाद हुआ।

पाकिस्तान में सेना बनाम सियासत?: 'राजनीति करनी है तो वर्दी उतारें' मौलाना फजलुर रहमान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सबसे प्रभावशाली धार्मिक और राजनीतिक नेताओं में से एक मौलाना फजलुर रहमान का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वे देश के सैन्य प्रतिष्ठान पर तीखा हमला करते दिख रहे हैं। उन्होंने सेना पर संवैधानिक भूमिका का उल्लंघन करने, राजनीति में हस्तक्षेप करने और हिंसाग्रस्त बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में राज्य का शासन बहाल करने में विफल होने का आरोप लगाया।

मौलाना फजलुर रहमान ने क्या कहा? : पंजाब के कसूर में एक रैली को संबोधित करते हुए जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने कहा कि सेना को अपनी संवैधानिक सीमाओं के भीतर रहना चाहिए। अगर वह राजनीतिक भूमिका निभाना चाहती है तो उसे चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर आप राजनीति करना चाहते हैं, तो वर्दी उतारकर आएं। चुनावों में भाग लें। इससें यह साफ हो जाएगा कि लोग वर्दीधारी लोगों को कितने वोट देते हैं।' फजलुर रहमान ने पाकिस्तान की सुरक्षा स्थिति को लेकर दावा किया कि हिंसा के पश्तून-बहुसंख्यक क्षेत्रों में भी फैलने से पहले राज्य ने बलूचिस्तान के बड़े हिस्सों पर अपना नियंत्रण लगातार खो दिया था। उन्होंने पूछा 'देश बिखर रहा है। शासक कहां हैं?' 'बलूच क्षेत्रों में विद्रोह हुए थे। पूरा बलूच क्षेत्र पाकिस्तान के नियंत्रण से बाहर हो गया था। आज भी वहां पाकिस्तानी सरकार का कोई शासन नहीं है।' उन्होंने दावा किया कि बिगड़ती सुरक्षा स्थिति अब खैबर पख्तूनख्वा तक फैल गई है।

फजलुर रहमान की टिप्पणियों का कारण क्या था?

यह तीखी आलोचना पाकिस्तान सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की ओर से नागरिकों से आतंकवादी समूहों के खिलाफ लड़ाई में सेना के साथ खड़े होने का आग्रह करने के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि व्यापक जन समर्थन के बिना सशस्त्र बल अकेले आतंकवाद को खत्म नहीं कर सकते। फजलुर रहमान ने अपील को सिरे से खारिज कर दिया और तर्क दिया कि देश की रक्षा करना सेना का संवैधानिक दायित्व है। नागरिकों से राज्य की लड़ाई लड़ने के लिए नहीं कहा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'लोग कहते हैं कि हमारे युवा शहीद बन रहे हैं। आपके युवा इसी उद्देश्य से वर्दी पहनते हैं। उन्हें देश की सुरक्षा की रक्षा के लिए वेतन दिया जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि तुम अपने खून का एहसान मुझ पर क्यों थोप रहे हो? तुम हमारी मेहनत और पसीने से कमाए गए करों से अपना वेतन ले रहे हो।

इंडोनेशिया में दो ट्रकों की टक्कर से 13 लोगों की मौत

शादी से लौट रहे थे मेहमान, 5 घायल

जकार्ता, एजेंसी। इस वक्त की बड़ी खबर इंडोनेशिया के जावा द्वीप से सामने आ रही है। यहां एक दर्दनाक सड़क हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। ये सभी लोग एक शादी समारोह से लौट रहे थे, जिसमें यह बतौर मेहमान शामिल हुए थे। जानकारी के मुताबिक ये सभी लोग एक खुले पिकअप वैन में सफर कर रहे थे। इस दौरान एक विंग-बॉक्स ट्रक ने उनकी ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक दूसरी लेन में चली गई, जहां अन्य ट्रक ने उसमें टक्कर मार दी। इस तरह से दोनों ट्रकों की टक्कर से 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दो ट्रकों की टक्कर से हुआ हादसा : पुलिस ने सोमवार को बताया कि इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा पर एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक व्यस्त हाईवे पर शादी के लिए मेहमानों को ले जा रही एक पिकअप ट्रक दो ट्रकों के बीच कुचल गई। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए हैं। स्थानीय ट्रैफिक पुलिस प्रमुख उडांग शरीफ हिदायत ने बताया कि यह दुर्घटना रविवार दोपहर इंद्रामायु रीजेंसी के कियाजारन कुलोन गांव के पास उत्तरी तटीय हाईवे पर हुई। यह समूह पड़ोसी पारेन गांव में एक शादी में शामिल होकर घर लौट रहा था।

ओपन पिकअप में सवार थे मेहमान : ट्रैफिक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित एक खुली पिकअप ट्रक में यात्रा कर रहे थे। हाईवे पर यू-टर्न लेने के लिए जब गाड़ी धीमी हुई और मीडियन ओपनिंग के पास रुकी, तो उसी दिशा में आ रहे एक विंग-बॉक्स ट्रक ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। हिदायत ने कहा, 'टक्कर से पिकअप दूसरी लेन में चली गई, जहां उसे एक और ट्रक ने टक्कर मार दी। इस ज़बरदस्त टक्कर से पिकअप ट्रक में सवार एक दर्जन से ज़्यादा लोग हाईवे पर जा गिरे।'

हादसे में पांच लोग घायल : पुलिस ने बताया कि इस हादसे में घायल हुए 5 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं। उन्हें मामूली से लेकर गंभीर चोटें आई हैं। अधिकारी दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं। इससे पहले हाल ही में पाकिस्तान में भी एक बस खाई में गिर जाने से 40 लोगों की मौत हो गई थी। बता दें कि इंडोनेशिया में सड़क दुर्घटनाएं आम हैं, जहां ओवरलोडेड गाड़ियां, सड़क सुरक्षा के अपर्याप्त उपाय और ट्रैफिक नियमों का ठीक से पालन न करना अक्सर जानलेवा दुर्घटनाओं का कारण बनता है।

आखिर कैसे हुआ हादसा?

स्थानीय यातायात पुलिस प्रमुख उंदांग स्यारिफ हिदायत ने बताया कि यह हादसा रविवार दोपहर इंद्रामायु रीजेंसी के कियाजारन कुलोन गांव के पास उत्तरी तटीय हाईवे पर हुआ। सभी लोग पड़ोसी परेआन गांव में शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने घर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, सभी लोग एक खुली पिकअप में सवार थे। हाईवे पर यू टर्न लेने के लिए चालक ने डिवाइडर के कट के पास वाहन की रफ्तार धीमी की और उसे रोक दिया। तभी पीछे से उसी दिशा में आ रहे एक विंग बॉक्स ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। हिदायत ने बताया कि पहली टक्कर के बाद पिकअप सामने वाली लेन में जा पहुंची, जहां विपरीत दिशा से आ रहे दूसरे ट्रक ने भी उसे टक्कर मार दी।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)